梵文基础读本

语法 课文 词汇

〔德国〕A. F. 斯坦茨勒 著

季羡林 译

段晴　钱文忠 续补

北京大学出版社

北　京

图书在版编目(CIP)数据

梵文基础读本/(德) 斯坦茨勒(Stenzler, A. F.)著;季羡林译. —北京:北京大学出版社,1996.5
ISBN 7-301-03090-8

Ⅰ.梵… Ⅱ.①斯…②季… Ⅲ.①梵语-语法-语言读物-教材②梵语-语文-中世纪文学-文学研究 Ⅳ.①H711②I351.063

书　　名:梵文基础读本
著作责任者:季羡林 译　段晴　钱文忠 续补
责 任 编 辑:杜若明
标 准 书 号:ISBN 7-301-03090-8/H·0313
出　版　者:北京大学出版社
地　　址:北京市海淀区中关村北京大学校内　100871
电　　话:出版部 2752015　发行部 2559712　编辑部 2752032
印　刷　者:北京大学出版社
发　行　者:北京大学出版社
经　销　者:新华书店
850×1168 毫米 32 开本 5.625 印张 121 千字
1996 年 5 月第一版　1996 年 5 月第一次印刷
定　　价:12.00 元

E0626

目　录

字体…… 1
语音…… 7
音变(7) 绝对尾音中的辅音(7) 句内连声法(8) 字内音变(13)
词形变化 …… 16
名词性词的变格(16) 以元音为尾音的名词的变格(18) 以辅音为尾音的名词的变格(24) 多语干名词性的词(27) 不规则语干(32)
比较级 …… 33
代词的变格 …… 34
数词 …… 38
动词变位 …… 39
现在时语干(41) 带插入元音变位(42) 不带插入元音的变位(44) 一般时态(58) 完成时(58) 不定过去时(65) 祈求式(69) 将来时(70) 假定时(71) 被动语态(72) 派生语干的变位(73) 第十类动词和致使动词(74) 愿望动词(75) 加强动词(76) 名动词(77) 动名词(77) 时态语干的分词(77) 不定式和独立式(82)
字的构成 …… 84
阴性语干的构成(84)
复合词 …… 86
动词复合(86) 名词性复合词(87)
练习例句 …… 93
阅读文选…… 101

词汇中所用缩略语 …… 125
词汇 …… 127
补充词汇 …… 171
后记 …… 173

字　体

1. 梵文(samskṛtam)一般用"城体"Nāgari 字母书写，有下列几个符号：

a) 元音

简单元音 अ a　आ ā　इ i　ई ī　उ u　ऊ ū　ऋ ṛ　ॠ ṝ　ऌ ḷ

复合元音 ए e　ऐ ai　ओ o　औ au

b) 辅音

1. 喉　音	क ka	ख kha	ग ga	घ gha	ङ ṅa
2. 腭　音	च ca	छ cha	ज ja	झ jha	ञ ña
3. 顶　音	ट ṭa	ठ ṭha	ड ḍa	ढ ḍha	ण ṇa
4. 齿　音	त ta	थ tha	द da	ध dha	न na
5. 唇　音	प pa	फ pha	ब ba	भ bha	म ma
6. 半元音	य ya	र ra	ल la	व va	
7. 咝　音	श śa	ष ṣa	स sa		
8. 气　音	ह ha				

辅助符号：ं ṃ(Anusvāra)，ँ ~(Anunāsika)，　ः h(Visarga).

注 1. ळ ḷa(顶音)仅见于吠陀典籍。

注 2. 常用 Devanāgari 代替 Nāgari。这个字在南印度为了有别于 Nandināgari 而使用。

2. 发音。　ऋ ṛ，ॠ ṝ，ऌ ḷ 都是音节。ऋ ṛ 与 Bäcker 里的 er 发音相同并带 i 的余音，ॠ ṝ 后带 u 的余音，ऌ ḷ 像 Engel 里的 el。ए e 和 ओ o 总是长音，原来是复合元音。e 一般来自 ai，o(§ 35，1a 和 51 的例外除外)来自 au。ऐ ai 和 औ au 是从较古老的 āi 和 āu 发展来的。参见 § 40。

3. 送气音(kh 等)发音时伴有急促相随的送气成分。——

ङ的 ṅ 发音作我们(按指德语)的 ng。腭音的发音同齿音而有腭音部的 sch 音相随。 ञ ña 如法语中前腭音化的 n。顶音同齿音,但发音时舌尖后卷。 य ya 和 व va 是真正的半元音,v 的发音更像英语的 w。 श śa (腭音)是 sch,但舌尖下垂,如波兰语的 ś。 ष ṣa 是顶音化的 sch, स sa 是干脆的齿音 s。 ह ha 是纯粹的送气音。

4. 1～5 行的前二个辅音以及三个咝音是清音(无声, 硬),包括元音在内的所有其他字母是浊音(有声, 软)。

5. 元音符号。§ 1(起首元音)中的元音符号只有在前面没有辅音,也就是说在句首或在元音后的字首时才使用。在和前面的辅音组合时,a 已包括在辅音符号里;其余的元音(中间元音)用下列方式表示:

का kā कि ki की kī कु ku कू kū कृ kṛ कॄ kṝ कॢ kḷ
के ke कै kai को ko कौ kau.

特别要注意的是:

कु du कू dū कृ dṛ कॢ ru कॣ rū शु śu शू śū शृ śṛ हु hu
हू hū हृ hṛ.

6. 没有元音的辅音用写在下面的一撇、(Virāma)表示,不过只用于停顿、句尾或单个的词:वाक् vāk(语言);或用于语法上的词干: दिश् diś (方位)。

7. 连写字母:当在字或句中两个或更多的辅音彼此直接相连时,就得用连写字母来书写:

1. 当需要连写的辅音中的第一个辅音的右侧有一垂直线时,它就丢去这道线而写在前面:

ग्द gda, ग्ध gdha, च्य cya, ज्व jva, न्त nta, प्स psa, ब्द bda,
व्य vya, श्य śya, ष्क ṣka, ष्ट ṣṭa, ष्ठ ṣṭha, स्क ska, स्थ stha.

I. 如果应该连写的辅音群的第一个辅音的右侧没有垂直线,后面的辅音就丢掉上面的那道横线并写在下面:

ङ्क ṅka, ङ्ग ṅga, क्क kka, क्व kva, ट्ट ṭṭa, ट्व ṭva.

Ⅲ. 1 的例外。 न 和 ल 作为连写字母的第二个字母时，习惯上丢掉上面的横线并写在下面：

त्न tna, ध्न dhna, म्न mna, न्न nna, स्न sna, भ्न bhna, प्ल pla, ल्ल lla.

Ⅳ. 1 的例外。 म 和 य 是连写字母的第二个字母时，这两个字母要缩短一些，并写在第一个字母下面：

क्म kma, ङ्म ṅma, द्म dma, ह्म hma, क्य kya, छ्य chya, ट्य ṭya, ठ्य ṭhya, ड्य ḍya, ढ्य ḍhya, द्य dya, ह्य hya.

Ⅴ. 其他的例外是：加 क्: क्थ ktha, 加 च्: च्च cca, च्ञ cña, 加 ञ्: ञ्च ñca, ञ्ज ñja, 加 प्: प्त pta.

Ⅵ. श 在一些连写字母中有 श्‍ 这一形式(还有 श् 的形式)：श्च śca, श्न śna, श्ल śla, श्व śva(见 § 5)。

Ⅶ. 较大程度的缩略有：加 क्: क्त kta, 加 त्: त्त tta, 加 द्: द्द dda, द्ध ddha, द्न dna, द्भ dbha, 加 न: ह्न hna, 加 व: द्व dva, ह्व hva.——特别要注意：क्ष kṣa, ज्ञ jña （发音作 dnya), ण्ण ṇṇa （亦作 ण्‍ण）。

Ⅷ. 在辅音和 ऋ ṛ 前的 r 用写在上方的钩来表示，这一钩总是写在最右面：र्क rka, र्के rke, र्कौ rkau, र्कं rkaṃ, र्ऋ rṛ.

——在辅音后的 r 用附在下面的一撇来表示：क्र kra, ज्र jra, द्र dra, न्र nra, प्र pra, श्र śra, ह्र hra. 特别要注意 त्र tra.

Ⅸ. 两个以上的辅音按相同规则连写：

ग्ध्व gdhva, ग्न्य gnya, त्स्य tsya, प्त्य ptya, ष्ठ्य ṣṭhya, क्त्य ktya, क्त्व ktva, ङ्क्त ṅkta, त्त्य ttya, त्त्व ttva, द्व्य dvya, द्द्य ddya, द्ध्य ddhya, द्भ्य dbhya, श्च्य ścya, श्व्य śvya, क्ष्ण kṣṇa, क्ष्म kṣma, क्ष्म्य kṣmya, क्ष्य kṣya, क्ष्व kṣva, ङ्क्ष ṅkṣa, ङ्क्ष्व ṅkṣva, ग्र्य grya, त्त्र ttra, त्र्य trya, द्द्र ddra, द्र्य drya, स्त्र stra.

8. 最常用的连写字母表：

加 क्: क्क kka, क्ख kkha, क्त kta, क्त्य ktya, क्त्र ktra, क्त्व ktva, क्थ ktha, क्न kna, क्म kma, क्य kya, क्र kra, क्र्य krya, क्ल kla, क्व kva, क्ष kṣa, क्ष्ण kṣṇa, क्ष्म kṣma, क्ष्म्य kṣmya, क्ष्य kṣya, क्ष्व kṣva. —加 ख्: ख्न khna, ख्य khya. —加 ग्: ग्द gda, ग्ध gdha, ग्ध्व gdhva, ग्न gna, ग्न्य gnya, ग्भ gbha, ग्भ्य gbhya, ग्म gma, ग्य gya, ग्र gra, ग्र्य grya, ग्ल gla, ग्व gva. —加 घ्: घ्न ghna, घ्म ghma, घ्य ghya, घ्र ghra. —加 ङ्: ङ्क ṅka, ङ्क्त ṅkta, ङ्क्ष ṅkṣa, ङ्क्ष्व ṅkṣva, ङ्ख ṅkha, ङ्ख्य ṅkhya, ङ्ग ṅga, ङ्ग्य ṅgya, ङ्ग्र ṅgra, ङ्घ ṅgha, ङ्घ्र ṅghra, ङ्ङ ṅṅa, ङ्म ṅma.

加 च्: च्च cca, च्छ cchа, च्छ्र cchra, च्छ्व cchva, च्ञ cña, च्म cma, च्य cya. —加 छ्: छ्य chya, छ्र chra. —加 ज्: ज्ज jja, ज्ञ jñа, ज्ञ्च jñca, ज्ञ्छ jñcha, ज्ञ्ज jñja, ज्ञ्झ jñjha, ज्ञ jña, ज्ञ्य jñya, ज्म jma, ज्य jya, ज्र jra, ज्व jva. 加 ञ्: ञ्च ñca, ञ्छ ñcha, ञ्ज ñja, ञ्झ ñjha.

加 ट्: ट्क ṭka, ट्ट ṭṭa, ट्य ṭya, ट्व ṭva, ट्स ṭsa. —加 ठ्: ठ्य ṭhya, ठ्र ṭhra. —加 ड्: ड्ग ḍga, ड्ड ḍḍa, ड्य ḍya. —加 ढ्: ढ्य ḍhya, ढ्र ḍhra, ढ्व ḍhva. —加 ण्: ण्ट ṇṭa, ण्ठ ṇṭha, ण्ड ṇḍa, ण्ढ ṇḍha, ण 或 ण्ण ṇṇa, ण्म ṇma, ण्य ṇya, ण्व ṇva.

加 त्: त्क tka, त्त tta, त्त्य ttya, त्त्र ttra, त्त्व ttva, त्थ ttha, त्न tna, त्न्य tnya, त्प tpa, त्फ tpha, त्म tma, त्म्य tmya, त्य tya, त्र tra, त्र्य trya, त्स tsa, त्स्न tsna, त्स्न्य tsnya, त्स्य tsya, त्स्व tsva. —加 थ्: थ्य thya. —加 द्: द्ग dga, द्ग्र dgra, द्द dda, द्द्य ddya, द्द्र ddra, द्द्व ddva, द्ध ddha, द्ध्य ddhya, द्ध्व ddhva, द्न dna, द्ब dba, द्ब्र dbra, द्भ dbha, द्भ्य dbhya, द्म dma, द्य dya, द्र्य drya, द्व dva, द्व्य dvya. —加 ध्: ध्न dhna, ध्म dhma, ध्य dhya, ध्र dhra, ध्व dhva. —加 न्: न्त nta, न्त्य ntya, न्त्र ntra, न्त्स ntsa, न्थ ntha, न्द nda, न्द्ध nddha, न्द्र ndra, न्ध ndha, न्ध्य ndhya, न्ध्र ndhra, न्न nna, न्य

nnya, न्म nma, न्य nya, न्र nra, न्व nva, न्स nsa.

加 प्: प्त pta, प्त्य ptya, प्न pna, प्म pma, प्य pya, प्र pra, प्ल pla, प्स psa. —加 फ्: फ्य phya. —加 ब्: ब्ज bja, ब्द bda, ब्ध bdha, ब्ध्व bdhva, ब्ब bba, ब्भ bbha, ब्य bya, ब्र bra. —加 भ्: भ्न bhna, भ्य bhya, भ्र bhra, भ्व bhva.

—加 म्: म्न mna, म्प mpa, म्प्र mpra, म्ब mba, म्ब्य mbya, म्भ mbha, म्य mya, म्र mra, म्ल mla.

加 य्: य्य yya, य्व yva. —加 ल्: ल्क lka, ल्ग lga, ल्प lpa. ल्म lma, ल्य lya, ल्ल lla, ल्व lva, ल्ह lha. —加 व्: व्न vna, व्य vya, व्र vra.

加 श्: श्च śca, श्च्य ścya, श्न śna, श्म śma, श्य śya, श्र śra, श्र्य śrya, श्ल śla, श्व śva, श्व्य śvya. —加 ष्: ष्क ṣka, ष्क्र ṣkra, ष्ट ṣṭa, ष्ट्य ṣṭya, ष्ट्र ṣṭra, ष्ट्र्य ṣṭrya, ष्ट्व ṣṭva, ष्ठ ṣṭha, ष्ठ्य ṣṭhya, ष्ण ṣṇa, ष्ण्य ṣṇya, ष्प ṣpa, ष्प्र ṣpra, ष्म ṣma, ष्य ṣya, ष्व ṣva, ष्ष ṣṣa.

— 加 स्: स्क ska, स्क्र skra, स्ख skha, स्त sta, स्त्य stya, स्त्र stra, स्त्व stva, स्थ stha, स्थ्य sthya, स्न sna, स्प spa, स्फ spha, स्म sma, स्म्य smya, स्य sya, स्र sra, स्व sva, स्स ssa.

— 加 ह्: ह्ण hṇa, ह्न hna, ह्म hma, ह्य hya, ह्र hra, ह्ल hla, ह्व hva.

9. 辅助性的语音符号。在咝音和ह前的 Anusvāra 像法语中结尾的 n 那样发音；在尾音则发作 m；在复合词的前一部分中，在闭止音前发作与该音同类的鼻音；即使因缩略的缘故在词中在闭止音前用了 Anusvāra 而没有用类别鼻音时，也是一样。Anunāsika 只出现在和ल् 的组合中，用于表达鼻音化的 l

（§31b）。——Visarga 是一个清音送气音。在停顿时（§18Ⅳ）轻微地带出前面的元音或复合元音的第二部分的余音。

10. 标点符号。| 表示较小的句子停顿和半颂的结束．‖ 表示较大段落和一颂的结束。——‘ऽ’（Avagraha）表示首音 अ（§22）的省略。° 表示缩略。

11. 梵文在一句中只有当一个字以元音、Anusvāra 或 Visarga 收尾而后面的字以辅音起首时，才分开书写；按照 §§23—25、35，1 b，c 也可分开书写。结尾辅音和起首元音或辅音按 §26 以下各节写作一个音节符号。结尾元音和起首元音按 §19 及以下各节组合。

12. 数字符号：

१	२	३	४	५	६	७	८	९	०
1	2	3	4	5	6	7	8	9	0

१० = 10; १९१४ = 1914.

13. 重音。梵文的古重音规则在今天的发音中已不再使用。现在的重音规则：适用于拉丁语的重音规则扩展到包括后面四个音节。如果倒数第二、第三个音节都是短音，重音可挪至倒数第四音节上。倒数第二个音节或第三个音节是长音的，则分别为重音节。दुहितरम् dúhitaram（女儿），भवति bhávati（他成为），भवामि bhavā́mi（我成为），भवन्ति bhavánti （他们成为）。

〔注〕简单动词中字根音节发重音；插入音、重复音和动词前缀变为重音，则始终遵守主规则。名词的派生词的重音绝大多数保持在原始字上。带 y 和 v 的辅音组合在此条件下不使音节加长。

语　音

音　变

14. 元音有二个升级，称为Guṇa（二合元音）与Vṛddhi（三合元音）。

简单元音（低　级）	—	इ i, ई ī	उ u, ऊ ū	ऋ ṛ, ॠ ṝ	ऌ ḷ
二合元音（高　级）	अ a	ए e	ओ o	अर् ar	अल् al
三合元音（延伸级）	आ ā	ऐ ai	औ au	आर् ār	—

15. 如果字根音节的元音要变为二合元音，闭塞音节中的长元音不变：जीव् jīv（生存），निन्द् nind（斥责）。

16. 在一些比较级（§109）和字根 दृश् （看见），सृज् （创造）中，在以辅音起首的语尾前，ऋ 的二合元音是र，三合元音是रा 。

绝对尾音中的辅音（停顿中）

17. 尾音辅音的数目：如果一个词结尾的辅音有两个或更多，只保留第一个： सत् （存在的）代替 sant-s。r＋一个辅音的组合是允许的：Nom. Sg. ऊर्क् urk（力量）。

18. 尾音辅音的种类：在停顿时只有第一行和第三到五行的不送气清音和鼻音以及 Visarga 允许作为尾音辅音。其余的，如果它们原来就是尾音或者按§17应处在尾音位置上的，变化如下：

I．第一行和第三至五行的浊音和送气音变为相应的不送气

清音：

tad→ तत् tat(那个)，yudh+s→ युत् yut(力量)

Ⅰ.颚音尾音变为क्， ज् 有时变为ट्：

प्राच् prac(东方的)，体格单数中性是 प्राक् prāk；असृज् 中性(血)的体格单数是 असृक् asṛk； वाच् 的体格单数是 वाक् vak 阴性 =vox (拉丁文，言语，声音。译者注)； देवराज् (天王)的体格单数是 देवराट् devarāṭ.

Ⅱ.ष् 和ह् 变为ट्，较少数变为क्，भ् 变为क् 或ट्：

षष् (六)变为 षट् ṣaṭ； मधुलिह् (蜜蜂)的体格单数 मधुलिट् madhuliṭ； दिश् (地区)的单数体格 दिक् dik； विश् (民族)的单数体格 विट् viṭ。

(注)以一个不送气浊音起首并以一个送气浊音或 ह् 结尾的字根音节，如果变化尾辅音，那么起首音恢复为原始的送气音： गोदुह् (挤奶人)的阳性单数体格 गोधुक् go-dhuk。

Ⅳ.在元音后，र् 和स् 变为 Visarga：

पुनः 替代 पुनर् (再次)， अश्व (马)的单数体格 अश्वः aśvaḥ 代替 aśvas 。

句内连声法(Sandhi)

A.结尾元音和起首元音

同类元音是指彼此相同或只有音量差别的元音。

19.同类的简单元音融合为长元音：

न अस्ति इह na asti iha (他不在这里)变为 नास्तीह nāstīha; न आसीत् (他不是)变为नासीत्； देवी इव (像女神一样)变为 देवीव devīva; साधु उक्तम् sādhu uktam (说得好)变为 साधूक्तम् sādhūktam.

20. अ a 和 आ ā 融合：

a)加不同类的简单元音变成它们的二合元音：न इह na iha（不在这里）变为 नेह neha； विना ईर्ष्यया vinā īrṣyayā（没有醋意的）变为 विनेर्ष्यया vinerṣyayā; सा उवाच sā uvāca（她说）变为 सोवाच sovāca; यथा ऋषिः yathā ṛṣiḥ（像仙人）变为 यथर्षिः yatharṣiḥ;

b)加复合元音变成三合元音：अद्य एव adya eva（就在今天）变为 अद्यैव adyaiva; सा ओषधिः sā oṣadhiḥ（草药）—— सौषधिः sauṣadhiḥ.

21. 在不同类元音前，a 和 ā 之外的简单元音变成它们的半元音：

उपरि उपरि upari upari（高过）—— उपर्युपरि upary upari;

अस्तु एतत् astu etat（应该是这样）—— अस्त्वेतत् astv etat。

22. 初音 अ a 在 ए e 和 ओ o 后面省略（§ 10）：

ते अपि te api（连他们也）—— ते ऽपि te 'pi 参见 § 35，1a。

23. 在 अ 以外的其他元音前，尾音 ए e 和 ओ o 变成 अ，产生元音连续(Hiatus)：

वने आस्ते vane āste（他坐大森林里）变为 वन आस्ते vana āste; प्रभो एहि prabho ehi（噢，主人！来吧！）—— प्रभ एहि prabha ehi.

24. ऐ ai 在元音前按常规变为 आ，औ 变为 आव् āv：

तस्मै अदात् tasmai adāt（他给这）变为 तस्मा अदात् tasmā adāt;

तौ उभौ tau ubhau（这两个）变为 तावुभौ tāv ubhau。

25. §§ 21—23 的例外：双数形式和 अमी（§ 120）中的尾音 ई，ऊ 和 ए 在元音前保持不变(pragṛhya)并且不引起省略： चक्षुषी

इमे cakṣuṣī ime(这两只眼睛)；**कन्ये आसाते अत्र** kanye āsāte atra(两个女孩坐在那儿)。

B. 辅音作尾音

26. 停顿形式(§18)的清音只在清音前保持不变。在浊音(包括元音)前它们变为浊音。在鼻音前变成相应的鼻音：

आसीत् राजा(从前有个国王)变为 **आसीद्राजा** āsīd rājā；**अभवत् अत्र**(他曾在这儿)—— **अभवदत्र** abhavad atra；**तत् न**(不是这)—— **तन्न** tan na；**वाक् मे**(我的话)—— **वाङ्मे** vāṅ me。

27. 停顿形式的 **त्** 同化于初音颚音、顶音和 **ल्**：

तत् च(和这个)变为 **तच्च** tac ca；**तत् जलम्**(那水)—— **तज्जलम्**；**तत् लभते**(他想要那个)—— **तल्लभते** tal labhate。

28. 同样，在初音 **श्** 前，尾音 **त** 变成 **च्**，而 **श्** 变成 **छ**：

तत् श्रुत्वा(听到了这个)—— **तच्छ्रुत्वा** tac chrutvā.

鼻音作尾音

29. 在初音元音前短元音后的除 **म्** 以外的尾音鼻音重复：

आसन् अत्र(他们曾在此)—— **आसन्नत्र** āsann atra；**प्रत्यङ् आसीनः**(面西而坐)—— **प्रत्यङ्ङासीनः** pratyaṅṅ āsīnaḥ。

30. 在辅音前，**म्** 变成 Anusvāra (§9)：**तम् च** —— **तं च** taṃ ca

31. 尾音 **न्**：

a）在浊音颚音、顶音和श्前变为同类的鼻音，तान् जनान् 复数业格（这些人）—— ताञ्जनान् tāñ janān。此时，初音श्多半变为छ्：तान् शशान् 复数业格（这些兔子）—— ताञ्शशान् tāñ śaśān 或 ताञ्छशान् tāñ chaśān。

b）在ल्前变成ल्ँ（鼻音化Ⅰ，§9）：तान् लोकान् 复数业格（这些世界）—— ताँल्लोकान् tāĩ lokān 。

注：ल्ँ有时写作ल्।

32. 在尾音न्和初音清颚音、顶音和齿音之间，插入相应的咝音，前面的न्变为 Anusvāra（§9）：

भरन् च（和背负的）—— भरंश्च bharaṃś ca; तान् तान् 复数业格（这些和那些）—— तांस्तान् tāṃs tān。

句中的 Visarga（§18Ⅳ）

33. Ⅰ. 清音前的 Visarga：

a）在清喉音、唇音和咝音前，Visarga 保持不变：ताः कन्याः tāḥ kanyāḥ（这些女孩）；पुनः पुनः punaḥ punaḥ（一再）；व्रीहिः पच्यते vrīhiḥ pacyate（稻谷成熟）；अश्वाः षट् aśvāḥ ṣaṭ（六匹马）。

注：在一些比较古老的文献中，被称作 Jihvāmūlīya 的≍ ḫ代替 Visarga 出现在清喉音之前，名为 Upadhmānīya 的≍ ḫ代替 Visarga 出现在清音唇音之前，在咝音前同化：पतिः करोति patiḥ karoti——पति≍करोति（主人做…）；कः परः —— क≍ परः（哪一个陌生人？）हतः शेते —— हतश्शेते（他被打死躺着）。

b）在清音颚音、顶音和齿音前，Visarga 变为相应的咝音：अश्वः，但 अश्वश्च aśvaś ca（和一匹马）；कुठारैः टङ्कैः च —— कुठारैष्टङ्कैश्च kuṭhāraiṣ ṭaṅkaiś ca（拿着斧子和撬棒）；पुनः，但पुनस्तत्र punas tatra（又是在那里）；भ्रातरः，但 भ्रातरस्त्रयः bhrātaras trayaḥ（三兄弟）。

Ⅱ. 浊音前的 Visarga

34. 在非 a 元音后：

a) Visarga 变为 र्：

मतिः मम（我的意见）变为 मतिर्मम matir mama；पशुः इव（像牲畜）变为 पशुरिव paśur iva；गुणैः युक्तः（有德行的）变为 गुणैर्युक्तः guṇair yuktaḥ.

注：呼唤词भोः bhoḥ在所有浊音前失落 Visarga。

b)在初音र् 前 Visarga 失落，前面的短元音拉长：

तरुः रोहति（树在生长）—— तरू रोहति tarū rohati。

35. 在元音 a 后：

1. 如果 Visarga 代表स्：

a) अः aḥ 在浊辅音和अa 前变为ओo：अश्वः，但是अश्वो वहति aśvo vahati（马在跑）；अश्वः अपि（连马也）—— अश्वो ऽपि aśvo 'pi（§ 22）。

b) अः 在除अ之外的其他元音前变为अ，产生元音连续：

अश्वः，但अश्व इव aśva iva（像马一样）；अश्व उवाह aśva uvāha（马曾跑过）。

c)आः āḥ 在所有浊音前变为आ ā：

अश्वाः，但是 अश्वा वहन्ति aśvā vahanti（众马在跑）；अश्वा ऊहुः aśvā ūhuḥ（众马曾跑过）。

2. 如果 Visarga 代表र् r（§ 18(4)）它就在所有浊音前变为र्，在初音र् 前按照 § 34b 处理：

पुनः punaḥ，但是 पुनरस्ति punar asti（是再次）；पुना रोहति punā rohati（又生长起来）。

初音辅音

36. 初音ह् 使前面的停顿形式的不送气清音变为浊音（§ 26）而自己变为相应的送气浊音：

तत् हि（而这）变为 तद्धि tad dhi; अभूत् हंसः（他变成了天鹅）—— अभूद्धंसः abhūd dhaṃsaḥ; वाक् हि（因为言语）—— वाग्घि vāg ghi。

37. 初音 छ् 在短元音、मा mā（不）和आ ā（向）后变为 च्छ : न च्छिन्दन्ति nacchindanti（他们没有割）。

注：छ् ch（来自 sk）在字中所有的元音后写作 च्छ : चिच्छेद cicchedа（他割）；म्लेच्छः mlecchaḥ（野蛮人）。

38. 关于初音श् 在त् 和न् 后变为छ् 的变化参见 § 28 和 § 31a。

字内音变

39. 当往字根或语干上加后缀时，§§ 19—37 诸规则也基本上适用于字内音变。最重要的例外如下：

40. 在元音前，ए 变为 अय्，ऐ 变为आय्，ओ 变为 अव्，औ 变为 आव् : एमि e-mi（我去），但是 अयानि ay-āni（我将要去）。参阅 § 79 中复合元音语干的变格。

41. 在元音前 इ ई 可能变为इय्，उ ऊ变为उव् ，特别当它们是字根元音（§ 71、149）或者前面有两个辅音（ §§ 174b、205、209）的时候。

42. 在字根的र् 和व् 前面，如果后面有辅音相加，इ 和उ 一般都拉长。例如：字根 दिव् —— दीव्यति divyati（他在玩）；语干 गिर् —— गीर्भिः gīrbhiḥ（通过言语）；语干 आशिस् —— आशीर्भिः （通过请求）。

43. 在以元音、半元音或鼻音起首的语尾前，辅音一般不变：语干मनस्，单数依格 मनसि（在精神里），मनस्विन् （理解的）。

44. 语干的结尾辅音在其他辅音前按停顿形式的规则（§ 18），然后按照 § 26 处理：语干 मनस् （意识）按照 § 33a 构成复数依格 मनःसु manaḥ－su；按照 § 35，1a 构成复数具格मनोभिः mano－bhiḥ；现在时语干 आस्（坐）按照 § 35，1c 构成复数第二人称中间语态 आध्वे ā-dhve 。

顶化规则

45. न् 变为 ण्：如果 न् 后面的字母是元音或 न म य व 而前面紧连着的是 ऋ，ॠ，र्，ष्，或者二者之间没有元音、喉音、唇音、य्、व्、ह्、Anusvāra 以外的其他音，则 न् 变为 ण्：语干 अक्षन्（眼睛）构成单数具格 अक्ष्णा akṣṇā；语干 ब्रह्मन्（婆罗门）构成单数具格 ब्रह्मणा brahmaṇā；राम（罗摩）构成单数具格 रामेण rāmeṇa；但是 रथ（车）的单数具格是 रथेन rathena。

46. स् 变为 ष्：如果 स् 前面紧联着的是 क्、र्、ल्、非 अ आ 的元音，或者其中只有 Anusvāra 或 Visarga，而后面不是 ऋ 和 र्，则 स् 变为 ष्。

वाक् + सु（§81）构成复数依格 वाक्षु vākṣu；语干 हविस्（祭品）构成单数具格 हविषा haviṣā，复数体格 हवींषि havīṃṣi，构成复数依格 हविःषु haviḥṣu，等于 हविस् + सु。但是 त्रि（3）构成阴性复数体格 तिस्रः tisraḥ，阴性复数依格 तिसृषु tisṛṣu。

注：当 स् 按 § 34a 变为 र् 时，此规则不适用：हविर्भिः havirbhiḥ（复数具格）。——स् 在 पुंस्（人）和 हिंस्（伤害，动词）中保持不变。पुंसा（单，具），हिंसा（伤害，名词）。

47. 齿音在顶音包括 ष् 后变成顶音：

ईड् + ते 变为 ईट्टे īṭṭe（他赞颂）；इष् + त 变为 इष्ट iṣṭa（希望得到的）。

§ 44 的例外和特殊情况

48. 后缀初音 त् 和 थ् 在送气浊音后变为浊音并且变为送气音：बुध् + त —— बुद्ध（觉）、लभ् + तुम् —— लब्धुम्（贪、不定式）。

49. 在一些字根中，ज् 在 त् 前变为 क्，在一些字根中变为 ष्：字根 युज् 的过去分词 युक्त（套上挽具的）；सृज्（创造）的过去分词 सृष्ट sṛṣṭa

（§ 47）。

50. श्在त्前变成ष्（§ 47）：字根 दृश् 的过去分词 दृष्ट dṛṣṭa（看见了）。

51. a）ह्和后面的 त् थ् ध् 融合成ढ्，除 ऋ 以外前面的短元音拉长：

लिह् ＋ त 变为 लीढ līḍha（舐了）； लिह् ＋ तः（现在时双数第三人称）和 लिह् ＋ थः （现在时双数第二人称）两个都变成 लीढः（他俩舐，你俩舐）； लिह् ＋ ध्वे（中间语态复数第二人称）变为 लीढ्वे（你们舐）；दृह् ＋ त 变为 दृढ dṛḍha（牢固的）。

b）在以 द् 为初音的字根（ दह्，दिह्，दुह्，द्रुह् ）和लिह्中，ह् 在त等之前照 घ् 处理（按照§ 48）：

दुह् ＋ त 变为दुग्ध dugdha（挤过奶了）。

注：ज्和ह्一样有双重来源，所以在§§ 18 II. III. 49. 51. 中有不同的处理。

§ 51的例外：从 मुह्（变得迷惑）可构成 मुग्ध （胆怯的）或 मूढ（愚蠢的），在 नह्（固，系住）中 ह् 当 ध् 处理：नह् ＋ त 变为 नद्ध （已系住的）。 — वह्（驾驶）和 सह्（背负）照§ 51a 处理。但在此情况下 ओ 代替了 अ： वह् ＋ तुम् 变为 वोढुम् voḍhum（驾驶）。

52. 在以 स् 起首的变位语尾前：

a） ज्，श्，ष् 和ह् 总是变为 क्，后面的 स् 变为ष्（§ 46）：
विश्的将来时单数第三人称 वेश् ＋ स्यति 变为 वेक्ष्यति vekṣyati （他将进来）， द्विष् 的现在时单数第二人称 द्वेष् ＋ सि 变为 द्वेक्षि dvekṣi（你恨）， लिह्的现在时单数第二称 लेह् ＋ सि 变为 लेक्षि lekṣi （你舐）。

b）स्保持不变：शास्（命令）的现在时单数第二人称 शास्सि ， आस्（坐）的现在时中间语态单数第二人称 आस्से。

注：在 स् 前， स्有时候变为 त्： वस्（住）将来时单数第一人称 वत्स्यामि。

53. र् 在以辅音为初音的语尾前保持不变： पुर्（城）的复数依格 पूर्षु（§ 42、46）； भृ（背负）的现在时单数第二人称 बिभर्षि。

54. न् 在च् 和ज् 后变为 ञ्: राजन् (国王)构成单数具格 राज्ञा rājñā。

55. a)尾音的न् 和म् 经常在以辅音为初音的后缀前消失： गम् 的过去分词 गत (走了)。

b)如果它们不消失，न् 和 म् 就在咝音前变为 Anusvāra，म् 在其他辅音(除 य् 外)之前变为 न्: हन् (打)的现在时单数第二人称 हन् + सि —— हंसि haṃsi；गम्(去)的不定式 गन्तुम् gantum。

词形变化

名词性词的变格

56. 梵文有三性、三数，而且在每一数中有八格：体格、业格、具格、为格、从格、属格、依格、呼格。一般的格的语尾是：

	单数	双数	复数
体	स्	औ，中性 ई	अस्，中性 इ
业	अम्		
具	आ	भ्याम्	भिस्
为	ए		भ्यस्
从	अस्		
属		ओस्	आम्
依	इ		सु

呼格在双数和复数中总是和体格相同，在单数中经常和体格相同。中性单数体格和业格没有语尾，例外是 अ- 语干，要加 म्。

57. 以元音为尾音的语干在很多地方有不同的语尾，最多的是 अ- 语干。अ 语干是唯一的其单数从格有特殊形式的语干。

58. 以元音为尾音的阴性语干，单数为格的语尾是 ऐ， 从格、属格 आस् ，依格 आम् (§§ 63,73)，有的也同时用一般语尾。(§§ 68,71)。

59. 所有的语干加后缀 तस् 可以构成单数从格：语干 मुख 的单数从格 मुखतः（从嘴中）。

格的应用

60. 业格不用介词也表示方向“往哪里”： ग्रामम् “往村子里”。当动词表示“说话”时，“向某人说话”的“某人”是业格。有“问”、“请求”“说”、“教”、“选择”、“关闭”、“知道”等意思的动词支配双重业格。业格回答“多远、多长”等问题。

具格是携带格；它表示方法、工具、原因和陪同。当表达陪伴意思时，多和介词组合。在和被动态的组合中，具格表示行为者或逻辑主语。表示“一样、相当”的词支配具格。

从格表示“从哪儿来”，由来、理由。它和表示“恐惧、掩饰、听见、向……学习”的动词连用。遇到比较级以及相关的词诸如 अन्य “其他的”时，从格表示汉语的“比”。

属格的用途非常之多。它经常接近于为格，并且起为格作用，或者用“为…”来翻译。和动形容词（§ 281）联用时，行为者用具格或属格来表示。

依格表示“在…里、在…上、在…那儿、在…之间（在最高级情况下）”。值得注意的是独立依格（和拉丁文的独立从格相似）也出现在无人称结构中： एवं गते “在这样的情况之下”。

61. 一般用中性单数业格这一形式作副词：सत्यम् （真实地）、नित्यम् （始终）、साधु （好）、नाम（名叫……）。当然，其他的格也用作副词： प्रायेण （绝大部分）、 विशेषतः（特别）。——加后缀 °वत् 构成有“和…一样”意思的副词：语干 अमर —— अमरवत् （像一位神一样）。

以元音为尾音的名词的变格

62. 阳性以 अ 收尾的字：अश्व （马）

	单　数	双　数	复　数
体	अश्वः aśvaḥ	अश्वौ aśvau	अश्वाः aśvāḥ
业	अश्वम् aśvam		अश्वान् aśvān
具	अश्वेन aśvena	अश्वाभ्याम् aśvābhyām	अश्वैः aśvaiḥ
为	अश्वाय aśvāya		अश्वेभ्यः aśvebhyaḥ
从	अश्वात् aśvāt		
属	अश्वस्य aśvasya	अश्वयोः aśvayoḥ	अश्वानाम् aśvānām
依	अश्वे aśve		अश्वेषु aśveṣu
呼	अश्व aśva		अश्वाः aśvāḥ

以 अ 收尾的中性名词的变格也是一样，如 दान （施舍），只是单数体业格为 दानम् dānam，双数体、业、呼格是 दाने dāne、复数体、业、呼格是 दानानि dānāni。

63. 以आ收尾的阴性字：कन्या（女孩）：

	单　数	双　数	复　数
体	कन्या kanyā	कन्ये kanye	कन्याः kanyāḥ
业	कन्याम् kanyām		
具	कन्यया kanyayā	कन्याभ्याम् kanyābhyām	कन्याभिः kanyābhiḥ
为	कन्यायै kanyāyai		कन्याभ्यः kanyābhyaḥ
从	कन्यायाः kanyāyāḥ		
属		कन्ययोः kanyayoḥ	कन्यानाम् kanyānām
依	कन्यायाम् kanyāyām		कन्यासु kanyāsu
呼	कन्ये kanye		कन्याः kanyāḥ

64. 以 अ、阴性आ收尾的形容词也像 § 62 和 63 一样变格。如 नव nava(新的)，阴性 नवा 。——许多以 अ 收尾的形容词部分地按人称代词变格规则(§ 117，118)变格。

65. 以 इ 和 उ 收尾的阳性字：कवि kavi(诗人)、 पशु paśu (牲畜)：

	单数	复数	单数	复数
体	कविः	कवयः	पशुः	पशवः
业	कविम्	कवीन्	पशुम्	पशून्
具	कविना	कविभिः	पशुना	पशुभिः
为	कवये	कविभ्यः	पशवे	पशुभ्यः
从	कवेः		पशोः	
属		कवीनाम्		पशूनाम्
依	कवौ	कविषु	पशौ	पशुषु
呼	कवे	कवयः	पशो	पशवः

双 数

体、业、呼	कवी	पशू
具、为、从	कविभ्याम्	पशुभ्याम्
属、依	कव्योः kavyoḥ	पश्वोः paśvoḥ

66. § 65 的例外：(a) सखि 阳性(朋友)，单数体格 सखा，业格 सखायम्， 具格 सख्या， 为格 सख्ये， 从格、属格 सख्युः， 依格 सख्यौ， 呼格 सखे； 双数体、业、呼格 सखायौ； 复数体、呼格 सखायः， 其余同 कवि § 65。

67. b) पति 阳性(主人、丈夫)，单数具格是 पत्या， 为格 पत्ये， 从、属格 पत्युः； 依格 पत्यौ 。在复合词的结尾按照 § 65 规则变化，有时不作复合词也这样变。

68. 阴性以इ和उ收尾的字：मति（思想）、धेनु（牛）：

	单数	复数	单数	复数
体	मतिः	मतयः	धेनुः	धेनवः
业	मतिम्	मतीः	धेनुम्	धेनूः
具	मत्या	其余的和双数同 कवि §65	धेन्वा dhenvā	其余的和双数同 पशु §65
为	मतये 或 मत्यै		धेनवे 或 धेन्वै	
从 属	मतेः 或 मत्याः		धेनोः 或 धेन्वाः	
依	मतौ 或 मत्याम्		धेनौ 或 धेन्वाम्	
呼	मते		धेनो	

69. 中性以इ和उ收尾的字：वारि（水），मधु（蜜）：

	单数	复数	单数	复数
体 业	वारि	वारीणि	मधु	मधूनि
具	वारिणा	वारिभिः	मधुना	मधुभिः
为	वारिणे	वारिभ्यः（为、从）	मधुने	मधुभ्यः（为、从）
从 属	वारिणः（从、属）	वारीणाम्	मधुनः（从、属）	मधूनाम्
依	वारिणि	वारिषु	मधुनि	मधुषु
呼				

双数

体、业、呼	वारिणी	मधुनी
具、为、从	वारिभ्याम्	मधुभ्याम्
属、依	वारिणोः	मधुनोः

70. 以इ和उ收尾的形容词也和名词一样变格，中性单数为格、从格、属格、依格和双数属格、依格也可以用相应的阳性字语

尾。 शुचि (纯的)，中性单数为格 शुचिने 或 शुचये； गुरु (重)，中性单数属格 गुरुणः 或 गुरोः 。

71. 以 ई 和 ऊ 收尾的单音节阴性字： धी （思想）、 भू （大地）：

	单数	复数	单数	复数
体	धीः	धियः	भूः	भुवः
业	धियम्		भुवम्	
具	धिया	धीभिः	भुवा	भूभिः
为	धिये 或 धियै	धीभ्यः	भुवे 或 भुवै	भूभ्यः
从				
属	धियः 或 धियाः	धियाम् 或 धीनाम्	भुवः 或 भुवाः	भुवाम् 或 भूनाम्
依	धियि 或 धियाम्	धीषु	भुवि 或 भुवाम्	भूषु
呼				

双数

体、业、呼	धियौ	भुवौ
具、为、从	धीभ्याम्	भूभ्याम्
属、依	धियोः	भुवोः

72. 例外： स्त्री （女子）变格如下：单数体格 स्त्री 、业格 स्त्रियम् 或 स्त्रीम्，为格 स्त्रियै，从、属格 स्त्रियाः，依格 स्त्रियाम्， 呼格 स्त्रि； 复数业格 स्त्रियः 或 स्त्रीः，属格 स्त्रीणाम्； 其余同 धी § 71。

73. 以 ई 和 ऊ 收尾的多音节阴性字： नदी （河）。 वधू （女子）：

	单数	复数	单数	复数
体	नदी	नद्यः	वधूः	वध्वः
业	नदीम्	नदीः	वधूम्	वधूः
具	नद्या	नदीभिः	वध्वा	वधूभिः
为	नद्यै	नदीभ्यः	वध्वै	वधूभ्यः
从	नद्याः		वध्वाः	

属	नद्याः	नदीनाम्	वध्वाः	वधूनाम्
依	नद्याम्	नदीषु	वध्वाम्	वधूषु
呼	नदि	नद्यः	वधु	वध्वः

双 数

体、业、呼	नद्यौ	वध्वौ
具、为、从	नदीभ्याम्	वधूभ्याम्
属、依	नद्योः	वध्वोः

74. 例外：लक्ष्मी（幸福）单数体格 लक्ष्मीः。

以 तृ 收尾的语干

75.（a）以 तृ 收尾的行动名词，阳性和中性；दातृ （给予者）。

	单数		复数	
	阳性	中性	阳性	中性
体	दाता	दातृ	दातारः	दातॄणि
业	दातारम्		दातॄन्	
具	दात्रा	दातृणा	दातृभिः	
为	दात्रे	दातृणे	दातृभ्यः	
从	दातुः	दातृणः		
属			दातॄणाम्	
依	दातरि	दातृणि	दातृषु	
呼	दातः（代 दातर्）	दातृ 或 दातः	दातारः	दातॄणि

双 数

	阳 性	中 性
体、业、呼	दातारौ	दातृणी
具、为、从	दातृभ्याम्	दातृभ्याम्

属、依	दात्रोः	दातृणोः

阴性词通过加后缀ई构成(§295.3)并且按照§73变格：दात्री。

76. (b)以ऋ收尾的亲属名词，分阳性阴性，按性构成不同的复数业格，पितृ 阳性(父亲)，मातृ 阴性(母亲)：

	单数		双数		复数	
体	पिता	माता	पितरौ	मातरौ	पितरः	मातरः
业	पितरम्	मातरम्	पितरौ	मातरौ	पितॄन्	मातॄः
呼	पितः(代 पितर्)	मातः	पितरौ	मातरौ	पितरः	मातरः

其余的格如同दातृ阳性§75。

77. नप्तृ 阳性(孙子)、भर्तृ (丈夫)和 स्वसृ 阴性(姐妹)按§75变格：单数体格 नप्ता，स्वसा；单数业格 नप्तारम्，स्वसारम्；双数体、业、呼格 नप्तारौ，स्वसारौ；复数体格 नप्तारः，स्वसारः；复数业格 नप्तॄन्，स्वसॄः 。

78. नृ (人)按§76变格；仅复数属格是नृणाम् 或 नॄणाम् 。在单数中仅用体格 ना ； 其余各格用 नर् 构成。

以复合元音收尾的语干

79. रै 阳性(财富)；गो 阳、阴性(牛)；नौ 阴性(船)。参见§40。

	单数				复数		
体、呼	राः	गौः	नौः	体、呼	रायः	गावः	नावः
业	रायम्	गाम्	नावम्	业	रायः	गाः	नावः
具	राया	गवा	नावा	具	राभिः	गोभिः	नौभिः
为	राये	गवे	नावे	为、从	राभ्यः	गोभ्यः	नौभ्यः
从、属	रायः	गोः	नावः	属	रायाम्	गवाम्	नावाम्

依 रायि गवि नावि　　依 रासु गोषु नौषु

双　数

体、业、呼	रायौ	गावौ	नावौ
具、为、从	राभ्याम्	गोभ्याम्	नौभ्याम्
属、依	रायोः	गवोः	नावोः

以辅音为尾音的名词的变格

80. 阳性和阴性单数体格的语尾按§17失落。在以元音为初音的语尾前，语干尾音保持不变(§43)；在以辅音为初音的语尾前按§§18、26、44处理。中性字的复数体、业、呼格在落尾辅音前(鼻音除外)插入相应鼻音，在咝音和ह前插入Anusvāra，以 स् 收尾的语干拉长前面的元音。

A. 单语干名词

81. **मरुत्** 阳性(风)、 **वाच्** 阴性(词)， **स्रज्** 阴性(花环)，**दिश्** 阴性(地区)， **द्विष्** 阳性(敌人)：

单　数

体、呼	मरुत्	वाक्	स्रक्	दिक्	विट्
业	मरुतम्	वाचम्	स्रजम्	दिशम्	विषम्
具	मरुता	वाचा	स्रजा	दिशा	विषा
为	मरुते	वाचे	स्रजे	दिशे	विषे
从、属	मरुतः	वाचः	स्रजः	दिशः	विषः
依	मरुति	वाचि	स्रजि	दिशि	विषि

双　数

体、业、呼	मरुती	वाची	स्रजौ	दिशौ	विषौ
具、为、从	मरुद्भ्याम्	वाग्भ्याम्	स्रग्भ्याम्	दिग्भ्याम्	विड्भ्याम्
属、　依	मरुतोः	वाचोः	स्रजोः	दिशोः	विषोः

复　数

体、业、呼	मरुतः	वाचः	स्रजः	दिशः	विषः
具	मरुद्भिः	वाग्भिः	स्रग्भिः	दिग्भिः	विड्भिः
为、从	मरुद्भ्यः	वाग्भ्यः	स्रग्भ्यः	दिग्भ्यः	विड्भ्यः
属	मरुताम्	वाचाम्	स्रजाम्	दिशाम्	विषाम्
依	मरुत्सु	वाक्षु	स्रक्षु	दिक्षु	विट्सु

82. 和 स्रज् 一样变格的还有 ऋत्विज् 阳性(祭师)、रुज् 阴性(疾病)。但是 परिव्राज् (游方僧)的单数体格 °व्राट्，复数具格 °व्राड्भिः，复数为、从格 °व्राड्भ्यः，复数依格 °व्राट्सु，双数具、为、从格是 °व्राड्भ्याम्。°राज् (国王)在复合词尾也像 परिव्राज् 一样变格。विश् 阳、阴性(吠舍)，一般用复数，复数具格是 विड्भिः，复数为、从格 विड्भ्यः，复数依格 विट्सु。中性字 जगत् (世界)照 मरुत् 变格；只是单数体、业、呼格是 जगत्，双数 जगती，复数 जगन्ति (§80)。

83. 以 अस्，इस्，उस् 收尾的中性字。मनस् 中性(精神)，हविस् 中性(祭品)。参见 §§ 32a、34、35、43、44。

	单　数		双　数		复　数	
体、业、呼	मनः	हविः	मनसी	हविषी	मनांसि	हवींषि
具	मनसा	हविषा	मनोभ्याम्	हविर्भ्याम्	मनोभिः	हविर्भिः
为	मनसे	हविषे			मनोभ्यः	हविर्भ्यः
从	मनसः	हविषः				

	单数		双数		复数	
属	मनसः	हविषः	मनसोः	हविषोः	मनसाम्	हविषाम्
依	मनसि	हविषि			मनःसु (或 मनस्सु)	हविःषु (或 हविष्षु)

以 उस् 收尾的中性名词如 चक्षुस् (眼睛)照 इस्- 语干变格。

84. 以 अस् 收尾的阳性和阴性字在单数体格中拉长 अ; अप्सरस् 阴性(天女"阿波斯罗丝"), सुमनस् 形容词(善意):

单数			双数		
体格	अप्सराः	सुमनाः	体业呼格	अप्सरसौ	सुमनसौ
业格	अप्सरसम्	सुमनसम्			
			复数		
呼格	अप्सरः	सुमनः	体业呼格	अप्सरसः	सुमनसः

其余按 § 83 मनस् 变格。

85. 以 इस् 和 उस् 收尾的阳性和阴性词只在单数业格、双数体、业呼格、复数体、业、呼格与中性名词不同: उदर्चिस् (放光的), अचक्षुस् (盲的):

单数			双数		
体、呼格	उदर्चिः	अचक्षुः	体、业、呼格	उदर्चिषौ	अचक्षुषौ
			复数		
业格	उदर्चिषम्	अचक्षुषम्	体、业、呼格	उदर्चिषः	अचक्षुषः

86. 以 र् 收尾的语干按 §§ 42、53 处理: गिर् 阴性(话语):

单数		双数		复数			
体、呼	गीः	体、业、呼	गिरौ	体、业、呼	गिरः	属	गिराम्

业	गिरम्	具、为、从	गीर्भ्याम्	具	गीर्भिः	依	गीर्षु
等等		属、依	गिरोः	为、从	गीर्भ्यः		

B. 多语干名词性的词

87. 多语干的名词性的词有两个或三个语干。阳性和阴性词的强语干是单数、双数体、业、呼格和复数的体、呼格。在其余各格，双语干名词性的词用弱语干，三语干名词性的词在以辅音为初音的语尾前用中语干，在以元音为初音的语尾前用最弱语干。

中性词在单数体、业、呼格用弱语干，三语干词用中语干；在双数体、业、呼格用弱语干，三语干词用最弱语干；在复数体、业、呼格都用强语干。其余如阳性词。

双语干的名词以弱语干、三语干的以中语干列出（例外：§§ 92—96、98、101、103—105）。

88. 主动语态现在分词（§ 267），强语干以 **अन्त्** 收尾，弱语干以 **अत्** 收尾。例如：**सत्**（存在着，§ 267b）：

		单数	双数	复数
阳性	体、呼	सन्	सन्तौ	सन्तः
	业	सन्तम्		सतः
	具	सता	सद्भ्याम्	सद्भिः
	为	सते		सद्भ्यः
	从	सतः		
	属		सतोः	सताम्
	依	सति		सत्सु

中性体、业、呼格 **सत्** **सती** **सन्ति** 其余如阳性。

阴性是 **सती**（§ 73）。在一些变化中，阴性字必须或者可以用

॰अन्ती 收尾。在同样的条件下，中性双数体、业格必须或者可以由强语干构成。例中 भरत् （负担），阴性语干和中性双数体、业呼格是 भरन्ती ； तुदत् （打），阴性语干和中性体、业呼格是 तुदती 或 तुदन्ती 。

89. 重复字根（§148a、165）用弱语干构成所有的格（中性复数体、业、呼格除外）。 ददत् （给）：

		单 数	双 数	复 数
阳性	体、呼	ददत्	ददती	ददत:
	业	ददतम्		
中性	体、业、呼	ददत्	ददती	ददन्ति ददति

90. महत् （大）的强语干是 महान्त् —

		单 数	双 数	复 数
阳性	体	महान्	महान्तौ	महान्त:
	业	महान्तम्		महत:
	呼	महन्		महान्त:
中性	体、业、呼	महत्	महती	महान्ति

其余的如 सत् §88。

91. 以 मत् （形容词）和 वत् （形容词和分词§280）收尾的语干以 मान् 和 वान् 构成单数体格； 其余如 सत् §88。 धीमत् （聪明）， कृतवत् （已做的）：

		单 数	双 数	复 数
阳性	体	धीमान्	धीमन्तौ	धीमन्त:
	业	धीमन्तम्		धीमत:

具	धीमता	धीमद्भ्याम्	धीमद्भिः
呼	धीमन्	其余如 §§ 88	
中性 体、业、呼	धीमत	धीमती	धीमन्ति
		其余如阳性。	

阴性是 धीमती （§ 73）。 भवत् 作为第二人称人称代词变化如是。

92. 以 अन् （在元音后以 मन्, वन् ）收尾的语干强语干是 आन्, ，中语干 आ，最弱语干 न्，在单数依格中是न् 或 अन् 。（a）阳性和阴性； राजन् 阳性（国王） राजान्, राज, राज्ञ् （§ 54）：

单数		双数		复数	
体	राजा	体、呼	राजानौ	体、呼	राजानः
业	राजानम्	业		业	राज्ञः
具	राज्ञा	具	राजभ्याम्	具	राजभिः
为	राज्ञे	为		为、从	राजभ्यः
从、属	राज्ञः	从		属	राज्ञाम्
依	राज्ञि 或 राजनि	属	राज्ञोः	依	राजसु
呼	राजन्	依			

सीमन् 阴性（边界），पीवन्（胖的）同样变格。

93.（b）以 अन् ，在元音后以 मन्, वन् 收尾的中性字同上，如 नामन् （名），不同的仅是：

单数体、业格	नाम	双数体		复数体	
呼 格	नाम 或 नामन्	业、呼	नाम्नी 或 नामनी	业、呼	नामानि

94. 前面是辅音的以 मन्, वन् 收尾的语干的最弱语干是 अन् ，其余同 § 92、93。 आत्मन् 阳性（心灵、自我），ब्रह्मन् 中性

(婆罗门)：

	单数		双数		复数	
体	आत्मा	ब्रह्म	आत्मानौ	ब्रह्मणौ	आत्मानः	ब्रह्माणि
业	आत्मानम्				आत्मनः	
具	आत्मना	ब्रह्मणा	आत्मभ्याम्	ब्रह्मभ्याम्	आत्मभिः	ब्रह्मभिः
属	आत्मनः	ब्रह्मणः	आत्मनोः	ब्रह्मणोः	आत्मनाम्	ब्रह्मणाम्

95. मघवन (因陀罗)，युवन् (年轻)，श्वन् (狗)按照§92变格，但最弱语干是：मघोन्，यून्，शुन् 。单数具格：मघोना，यूना，शुना 。

96. 以इन्收尾的名词：बलिन् (有力)，中语干 बलि —

	单数		双数		复数	
	阳性	中性	阳性	中性	阳性	中性
体	बली	बलि	बलिनौ	बलिनी	बलिनः	बलीनि
业	बलिनम्					
具	बलिना		बलिभ्याम्		बलिभिः	
为	बलिने				बलिभ्यः	
从	बलिनः		बलिनोः		बलिनाम्	
属						
依	बलिनि				बलिषु	
呼	बलिन् (或 बलिन्)	बलि	बलिनौ	बलिनी	同体格	

阴性 बलिनी (§73)

97. 以 ईयस् (弱语干)收尾的比较级，强语干 ईयांस् — गरीयस (较重的)：

		单 数	双 数	复 数
阳性	体	गरीयान्	गरीयांसौ	गरीयांसः
	业	गरीयांसम्		गरीयसः
	具	गरीयसा	गरीयोभ्याम्	गरीयोभिः
	呼	गरीयन्	其余如§83,84	

中性单数体、业、呼格 **गरीयः**，双数体、业、呼格 **गरीयसी**，复数体、业、呼格 **गरीयांसि** 。其余如阳性。阴性 **गरीयसी** （§73）。

98. 以 **वस्** 收尾的主动语态完成时分词，强语干 **वांस्** ，中语干 **वत्**，最弱语干 **उष्** — **विद्वस्**（知道）：

		单 数		双 数		复 数
阳性	体	विद्वान्	体、呼	विद्वांसौ	体、呼	विद्वांसः
	业	विद्वांसम्	业		业	विदुषः
	具	विदुषा	具	विद्वद्भ्याम्	具	विद्वद्भिः
	为	विदुषे	为		为	विद्वद्भ्यः
	从、属	विदुषः	从		属	विदुषाम्
	依	विदुषि	属	विदुषोः	依	विद्वत्सु
	呼	विद्वन्	依			

中性单数体、业、呼格是 **विद्वत्**，双数体、业、呼格 **विदुषी** ，复数体、业、呼格 **विद्वांसि** 。其余如阳性。阴性 **विदुषी**（§73）。

99. 以 **अच्** 收尾的形容词：

a）双语干：强语干 **प्राञ्** （东），弱语干 **प्राच्** ；

b）三语干：

强语干		中语干	最弱语干
प्रत्यञ्	（西）	प्रत्यच्	प्रतीच्
तिर्यञ्	（横、水平）	तिर्यच्	तिरञ्
उदञ्	（北）	उदच्	उदीच्

		单数		复数	
阳性	体、呼	प्राङ्	प्रत्यङ्	प्राञ्चः	प्रत्यञ्चः
	业	प्राञ्चम्	प्रत्यञ्चम्	प्राचः	प्रतीचः
	具	प्राचा	प्रतीचा	प्राग्भिः	प्रत्यग्भिः
	为	प्राचे	प्रतीचे	प्राग्भ्यः	प्रत्यग्भ्यः
	从、属	प्राचः	प्रतीचः	प्राचाम्	प्रतीचाम्
	依	प्राचि	प्रतीचि	प्राक्षु	प्रत्यक्षु

	双数	
体、业、呼	प्राञ्चौ	प्रत्यञ्चौ
具、为、从	प्राग्भ्याम्	प्रत्यग्भ्याम्
属　依	प्राचोः	प्रतीचोः

中性单数体、业、呼格是 **प्राक् प्रत्यक्**，双数体、业、呼格：**प्राची प्रतीची**，复数体、业、呼格 **प्राञ्चि प्रत्यञ्चि** 。其余如阳性。阴性 **प्राची，प्रतीची，तिरश्ची，उदीची** （§ 73）。

C. 不规则语干

100. अहन् 中性（一天）如 § 93 变化，但中语干是 **अहस्**，单数体、业、呼格 **अहर्** — 单数体、业、呼格 **अहः** （**अहरहः** 每天的）；双数体、业、呼格 **अह्नी** 或 **अहनी** ；复数体、业、呼格 **अहानि**，复数具格 **अहोभिः** 。

101. पथ् 阳性（道路），强语干 **पन्थान्**，中语干 **पथि**，最弱语干 **पथ्** 。不规则的是单数体格。

单数		双数	复数	
体、呼	पन्थाः	पन्थानौ	体	पन्थानः
业	पन्थानम्		业	पथः

具　पथा　पथिभ्याम्　具　पथिभिः　等等

102. अप् 阴性(水)只有复数:体格 आपः, 业格 अपः, 具格 अद्भिः,为、从格 अद्भ्यः, 属格 अपाम्, 依格 अप्सु 。

103. पुंस् (人),强语干 पुमांस्,中语干 पुं, 最弱语干 पुंस् —单数体格 पुमान्, 业格 पुमांसम्, 具格 पुंसा, 呼格 पुमन्; 复数体格 पुमांसः, 业格 पुंसः, 具格 पुंभिः, 为、从格 पुंभ्यः, 属格 पुंसाम्, 依格 पुंसु.

104. अनडुह् 阳性(牛),强语干 अनड्वाह्,中语干 अनडुत्, 最弱语干 अनडुह्. 单数体格 अनड्वान्, 业格 अनड्वाहम्, 具格 अनडुहा, 呼格 अनड्वन्; 复数体格 अनड्वाहः,业格 अनडुहः, 具格 अनडुद्भिः, 属格 अनडुहाम्, 依格 अनडुत्सु .

105. दिव् 阴性(天),单数:द्यौः दिवम् दिवा दिवे दिवः दिवि; 双数:दिवौ द्युभ्याम् दिवोः; 复数:दिवः द्युभिः द्युभ्यः दिवाम् द्युषु 。

106. पाद् 阳性(脚)除强语干外,所有的格都可以用 पद् 来构成。

107. °हन् (杀)在复合词尾部时,强语干是 °हन् (只有单数体格是 °हा, 中性复数体、业格是 °हानि),最弱语干 घ्: ब्रह्महन् (杀婆罗门者),单数体格是 ब्रह्महा, 业格 ब्रह्महणम्, 具格 ब्रह्मघ्ना; 复数具格 ब्रह्महभिः (§92)。

比较级

比较级和最高级由两种方式构成:

108. (a)所有形容词的比较级加 तर (阴性 तरा), 最高级加 तम (阴性 तमा),都加在阳性语干上。双语干者加在弱语干上,三语干者加在中语干上: पुण्य (洁净), पुण्यतर पुण्यतम; धीमत् (聪明) धीमत्तर धीमत्तम; विद्वस् (§98) विद्वत्तर विद्वत्तम; बलिन् (§96) बलितर बलितम。

109. (b)一些形容词比较级加 ईयस् (§97)，阴性 ईयसी ，最高级加 इष्ठ，阴性 इष्ठा，加在形容词特有字根上，这些字根的简单元音多变为二合元音(§16)。经常加在带后缀 उ 和 र 的原级上：लघु (轻)，लघीयस् लघिष्ठ；मृदु (柔软) म्रदीयस् म्रदिष्ठ；पृथु (宽) प्रथीयस् प्रथिष्ठ；गुरु (重) गरीयस् गरिष्ठ；दूर (远) दवीयस् दविष्ठ。偶尔加यस् ：प्रिय (可爱)प्रेयस् प्रेष्ठ；भूरि (多) भूयस् भूयिष्ठ。 有时缺少原级：श्रेयस् श्रेष्ठ (较好，最好)；कनीयस् कनिष्ठ(较年轻，最年轻)； ज्यायस् ज्येष्ठ (较老，最老)。

110. 有时候后缀 तर् 和 तम् 加在以 ईयस् 和 इष्ठ 收尾的比较级和最高级上，गरीयस्तर्；श्रेष्ठतर्，श्रेष्ठतम्。

代词的变格

111. 人称代词。 मद् 可以作为第一人称单数的语干，复数语干为 अस्मद् ；第二人称单数语干是 त्वद् ，复数语干为 युष्मद् 。这些语干形式出现于复合词的第一部分中(§305)。

	第一人称		第二人称	
	单 数	复 数	单 数	复 数
体	अहम्	वयम्	त्वम्	यूयम्
业	माम्, मा	अस्मान्, नः	त्वाम्, त्वा	युष्मान्, वः
具	मया	अस्माभिः	त्वया	युष्माभिः
为	मह्यम्, मे	अस्मभ्यम्, नः	तुभ्यम्, ते	युष्मभ्यम्, वः
从	मत्	अस्मत्	त्वत्	युष्मत्
属	मम, मे	अस्माकम्, नः	तव, ते	युष्माकम्, वः
依	मयि	अस्मासु	त्वयि	युष्मासु

	双　数		双　数
体、业	आवाम्,	业亦用 नौ	युवाम्,	业亦用 वाम्
具、为、从	आवाभ्याम्,	为亦用 नौ	युवाभ्याम्,	为亦用 वाम्
属、依	आवयोः,	属亦用 नौ	युवयोः,	属亦用 वाम्

मा त्वा, मे ते, नौ वाम्, नः वः 是变形活用的。从格亦可作 मत्तः, त्वत्तः 等。

112. 性代词：§§ 114、115、119、120 中的中性单数体格形式算作语干；但真正的变格语干是 त, य, क 等等。

113. 性代词和特殊语尾：中性单数体、业格是 द्, 阳性和中性的为格是 स्मै，从格 स्मात्, 依格 स्मिन्, 阴性为格 स्यै, 从、属格 स्याः，依格 स्याम् (在这三个语尾前，语干的 अ 保持短音)；阳性复数体格 ए，阳性、中性、阴性的属格都是 साम्.

注：以 त्र 收尾的副词也可以作为依格使用：तत्र स्थाने (在此地)。

114. 冠词和指示代词，语干 तद् —

	单　数		双　数		复　数	
	阳性	阴性	阳性	阴性	阳性	阴性
体	सः	सा	तौ	ते	ते / ताः	ताः
业	तम्	ताम्			तान्	
具	तेन	तया	ताभ्याम्		तैः	ताभिः
为	तस्मै	तस्यै			तेभ्यः	ताभ्यः
从	तस्मात्	तस्याः				
属	तस्य		तयोः		तेषाम्	तासाम्
依	तस्मिन्	तस्याम्			तेषु	तासु

中性单数体、业格 तत्，双数体、业格 ते，复数体、业格 तानि .其余如阳性。

语干 एतद् (这个)变格同 § 114：阳性单数体格 एषः 阴性

एषा， 中性 एतत्。 स:，एष:的形式只出现在停顿时和在元音前，在元音前按§35，1a，b处理。在句内在辅音前是 स，एष 。

语干 एनद् (他)也如 तद् 变格，不过只有它的三数的业格、单数具格和双数属、依格常见。

115. 关系代词 यद् ，变格语干是 य ；疑问代词 किम् ，变格语干是 क —

	阳性	阴性	中性		阳性	阴性	中性
单数体格	य:	या	यत्		क:	का	किम्
单数业格	यम्	याम्			कम्	काम्	

其余同 तद् §114。

116. 照 यद् (§115) 变格的有：कतर् (二者中哪一个?) कतम (哪一个?) इतर् (另一个)，和 अन्य (另一个)：阳性单数体格：अन्य:，阴性 अन्या， 中性 अन्यत् 。

117. 照 यद् (§115)变化，只是中性单数体、业格用म् 代替त् 收尾的有：एक (一个)、 एकतर् (二者之一)、 उभय (两者，阴性 °यी)、 विश्व 和 सर्व (所有、每一个)。

118. 照§117，但是中性、阳性的单数从、依格和阳性复数体格也按名词变格的有：अधर (下面的)、अन्तर (里面的)、अपर (另一个)、अवर (后面的，西面的)、उत्तर (上面的、北面的)、दक्षिण (右边的、南面的)、पर (较晚的、另一个)、पूर्व (较早的、东面的)和 स्व (自己的)。

119. 语干 इदम् (这个)：

	单数		双数		复数	
	阳性	阴性	阳性	阴性	阳性	阴性
体	अयम्	इयम्	इमौ	इमे	इमे	इमाः
业	इमम्	इमाम्			इमान्	
具	अनेन	अनया	आभ्याम्		एभिः	आभिः
为	अस्मै	अस्यै			एभ्यः	आभ्यः
从	अस्मात्	अस्याः				
属	अस्य		अनयोः		एषाम्	आसाम्
依	अस्मिन्	अस्याम्			एषु	आसु

中性单数体、业格 इदम् 、双数 इमे 、复数 इमानि 。其余如阳性。

120. 语干 अदस् (那个)：

	单数		双数		复数	
	阳性	阴性	阳性中性阴性		阳性	阴性
体	असौ	असौ	अमू		अमी	अमूः
业	अमुम्	अमूम्			अमून्	
具	अमुना	अमुया	अमूभ्याम्		अमीभिः	अमूभिः
为	अमुष्मै	अमुष्यै			अमीभ्यः	अमूभ्यः
从	अमुष्मात्	अमुष्याः				
属	अमुष्य		अमुयोः		अमीषाम्	अमूषाम्
依	अमुष्मिन्	अमुष्याम्			अमीषु	अमूषु

中性单数体、业格 अदः，复数 अमूनि 。其余如阳性。

121. 通过加上 चन，चिद् 或 अपि 疑问代词就有了不定词的意义：कः(谁)，कश्चन，कश्चित् को ऽपि (任何一个人)；क्व (哪里)，क्वचन，क्वचित्，क्वापि (任何一个地方)。

数 词

122. 基数 1 एक 2 द्वि 3 त्रि 4 चतुर् 5 पञ्चन् 6 षष् 7 सप्तन् 8 अष्टन् 9 नवन् 10 दशन् 11 एकादशन् 12 द्वादशन् 13 त्रयोदशन् 14 चतुर्दशन् 15 पञ्चदशन् 16 षोडशन् 17 सप्तदशन् 18 अष्टादशन् 19 नवदशन् oder ऊनविंशति 20 विंशति 30 त्रिंशत् 40 चत्वारिंशत् 50 पञ्चाशत् 60 षष्टि 70 सप्तति 80 अशीति 90 नवति 100 शत 200 द्वे शते oder द्विशत 300 त्रीणि शतानि oder त्रिशत 1000 सहस्र 10000 अयुत 100000 लक्ष.

123. 1、6 与 20 等结合是 एक, षड् (षट्) ；4、5、7、9 与 14 等同；2、3、8 与 20、30 结合是 द्वा त्रयस् अष्टा, 与 80 结合是 द्वि त्रि अष्ट, 与 40—70 和 90 结合，两种形式都用：22 द्वाविंशति 33 त्रयस्त्रिंशत् 28 अष्टाविंशति 82 द्व्यशीति 。100 以上，个位数和十位数一般用 अधिक （较多、多出）连结：पञ्चाधिकं शतम् 105.

124. एक 1 按 § 117 变格，द्वि 2 用语干 द्व（§ 62、63）的双数来变格：阳性体、业、呼格 द्वौ ，中、阴性 द्वे；त्रि 3 和 चतुर् 4 如下：

	阳	中	阴	阳	中	阴
体、呼、业	त्रयः / त्रीन्	त्रीणि	तिस्रः	चत्वारः / चतुरः	चत्वारि	चतस्रः
具	त्रिभिः		तिसृभिः	चतुर्भिः		चतसृभिः
为、从	त्रिभ्यः		तिसृभ्यः	चतुर्भ्यः		चतसृभ्यः
属	त्रयाणाम्		तिसृणाम्	चतुर्णाम्		चतसृणाम
依	त्रिषु		तिसृषु	चतुर्षु		चतसृषु

125. पञ्चन् 5 变格如下：所有的性的体、业、呼格 पञ्च, 具格 पञ्चभिः, 为、从格 पञ्चभ्यः, 属格 पञ्चानाम्, 依格 पञ्चसु 。सप्तन् 7, अष्टन् 8, नवन् 9, दशन् 10 和以它们收尾的数词同样变

格。 अष्टन् 也可如下变格：体、业、呼格 अष्टौ，具格 अष्टाभिः，为、从格 अष्टाभ्यः，依格 अष्टासु· — षष् 6：体、业、呼格 षट्，具格 षड्भिः，为、从格 षड्भ्यः，属格 षण्णाम्，依格 षट्सु 。

126. 20—99 的数字是阴性单数，100、1000、10000 和 100000 是中性单数，被数的东西或是以复数同一格作为同位语，或者是以复数属格与这些数词并列，或者数词与被数的东西组合成一个复合词：षष्ट्यां वर्षेषु（在 60 年里）；चत्वारि सहस्राणि वर्षाणाम्（4000 年）；वर्षशतम（100 年）。

127. 序数 1. प्रथम，阴 °मा 2. द्वितीय 3. तृतीय 4. चतुर्थ，阴 °र्थी 或者 तुरीय，阴 °या 5. पञ्चम，阴 °मी 6. षष्ठ 7. सप्तम 8. अष्टम 9. नवम 10. दशम 11. एकादश 12. द्वादश 20. विंशतितम，阴 °मी 或 विंश，阴 °शी 30. त्रिंशत्तम 或 त्रिंश 40. चत्वारिंशत्तम 或 चत्वारिंश 50. पञ्चाशत्तम 或 पञ्चाश 60. 只有 षष्टितम，但是 61. एकषष्टितम 或 एकषष्ट 等等；70. सप्ततितम 72. द्विसप्ततितम 或 द्विसप्तत 80. अशीतितम 83. त्र्यशीतितम 或 त्र्यशीत 90. नवतितम 94. चतुर्नवतितम 或 चतुर्नवत 100. शततम，阴 °तमी 200. द्विशततम 或者 द्विशत 1000. सहस्रतम.

128. 数字副词：सकृत् 一次，द्वि：二次，त्रि：三次，चतुः 四次，पञ्चकृत्वः 五次，षट्कृत्वः 六次，等等。

动词变位

129. 梵文的语态分主动语态（Parasmaipadam），中间语态（Ātmanepadam）和被动语态，被动语态使用中间语态的语尾（§ 239）。

130. 时态有：现在时，未完成时，完成时，不定过去时，将来时，假定时。

语气：陈述语气，祈愿语气，命令语气。现在时有三种语气，其余的时态只有陈述语气。但是祈求式是不定过去时虚拟语气的一种。

注：命令语气第一人称形式上是已失落的虚拟式的残余。

131. 祈愿语气表示一种希望、要求、考虑、推测、可能性或者一种条件。它常出现在一般句中，用来表示仅有的可能性，就像德语的“dürfte”。

132. 人称语尾分为原始的（现在时陈述语气、简单将来时）和派生的（未完成时，不定过去时、假定时、祈愿语气）。命令语气和完成时（§195）多半有自己的语尾。

	原始		派生		命令语气	
	主动语态	中间语态	主动语态	中间语态	主动语态	中间语态
1.	मि	ए	म् (अम्)	इ	आनि	ऐ
2.	सि	से	स्	थास्	— (धि)	स्व
3.	ति	ते	त्	त	तु	ताम्
1.	वस	वहे	व	वहि	आव	आवहै
2.	थस्	एथे (आथे)	तम्	एथाम् (आथाम्)	तम्	एथाम् (आथाम्)
3.	तस्	एते (आते)	ताम्	एताम् (आताम्)	ताम्	एताम् (आताम्)
1.	मस्	महे	म	महि	आम	आमहै
2.	थ	ध्वे	त	ध्वम्	त	ध्वम्
3.	न्ति (अन्ति)	न्ते (अते)	न् (अन्)	न्त (अत)	न्तु (अन्तु)	न्ताम् (अताम्)

括号中的语尾属于非插入元音变位体系。

133. 祈愿语气主动语态单数第一人称的语尾是 अम् (म्)，中间语态 अ，中间语态双数第二人称 आथाम्，中间语态双数第三人称 आताम्，主动语态复数第三人称 उर्，中间语态 रन्。

134. 前加元音是加在动词语干之前的 अ。以元音为初音的字根，不是加 अ，而是将元音变为三合元音：अस्（是），未完成时单数第一人称 आसम् ās-am（§153）；इ（走），未完成时单数第一人称 आयम् āy-am（§40,152）；उन्द्（弄湿），未完成时单数第三人称 औन्दत्。未完成时、不定过去时和假定时需加前加元音。

135. 不定过去时不加前加元音的形式和否定词 **मा**（不）的组合用于虚拟语气（古代的否定命令式）：**मा गाः**（不要去）。在史诗中，未完成时的前加元音的失落并不少见。

重复规则

136. a）辅音重复的一般规则。重复如下：

1. 送气音用相应的不送气音重复：**छिद्**（割），完成时语干 **चिच्छिद्**（§ 37）；**धा**（放），现在时语干 **दधा**；**भी**（害怕），现在时语干 **बिभी**。

2. 喉音用相应的颚音重复：**कृ**（做），完成时语干 **चकृ**；**गम्**（去），完成时语干 **जगम्**。并按照 1.：**खन्**（掘），完成时语干 **चखन्**。请特别注意，**हु** 用 **जु** 重复：**जुहु**（献祭），现在时语干 **जुहु**。

3. 多于一个辅音则按第一个或它们的代表重复：**स्वर्**（快走），完成时语干 **तस्वर्**；**क्रम**（跨步），完成时语干 **चक्रम्**；**ह्री**（害羞），现在时语干 **जिह्री**。

4. 3. 的例外：如果起首辅音是一个咝音而第二个是清音，则用第二个字母或它的代表来重复：**स्पृश्**（触），完成时语干 **पस्पृश्**；**स्था**（站），现在时语干 **तिष्ठ**（§ 143h）；**स्कन्द्**（跳），完成时语干 **चस्कन्द्**。但是 **सृ**（回忆），完成时语干 **सस्मर्**。

b）关于重复元音将在下面的章节中讲述。

现在时语干（特殊时态）

现在时（陈述语气、祈愿语气、命令语气）和未完成时

137. 现在时根据现在时语干或特殊语干的构成分为九类。分两大组，即带插入元音者和不带插入元音者变位。1、4、6 类属于带插入元音者；2、3、5、7、8、9 类属于不带插入元音者。类的区别只限

于现在时，和其余的（一般）时态无关。

注：现在时类别的叙述依据印度语法。

A. 带插入元音变位

138. 所有带插入元音的类别的共同之处是：

1. 语干以插入元音 **अ** 收尾，**अ** 在以 **म** 和 **व** 起首的语尾前拉长而在中间语态语尾的 **ए** 前被淘汰。

2. 主动语态命令语气单数第二人称与语干相同。

3. 祈愿语气的标志是 **ईय्**（在元音前是 **ईय्** §41），它和语干的 **अ** 融合成 **ए**（**एय्**）。祈愿语气用 §133 中列出的语尾，祈愿主动语态单数第一人称是 **अम्**。

带插入元音的变化的所有种类变位相同。区别只在于现在时语干的构成。

现在时语干的构成

139. 第一类：**अ** 加在已二合元音化的字根上：**रुह्**（成长），现在时语干 **रोह्**；**मिह्**（小便）**मेह्**；**जि**（胜利），**जय**（§40）；**नी**（引导），**नय**；**भू**（成为）**भव** §40（一译者案：原书误作 **भवृ**）；**हृ**（拿），**हर्**；**तॄ**（跨越），**तर्**；**वृध्**（成长），**वर्ध्**；**पत्**（落下），**पत्**；**गै**（唱歌）**गाय**（§40）；但是 **क्रीड्**（游戏），**क्रीड्**；**निन्द्**（谴责）**निन्द्**（§15）。

140. 第六类，**अ** 加在未经变化的字根上：**तुद्**（打），现在时语干 **तुद्**；**दिश्**（指）**दिश्**。字根的尾音 **ऋ** 在 **अ** 前变为 **रिय्**，尾音 **ऋ** 变为 **इर्** —— **मृ**（死），现在时语干 **म्रिय्**；**कॄ**（撒），**किर्**。

注：重音原本在六类动词的后级 **अ** 上，在1类动词的字根音节上。

141. 第四类，**य** 加在未经变化的字根上：**नह्**（捆），现在时

语干 नह्य; दिव् (游戏), दीव्य (§ 42); जॄ (老)的现在时语干是 जीर्य (参见 § 242d)。

142. 带插入元音变化的变位表; भू 1.(成为),语干 भव:

现 在 时

	主动语态			中间语态		
	单数	双数	复数	单数	双数	复数
			陈述语气			
1.	भवामि	भवावः	भवामः	भवे	भवावहे	भवामहे
2.	भवसि	भवथः	भवथ	भवसे	भवेथे	भवध्वे
3.	भवति	भवतः	भवन्ति	भवते	भवेते	भवन्ते
			祈愿语气			
1.	भवेयम्	भवेव	भवेम	भवेय	भवेवहि	भवेमहि
2.	भवेः	भवेतम्	भवेत	भवेथाः	भवेयाथाम्	भवेध्वम्
3.	भवेत्	भवेताम्	भवेयुः	भवेत	भवेयाताम्	भवेरन्
			命令语气			
1.	भवानि	भवाव	भवाम	भवै	भवावहै	भवामहै
2.	भव	भवतम्	भवत	भवस्व	भवेथाम्	भवध्वम्
3.	भवतु	भवताम्	भवन्तु	भवताम्	भवेताम्	भवन्ताम्
			未完成时			
1.	अभवम्	अभवाव	अभवाम	अभवे	अभवावहि	अभवामहि
2.	अभवः	अभवतम्	अभवत	अभवथाः	अभवेथाम्	अभवध्वम्
3.	अभवत्	अभवताम्	अभवन्	अभवत	अभवेताम्	अभवन्त

143. 现在时语干的不规则构成:

a) गम् 1.(走)　　语干 गच्छ　　यम् 1.(控制) - यच्छ

ऋ 1.（走） - ऋच्छ

इष् 6.（希望） - इच्छ

b） क्रम् 1.（迈走） - क्राम，中间语态是 क्रम

चम् 1.（加आ，啜）- चाम

गुह् 1.（掩盖） - गूह

c） तम् 4.（僵硬） 语干 ताम्य

भ्रम् 4.（游荡） - भ्राम्य

शम् 4.（安静） - शाम्य

श्रम् 4.（疲倦） - श्राम्य

मद् 4.（喜欢） - माद्य

d） जन् 4.Ā（生） - जाय

e） प्रच्छ् 6.（问） - पृच्छ

व्यध् 4.（凿穿） - विध्य

+शो 4.（磨） - श्य

सो 4.（决意） 语干 स्य

f） कृत् 6.（割、切） - कृन्त

मुच् 6.（放开） - मुञ्च

लिप् 6.（涂、抹） - लिम्प

लुप् 6.（抢劫） - लुम्प

विद् 6.（找到） - विन्द

सिच् 6.（浇） - सिञ्च

g） दंश् 1.（咬） - दश

भ्रंश् 4.（落） - भ्रश्य

रञ्ज् 4.（脸红） - रज्य

h） घ्रा 1.（嗅） - जिघ्र

पा 1.（喝） - पिब

स्था 1.（站） - तिष्ठ

सद् 1.（坐） - सीद

注：习惯上用 शो 和 सो 来代替 शा 和 सा。

144. दृश्（看）的现在时语干是 पश्य，第4类，参见§190。

B. 不带插入元音的变位

145. 一般规则：

1. 所有的类都有语干分级：现在时和未完成时主动语态陈述语气单数、主动语态命令语气第三人称单数、主动语态和中间语态命令语气所有的第一人称共十三个形式用强语干，其余用弱语干。

2. 使用§132括号中的语尾：आथे，आते，आथाम्，आताम् 是第二、三人称双数中间语态，而 अते，अताम्，अत 是第三人称复数中间语态。

3. 当语干尾音是辅音时，主动语态命令语气单数第二人称用语尾 धि；语干尾音是元音，则用 हि。§169中的字根 हु 和

§§ 174a，184 中者为例外。

4. 祈愿语气标志加在弱语干上，主动语态是 **या**（它的 **आ** 在复数第三人称的 **उर्** 前脱落），中间语态是 **ई**（在元音前是 **ईय्**）。主动语态单数第一人称语气是 **म्**，其他的用 § 133 中列出的语尾。祈愿语气语尾表：

	主动语态			中间语态		
1.	**याम्**	**याव**	**याम**	**ईय**	**ईवहि**	**ईमहि**
2.	**याः**	**यातम्**	**यात**	**ईथाः**	**ईयाथाम्**	**ईध्वम्**
3.	**यात्**	**याताम्**	**युः**	**ईत**	**ईयाताम्**	**ईरन**

146. 语干辅音尾音的音变规则：

1. 主动语态未完成时单数第二、三人称的语尾 **स्** 和 **त्** 按 § 17 脱落，尾音按 § 18 处理。主动语态未完成时第二、三人称 **अबिभः**，即 **अबिभर्**（§ 18 Ⅳ）代表 abibhar-s 和 abibhar-t（§ 169）；**अदेट्**（§ 18 Ⅲ）代表adveṣ-s和adveṣ-t（§ 150）。

2. 遇到以辅音为初音的语尾，§§ 43. 44. 46—51 生效，在以 **स** 起首的语尾前 § 52 生效。

3. 现在时语干的尾音齿音和 **स्** 在语尾脱落之后（§ 146. 1），在主动语态未完成时单数第三人称变为 **त्**，在主动语态未完成时单数第二人称变为 **त्** 或 Visarga：**शास** 2.（命令），构成主动语态未完成时单数第三人称 **अशात्**，第二人称和第三人称相同或是 **अशाः**；**रुध्** 7.（阻止），主动语态未完成时单数第二人称是 **अरुणत्** 或 **अरुणः**。

第二类

147. 现在时语干和字根相同；弱语干用简单元音，强语干用二合元音：**द्विष्**（恨），弱语干 **द्विष्**，强语干 **द्वेष्**；**इ**（走），强语干

ए; विद् (知道),强语干 वेद् 。

148. 变位规则:a)被归为第二类的重复字根**चकास्**(发光)、**जक्ष्**(吃)、**जागृ**(醒)、**दरिद्रा**(穷),还有 **शास्**(§ 159)的主动语态第三人称复数陈述语气、命令语气、未完成时的语尾分别是**अति, अतु, उर्**(§ 167);陈述语气第三人称复数 **जाग्रति**,未完成时 **अजागरुः**。

b) **विद्**(知道)的主动语态未完成时复数第三人称的语尾永远是 **उर्** , **द्विष्**(恨)和以 **आ** 收尾的字根的语尾可以是**उर्** 。在**उर्** 前 **आ** 脱落:**अविदुः**(他们知道了); **अयान्** 或 **अयुः**(他们走了)来自 **या** 。

149. 音变规则:弱语干中的字根尾音**उ**、**ऊ**在元音语尾前变为 **उव्**, **ऋ**变为 **र्** 。参见§§ 146. 18. 43—53。

150. **द्विष्**(恨),强语干 **द्वेष्**, 弱语干**द्विष्** —

现在时

	主动语态			中间语态		
	单数	双数	复数	单数	双数	复数
			陈述语气			
1.	द्वेष्मि	द्विष्वः	द्विष्मः	द्विषे	द्विष्वहे	द्विष्महे
2.	द्वेक्षि	द्विष्ठः	द्विष्ठ	द्विक्षे	द्विषाथे	द्विड्ढ्वे
3.	द्वेष्टि	द्विष्टः	द्विषन्ति	द्विष्टे	द्विषाते	द्विषते
			祈愿语气			
1.	द्विष्याम्	द्विष्याव	द्विष्याम	द्विषीय	द्विषीवहि	द्विषीमहि
2.	द्विष्याः	द्विष्यातम्	द्विष्यात	द्विषीथाः	द्विषीयाथाम्	द्विषीध्वम्
3.	द्विष्यात्	द्विष्याताम्	द्विष्युः	द्विषीत	द्विषीयाताम्	द्विषीरन्

命 令 语 气

1.	द्वेषाणि	द्वेषाव	द्वेषाम	द्वेषै	द्वेषावहै	द्वेषामहै
2.	द्विड्ढि	द्विष्टम्	द्विष्ट	द्विक्ष्व	द्विषाथाम्	द्विड्ढ्वम्
3.	द्वेष्टु	द्विष्टाम्	द्विषन्तु	द्विष्टाम्	द्विषाताम्	द्विषताम्

未 完 成 时

1.	अद्वेषम्	अद्विष्व	अद्विष्म	अद्विषि	अद्विष्वहि	अद्विष्महि
2.	अद्वेट्	अद्विष्टम्	अद्विष्ट	अद्विष्ठाः	अद्विषाथाम्	अद्विड्ढ्वम्
3.	अद्वेट्	अद्विष्टाम्	अद्विषन्	अद्विष्ट	अद्विषाताम्	अद्विषत

151. दुह् (挤牛奶)：主动语态 दोह्मि धोक्षि (§§ 18,52) दोग्धि (§ 51b), दुह्मः दुग्ध दुहन्ति; 中间语态 दुहे धुक्षे दुग्धे, दुह्महे धुग्ध्वे दुहते。लिह्(舐)：主动语态 लेह्मि लेक्षि लेढि (§ 51a), लिह्मः लीढ लिहन्ति; 中间语态 लिहे लिक्षे लीढे, लिह्महे लीढ्वे लिहते。— आस् 中间语态(坐),单数 आसे आस्से (§ 52b) आस्ते, 复数第二人称 आध्वे (§ 44),第三人称 आसते ;未完成时第一人称 आसि 。

152. इ 主动语态(走路),强语干 ए;在以元音起首的语尾前弱语干是 य्,但中间语态加前缀 अधि (学习)则为 इय् —

陈述语气：एमि एषि एति इवः इथः इतः इमः इथ यन्ति
命令语气：अयानि इहि एतु अयाव इतम् इताम् अयाम इत यन्तु
未完成时：आयम् ऐः ऐत् ऐव ऐतम् ऐताम् ऐम ऐत आयन्
祈愿语气：इयाम् —

加 अधि ：单数第一人称 अधीये,第三人称 अधीते, 复数第三人称 अधीयते 。

第二类的不规则变化

153. अस् (是)，如果不是助动词(§235)，则只有主动语态，在前面不加 अ 的形式中，弱语干为 स् 。不规则的是陈述语气、命令语气单数第二人称和未完成时单数第二、三人称。

陈述语气			祈愿语气		
1.	अस्मि	स्वः	स्मः	स्याम्	स्याव	स्याम
2.	असि	स्थः	स्थ	स्याः	स्यातम्	स्यात
3.	अस्ति	स्तः	सन्ति	स्यात्	स्याताम्	स्युः

命令语气			未完成时		
1.	असानि	असाव	असाम	आसम्	आस्व	आस्म
2.	एधि	स्तम्	स्त	आसीः	आस्तम्	आस्त
3.	अस्तु	स्ताम्	सन्तु	आसीत	आस्ताम्	आसन्

154. 字根 अन् (呼吸)、 जक्ष् (吃)、 रुद् (哭)、 श्वस् (呼吸)、 स्वप् (睡)在以除 य 之外的辅音起首的语尾前插入 इ；在主动语态单数第二、三人称语尾前插入 इ 或 अ 。 रोदिमि रोदिषि रोदिति, रुदिमः रुदिथ रुदन्ति；祈愿语气 रुद्याम्； 命令语气 रोदानि रुदिहि रोदितु； 未完成时 अरोदम् अरोदः 或 अरोदीः अरोदत् 或 अरोदीत्。此外，जक्ष् 还可按§148(a)构成主动语态陈述语气、命令语气和未完成时的复数第三人称。

155. ब्रू (说)的强语干在以辅音为初音的语尾前插入 ई：陈述语气现在时复数 ब्रवीमि ब्रवीषि ब्रवीति, ब्रूमः ब्रूथ ब्रुवन्ति； 命令语气 ब्रवाणि ब्रूहि ब्रवीतु； 未完成时 अब्रवम् अब्रवीः अब्रवीत्；；中间语态 ब्रुवे ब्रूषे ब्रूते， 复数第三人称 ब्रुवते 。

156. 以 उ 收尾的字根的强语干在以辅音为初音的语尾前 उ 变为三合元音：स्तु (赞美)，主动语态现在时陈述语气 स्तौमि स्तौषि स्तौ-

ति；命令语气 स्तवानि स्तुहि स्तौतु；未完成时 अस्तवम् अस्तौः अस्तौत्，复数第三人称 अस्तुवन् 。有时候 स्तु 和 रु（嚎叫）也可像 ब्रू（§ 155）一样变位：主动语态现在时陈述语气单数第三人称 स्तवीति。

157. शी（躺）中间语态，永远用二合元音，并在复数第三人称现在时陈述语气、命令语气和未完成时在语尾前插入 र्：陈述语气 शये शेषे शेते，शेमहे शेध्वे शेरते；祈愿语气 शयीय；命令语气 शयै शेष्व शेताम्，复数第三人称 शेरताम्；未完成时 अशयि अशेथाः अशेत，复数第三人称 अशेरत 。

158. हन्（杀）的弱语干在 म् व् य् 前是 हन्；在以其他辅音为初音的语尾前是 ह，在元音起首的语尾前是 घ्。主动语态命令语气单数第二人称是 जहि 。现在时陈述语气：हन्मि हंसि (§ 55 b) हन्ति，हन्वः हथः हतः，हन्मः हथ घ्नन्ति；祈愿语气 हन्याम्；命令语气 हनानि जहि हन्तु，हनाम हत घ्नन्तु；未完成时 अहनम् अहन् अहन्，अहन्म अहत अघ्नन् 。

159. शास् 主动语态（命令），弱变化除命令语气单数第二人称之外，在以辅音为初音的语尾前变成 शिष्，第三人称复数仍按 § 148(a)变位：现在时陈述语气 शास्मि शास्सि (§ 52 b) शास्ति，शिष्मः शिष्ठ शासति；祈愿语气 शिष्याम्；命令语气 शासानि शाधि (§ 44. 35, 1c) शास्तु，शासाम शिष्ट शासतु；未完成时 अशासम् अशाः (अशात्) अशात् (§ 146, 3)，अशिष्म अशिष्ट अशासुः。

160. अद्（吃）主动语态，未完成时单数第二、三人称是 आदः，आदत्。

161. चक्ष्（说）中间语态，其中的 क्ष् 在齿音和 स् 前按 ष् 处理：单数第二人称 चक्षे（§ 52a），第三人称 चष्टे（§ 47）。

162. मृज् 主动语态（清除），它在强语干中用三合元音：单数第一人称 मार्ज्मि，第三人称 मार्ष्टि（§ 49）。

163. वश् 主动语态（愿意）弱语干为 उश्，陈述语气复数第三人称

उशन्ति 。

164. सू 中间语态(生)没有强语干:命令语气单数第一人称 सुवै 。

第三类

165. 字根重复,弱语干用简单元音,强语干用二合元音。

166. 重复:a)辅音按照 § 136 重复。

b)重复元音是短的字根元音; ऋ 用 इ 来重复: हु (献祭),弱语干 जुहु,强语干 जुहो; भी (害怕),弱语干 बिभी,强语干 बिभे; भृ (背负),弱语干 बिभृ,强语干 बिभर्。

167. 变位规则。主动语态复数第三人称语尾,现在时陈述语气 अति,命令语气 अतु,未完成时 उर्。在 उर् 前尾音元音变为二合元音。

168. 音变规则。在以元音为初音的语尾前,弱语干中的尾音的 इ, उ 和 ऋ 在单个辅音后变为它们的半元音, इ 在两个辅音后变为 इय्(§ 41): हु 的主动语态陈述语气复数第三人称是 जुह्वति; बिभ्रति 来自 भृ; 但是 ह्री (害羞)为 जिह्रियति jihriy-ati。

169. हु (献祭),强语干 जुहो, 弱语干 जुहु —

现 在 时

主动语态			中间语态		
单数	双数	复数	单数	双数	复数
陈述语气					
जुहोमि	जुहुवः	जुहुमः	जुह्वे	जुहुवहे	जुहुमहे
जुहोषि	जुहुथः	जुहुथ	जुहुषे	जुह्वाथे	जुहुध्वे
जुहोति	जुहुतः	जुह्वति	जुहुते	जुह्वाते	जुह्वते

祈 愿 语 气

जुह्याम्	जुह्याव	जुह्याम	जुहीय	जुहीवहि	जुहीमहि

命 令 语 气

जुहवानि	जुहवाव	जुहवाम	जुहवै	जुहवावहै	जुहवामहै
जुह्धि (§145,3)	जुह्तम्	जुह्त	जुह्ध्व	जुहाथाम्	जुह्ध्वम्
जुहोतु	जुह्ताम्	जुह्तु	जुह्ताम्	जुहाताम्	जुह्ताम्

未 完 成 时

अजुहवम्	अजुह्व	अजुह्म	अजुहि	अजुह्वहि	अजुह्महि
अजुहोः	अजुह्तम्	अजुह्त	अजुह्थाः	अजुहाथाम्	अजुह्ध्वम्
अजुहोत्	अजुह्ताम्	अजुहवुः	अजुह्त	अजुहाताम्	अजुह्त

भृ （背负），主动语态陈述语气 **बिभर्मि बिभर्षि बिभर्ति, बिभृमः बिभृथ बिभ्रति**； 未完成时 **अबिभरम्**，第二人称 **अबिभः** 第三人称 **अबिभः, अबिभृम अबिभृत अबिभरुः**。 参见§53、146、168。

第三类的不规则变位

170. **दा**（给）和 **धा**（放），弱语干是 **दद्** 和 **दध्**。**दध्** 根据§18 Ⅲ注，在 **स्** 和（与§48相违）**त् थ्** 前变为 **धत्**，在 **ध्** 前变为 **धद्**。主动语态命令语气单数第二人称是 **देहि धेहि**。**धा** 主动语态现在时陈述语气： **दधामि दधासि दधाति, दध्मः धत्थ दधति**；中间语态 **दधे धत्से धत्ते, दध्महे धद्धे दधते**。

171. **मा** 中间语态（量）在重复中用 **इ**。在以辅音为初音的语尾前，弱语干是 **मिमी**，在元音前是 **मिम्**。现在时陈述语气：**मिमे**

मिमीषे मिमीते, 复数第三人称 मिमते ;未完成时 अमिमि ,第三人称 अमिमीत ,复数第三人称 अमिमत 。

172. हा 主动语态(遗弃、离开),在以辅音为初音的语尾前,弱语干是 जहि 或 जही ;在以元音为初音的语尾前和祈愿语气中是 जह 。现在时陈述语气: जहामि जहासि जहाति, जहिमः (जहीमः) जहिथ (जहीथ) जहति ;祈愿语气: जह्याम् ;命令语气: जहानि जहिहि (जहीहि जहाहि) जहातु, जहाम जहीत जहतु; 未完成时 अजहाम् ,复数第三人称 अजहुः 。

第五类

173. 弱语干在字根上加 नु (णु ,据 § 45),强语干加 नो (णो): सु (挤出来),弱语干 सुनु ,强语干 सुनो; आप् (得到),弱语干 आप्नु ,强语干 आप्नो 。参见 § 40。

174. 变位规则:a)以元音为尾音的字根在以元音为初音的语尾前,这一类的标志 नु 变为 न्व्, 在 व 和 म 前字根可以把 उ 丢掉。主动语态命令语气单数第二人称没有语尾。参见 § 175。

b)以辅音为尾音的字根在以元音为初音的语尾前, नु 变为 नुव् , 并且按规则加 हि 构成主动语态命令语气单数第二人称, आप्नुहि 参见 § 176。

175. सु (挤出来),强语干 सुनो, 弱语干 सुनु —

现 在 时

主动语态			中间语态		
单数	双数	复数	单数	双数	复数

陈 述 语 气

सुनोमि	सुनुवः	सुनुमः	सुन्वे	सुनुवहे	सुनुमहे
	(सुन्वः)	(सुन्मः)		(सुन्वहे)	(सुन्महे)
सुनोषि	सुनुथः	सुनुथ	सुनुषे	सुन्वाथे	सुनुध्वे
सुनोति	सुनुतः	सुन्वन्ति	सुनुते	सुन्वाते	सुन्वते

祈 愿 语 气

सुनुयाम्	सुनुयाव	सुनुयाम	सुन्वीय	सुन्वीवहि	सुन्वीमहि

命 令 语 气

सुनवानि	सुनवाव	सुनवाम	सुनवै	सुनवावहै	सुनवामहै
सुनु	सुनुतम्	सुनुत	सुनुष्व	सुन्वाथाम्	सुनुध्वम्
सुनोतु	सुनुताम्	सुन्वन्तु	सुनुताम्	सुन्वाताम्	सुन्वताम्

未 完 成 时

असुनवम्	असुनुव	असुनुम	असुन्वि	असुनुवहि	असुनुमहि
	(असुन्व)	(असुन्म)		(असुन्वहि)	(असुन्महि)
असुनोः	असुनुतम	असुनुत	असुनुथाः	असुन्वाथाम्	असुनुध्वम्
असुनोत्	असुनुताम्	असुन्वन्	असुनुत	असुन्वाताम्	असुन्वत

176. आप् (得到)，强语干 आप्नो，弱语干 आप्नु —

陈 述 语 气

आप्नोमि	आप्नुवः	आप्नुमः	आप्नुवे	आप्नुवहे	आप्नुमहे
आप्नोषि	आप्नुथः	आप्नुथ	आप्नुषे	आप्नुवाथे	आप्नुध्वे
आप्नोति	आप्नुतः	आप्नुवन्ति	आप्नुते	आप्नुवाते	आप्नुवते

177. 不规则变化：शृ(听)，强语干 शृणो，弱语干 शृणु，变化如 § 175。

第七类

178. 弱语干在尾音辅音前插入它同类鼻音，在咝音和ह前插入 Anusvāra；强语干插入 न（ण，§45）：भिद्（裂开），弱语干 भिन्द्，强语干 भिनद्；रुध्（阻挡），弱语干 रुन्ध्，强语干 रुणध्；युज्（套车），युञ्ज्，युनज्；पिष्（磨碎），पिंष्，पिनष्。请注意§146中的规则。

注：如果字根在尾音辅音前有一个鼻音，则弱语干与字根相同：हिंस्（伤害），同时也是弱语干；强语干是हिनस्. 参见§46注。

179. भिद्（裂开），强语干 भिनद्，弱语干 भिन्द्——

现在时

	主动语态			中间语态		
	单数	双数	复数	单数	双数	复数
			陈述语气			
1.	भिनद्मि	भिन्द्वः	भिन्द्मः	भिन्दे	भिन्द्वहे	भिन्द्महे
2.	भिनत्सि	भिन्त्थः	भिन्त्थ	भिन्त्से	भिन्दाथे	भिन्द्ध्वे
3.	भिनत्ति	भिन्त्तः	भिन्दन्ति	भिन्त्ते	भिन्दाते	भिन्दते
			祈愿语气			
1.	भिन्द्याम्	भिन्द्याव	भिन्द्याम	भिन्दीय	भिन्दीवहि	भिन्दीमहि
			命令语气			
1.	भिनदानि	भिनदाव	भिनदाम	भिनदै	भिनदावहै	भिनदामहै
2.	भिन्द्धि	भिन्त्तम्	भिन्त्त	भिन्त्स्व	भिन्दाथाम्	भिन्द्ध्वम्
3.	भिनत्तु	भिन्ताम्	भिन्दन्तु	भिन्ताम्	भिन्दाताम्	भिन्दताम्

未 完 成 时

1. अभिनद्म्	अभिन्व	अभिन्म	अभिन्दि	अभिन्वहि	अभिन्महि
2. अभिनत् (अभिनः)	अभिन्तम्	अभिन्त	अभिन्त्थाः	अभिन्दाथाम्	अभिन्द्वम्
3. अभिनत्	अभिन्ताम्	अभिन्दन्	अभिन्त	अभिन्दाताम्	अभिन्दत

180. युज् युनज्मि युनक्षि युनक्ति, युञ्ज्मः युङ्क्थ युञ्जन्ति; Impf. अयुनजम् अयुनक् अयुनक्, अयुञ्ज्व — पिष्, पिनष्मि पिनक्षि पिनष्टि, पिंष्मः पिंष्ठ पिंषन्ति; Impf. अपिनषम् अपिनट् अपिनट्, अपिंष्व — हिंस्, हिनस्मि हिनस्सि हिनस्ति, हिंस्मः हिंस्थ हिंसन्ति; 2. Imp. हिन्धि; Impf. अहिनसम् अहिनः 或 अहिनत् 3. अहिनत्, अहिंस्व.

第八类

181. 字根加उ构成弱语干，加 ओ 构成强语干：तन्（伸展），弱语干 तनु，强语干 तनो 。变化同§175。

182. 不规则的是 कृ（做）：弱语干 कुरु，强语干 करो 。在以 म्，य्，व् 为初音的语尾前弱语干是 कुर् ：

现 在 时

主动语态			中间语态		
单数	双数	复数	单数	双数	复数
陈述语气					
करोमि	कुर्वः	कुर्मः	कुर्वे	कुर्वहे	कुर्महे
करोषि	कुरुथः	कुरुथ	कुरुषे	कुर्वाथे	कुरुध्वे
करोति	कुरुतः	कुर्वन्ति	कुरुते	कुर्वाते	कुर्वते

祈 愿 语 气

कुर्याम्	कुर्याव	कुर्याम	कुर्वीय	कुर्वीवहि	कुर्वीमहि

命 令 语 气

करवाणि	करवाव	करवाम	करवै	करवावहै	करवामहै
कुरु	कुरुतम्	कुरुत	कुरुष्व	कुर्वाथाम्	कुरुध्वम्
करोतु	कुरुताम्	कुर्वन्तु	कुरुताम्	कुर्वाताम्	कुर्वताम्

未 完 成 时

अकरवम्	अकुर्व	अकुर्म	अकुर्वि	अकुर्वहि	अकुर्महि
अकरोः	अकुरुतम्	अकुरुत	अकुरुथाः	अकुर्वाथाम्	अकुरुध्वम्
अकरोत्	अकुरुताम्	अकुर्वन्	अकुरुत	अकुर्वाताम्	अकुर्वत

第九类

183. 在字根上加 नी (णी ，§45)构成弱语干，在以元音为初音的语尾前是 न् (ण्)，加 ना(णा)构成强语干： अश् (吃)，弱语干 अश्नी (अश्ण्)，强语干 अश्ना； क्री (买)，弱语干 क्रीणी (क्रीण्)，强语干 क्रीणा 。

184. 第九类的以辅音为尾音的字根主动语态命令语气单数第二人称语尾是 आन ，没有种类标志 नी：अश्नान （你吃吧！），但是 क्रीणीहि （你买吧！）。

185. अश् (吃)，强语干 अश्ना，弱语干 अश्नी ：

现 在 时

中间语态			主动语态		
单数	双数	复数	单数	双数	复数
陈 述 语 气					
अश्नामि	अश्नीवः	अश्नीमः	अश्ने	अश्नीवहे	अश्नीमहे
अश्नासि	अश्नीथः	अश्नीथ	अश्नीषे	अश्नाथे	अश्नीध्वे
अश्नाति	अश्नीतः	अश्नन्ति	अश्नीते	अश्नाते	अश्नते
祈 愿 语 气					
अश्नीयाम्	अश्नीयाव	अश्नीयाम	अश्नीय	अश्नीवहि	अश्नीमहि
命 令 语 气					
अश्नानि	अश्नाव	अश्नाम	अश्नै	अश्नावहै	अश्नामहै
अश्नान	अश्नीतम्	अश्नीत	अश्नीष्व	अश्नाथाम्	अश्नीध्वम्
अश्नातु	अश्नीताम्	अश्नन्तु	अश्नीताम्	अश्नाताम्	अश्नताम्
未 完 成 时					
आश्नाम्	आश्नीव	आश्नीम	आश्नि	आश्नीवहि	आश्नीमहि
आश्नाः	आश्नीतम्	आश्नीत	आश्नीथाः	आश्नाथाम्	आश्नीध्वम्
आश्नात्	आश्नीताम्	आश्नन्	आश्नीत	आश्नाताम्	आश्नत

186. 语干构成的特殊规则：

a)以 **ऊ** 收尾的字根缩短此元音： **लू**（剪），**लुनामि** 。

b) **ग्रह**（抓、拿），**गृह्णामि**（参见§189a).

c)倒数第二位置的鼻音脱落： **बन्ध्**（捆），**बध्नामि**（§189b)。甚至 **ज्ञा**（知道)也把鼻音丢掉： **जानामि** 。

一般时态

（现在时系统以外的时态）

187. 联系元音：在一般时态以及动名词的构成中，以除 **य्** 之外的辅音起首的语尾，或者是直接加在字根上，或者加联系元音 **इ**（印度语法中叫做 **इट्** ）。没有联系元音的字根叫aniṭ字根；有联系元音的叫做seṭ-（sa＋iṭ）字根。

注 1：aniṭ-和 seṭ-字根的区分规定在一些变化中经常被破坏。aniṭ-字根总地来讲是以除 **ऊ** 和 **ऋ** 以外的元音收尾的字根，许多以颚音、**द् ध् न्**、唇音和 **ह्** 收尾的字根。

注 2：**ग्रह्**（拿）的联系元音是 **ई**（例外 § 196、247、248）。

188. 以复合元音收尾的字根在一般时态中，照以 **आ** 收尾的字根处理。

189. 许多字根在一些变化中有一种特殊的弱等级：

a）初音或中音的 **य, व** 和 **र** 变为 **इ, उ, ऋ**（所谓的Samprasāraṇa）：**यज्**（献祭）— **इज्**；**व्यध्**（碰到）— **विध्**；**वच्**（说）— **उच्**；**स्वप्**（睡）— **सुप्**；**ग्रह**（拿）— **गृह्**。**ह्वे**（呼喊）— **हू**。

b）倒数第二位置的鼻音丢掉：**बन्ध्**（捆）— **बध्**。

190. 许多字根只用于一般时态或其中一部分。关于 **दृश्** — **पश्**（看），参见 § 144。**हन्**（杀）在一般时态中有时候用 **वध्**。**इ**（走）用 **गा** 来构成不定过去时。**अस्**（是）只构成现在时和完成时，在其余的形式中用 **भू**。— **प्रच्छ्**（问）用 **प्रश्, पृच्छ्** 构成一部分形式。

完成时

191. 完成时或者由重复方式构成，或者用迂回方式构成。动词只要不属于派生的变位（§ 250），则一般用重复方式构成。

192. 重复。(a)字根的初音辅音按§136重复，用短的字根元音。字中的复合元音用简单的短元音来重复(§14)。ऋ ॠ ऌ 和尾音复合元音(§188)用 अ 来重复：दा (给). 完成时强语干 ददा；जीव् (生活) जिजीव्；सेव् (服侍) सिषेव् (§46)；कृ (做)，完成时弱语干 चकृ；कॄ (撒)，चकर्；वृध् (生长)，ववृध्；गै (唱)，强语干 जगा §188，206。

193. (b)以元音为初音的字根：

a)初音 अ 在简单元音前变为 आ，初音 आ 保持不变：अद् (吃)，完成时语干 आद्；अस् (是)，完成时语干 आस्；आप् (得到)，完成时语干 आप् 。

b)在两个辅音前的初音 अ 和初音的 ऋ 用 आर् 来重复：अर्च् (尊敬) आनर्च्；ऋध् (兴盛) आनृध् 。但是 ऋ (走路)则为 आर् 。

c)初音 इ 和 उ 在简单辅音前，在完成时弱语干中变为 ई，ऊ；在强语干中用 इय्，उव् 来重复：इष् (希望)，弱语干 ईष्，强语干 इयेष् (§204)；उष् (燃烧)，ऊष्，उवोष् 。 इ (走)亦然，弱语干 ई (ईय्，§205b)，强语干 इये 。

194. य 和 व 按照Samprasāraṇa(§189a)变化后，用 इ 和 उ 来重复：

a)如果 य 和 व 是初音：यज् (献祭)，完成时强语干 इयज्；वच् (说) उवच् 。在弱语干中，这些字按§193c处理：ईज्，ऊच्。但是 यम् (控制，带辔头)，完成时强语干 ययम् 。

b)如果 य 和 व 在字中：व्यध् (打中)，强语干 विव्यध्，弱语干 विविध् (§201b)；स्वप् (睡)，强语干 सुष्वप्，弱语干 सुषुप्。

195. 完成时的人称语尾：

主动语态	1.	अ	व	म	中间语态	ए	वहे	महे
	2.	थ	अथुर्	अ		से	आथे	ध्वे

3. अ अतुर् उर् ए आते रे

注：当前面直接是 उ 或 ऋ 时，中间语态复数第二人称 ध्वे 应变为 ढ्वे；在联系元音 इ 后和在§227中已提及的关于 ढ्वम् 的条件下，可以这样变。

196. 联系元音。中间语态复数第三人称永远有联系元音 इ，大多数字根在其它以辅音为初音的语尾前有联系元音。

197. §196的例外：

a)下列八个字根不要联系元音（中间语态复数第三人称除外）：द्रु（跑）、श्रु（听）、स्तु（赞美）、स्रु（流）、कृ（做）、भृ（背负）、वृ（选）、सृ（走路）。

b)以 ऋ 收尾的字根（ ऋ （走路）除外）主动语态单数第二人称不用联系元音。

c)以元音（ ऋ 除外）收尾的 aniṭ 字根（§187）和中间有 अ 的aniṭ 字根主动语态单数第二人称可以有联系元音。

198. 语干等级。主动语态单数用部分再分级的强语干，其余形式用弱语干。

199. 单一的完成时语干。以辅音为初音和尾音的字根，是诗节长元音的，在所有形式里不变：बन्ध्（捆）完成时语干只有 बबन्ध्；प्रच्छ्（问）只有 पप्रच्छ्；जीव्（生活）只有 जिजीव्。按§193a构成的完成时语干如 आद्，आस्（来自 अस्）没有等级。

等级完成时语干

200. 在简单辅音前，中间元音是 अ 的字根的强语干：主动语态单数第一人称元音可以变为三合元音；主动语态单数第三人称必须变为三合元音；单数第二人称保持 अ 不变：क्रम्（跨步），

单数第一人称 चक्राम 或 चक्रम，第二人称 चक्रमिथ，第三人称 चक्राम；वच् （说话），第一人称 उवाच 或 उवच ，第二人称 उवक्थ 或 उवचिथ（§197c），第三人称 उवाच（§194）。

201. 中间有 अ 的字根在简单辅音前，弱语干作分别处理：

a）以两个辅音为初音或在重复中有一个替代音的字根（在b中讲授的除外），弱语干不变：

त्वर्（急行），完成时弱语干 तत्वर्；中间语态单数第一、三人称 तत्वरे；क्रम् （跨步），弱语干 चक्रम्； हस् （笑），弱语干 जहस् 。

b）字根 गम् （走），जन् （出生），हन् （打），खन् （掘），घस् （吃）和受Saṃprasāraṇa（§189a）支配的字根，丢掉字根元音：

गम् 的弱语干 जग्म्；जन् जज्ञ् (§54)；हन् जघ्न् (§208)；खन् चख्न्；घस् जक्ष्

Saṃprasāraṇa： वच्，弱语干 ऊच् （ उ-उच् ，§194）；वद् （说）：ऊद्； वह् （行驶）： ऊह्；यज् （献祭）：ईज्；व्यध् （打中）：विविध्；स्वप् （睡）： सुषुप् （§46）； ग्रह् （抓）：जगृह् 。

c）字根在简单辅音之间有 अ ，重复时没有替代音的构成弱语干时字根不重复，अ 变为 ए ： पत् （落），完成时弱语干 पेत्；मन् （思考），मेन्；यम् （带缚、勒）：येम् 。

注：如果主动语态单数第二人称有联系元音（§197c），则用（c）中的弱语干。

202. §201b 和 c 的变化表，**गम्**（去），**पच्**（煮）：

	中间语态			主动语态		
	单数	双数	复数	单数	双数	复数
1.	जगम 或 जगाम	जग्मिव	जग्मिम	जग्मे	जग्मिवहे	जग्मिमहे
2.	जगन्थ 或 जगमिथ	जग्मथुः	जग्म	जग्मिषे	जग्माथे	जग्मिध्वे
3.	जगाम	जग्मतुः	जग्मुः	जग्मे	जग्माते	जग्मिरे

1.	पपच 或 पपाच	पेचिव	पेचिम	पेचे	पेचिवहे	पेचिमहे
2.	पपक्थ 或 पेचिथ	पेचथुः	पेच	पेचिषे	पेचाथे	पेचिध्वे
3.	पपाच	पेचतुः	पेचुः	पेचे	पेचाते	पेचिरे

203. 例外：**भज्**（分）必须按§201c 变化，**त्रस्**（发抖）、**भ्रम्**（游荡），**राज्**（发光）等可以按§201c 变化。**भज्** 中间语态单数第一人称 **भेजे**。

204. 倒数第二音节里面 **इ उ ऋ** 在强语干中变为二合元音：**भिद्**（破裂）单数第一人称 **बिभेद**，复数第一人称 **बिभिदिम**；**पुष्**（喂养），**पुपोष पुपुषिम**；**दृश्**（看），**ददर्श ददृशिम**；**इष्**（愿意），**इयेष ईषिम**（§193c）。**तुद्**（打）：

	主动语态			中间语态		
	单数	双数	复数	单数	双数	复数
1.	तुतोद	तुतुदिव	तुतुदिम	तुतुदे	तुतुदिवहे	तुतुदिमहे
2.	तुतोदिथ	तुतुदथुः	तुतुद	तुतुदिषे	तुतुदाथे	तुतुदिध्वे
3.	तुतोद	तुतुदतुः	तुतुदुः	तुतुदे	तुतुदाते	तुतुदिरे

205. 以 **इ ई उ ऊ ऋ ॠ** 收尾的字根：

a)强语干主动语态单数第一人称变为二合元音或三合元音，第二人称为二合元音，第三人称为三合元音： नी （引导），第一人称 निनय 或 निनाय，第二人称 निनेथ 或 निनयिथ，第三人称 निनाय 。

b)以 ऋ 收尾，以两个以上辅音为初音的字根，以及大部分以 ॠ 收尾的字根在弱语干中，其元音变为二合元音，其余字根用简单元音。

在以元音为初音的语尾和联系元音（§196以下）之前，इ，ई 变为 य्，在两个辅音后变为 इय्；उ，ऊ 永远变为 उव्；ऋ 在简单辅音后变为 र्：

	主动语态			主动语态	
	复数	复数		复数	复数
	第一人称	第三人称		第一人称	第三人称
चि	चिच्यिम	चिच्युः	श्रु(§197)	शुश्रुम	शुश्रुवुः
श्रि	शिश्रियिम	शिश्रियुः	धू	दुधुविम	दुधुवुः
नी	निन्यिम	निन्युः	मृ	मम्रिम	मम्रुः
क्री	चिक्रियिम	चिक्रियुः	स्मृ	सस्मरिम	सस्मरुः
हु	जुहुविम	जुहुवुः	कॄ	चकरिम	चकरुः

इ （走路），ईयिम，ईयुः — कृ（做，§197a）：

1. चकर 或 चकार	चकृव	चकृम	चक्रे	चकृवहे	चकृमहे
2. चकर्थ	चक्रथुः	चक्र	चकृषे	चक्राथे	चकृढ्वे
3. चकार	चक्रतुः	चक्रुः	चक्रे	चक्राते	चक्रिरे

206. 以 आ 和复合元音收尾的字根（§188）主动语态单数第一、三人称语尾是 औ。弱语干丢掉 आ，在以辅音为初音的语尾前要有联系元音。主动语态单数第二人称可用强语干或弱语干来构成。 दा（给）：

1. ददौ ददिव ददिम | ददे ददिवहे ददिमहे

2. ददाथ 或 ददिथ	ददथुः	दद	ददिषे	ददाथे	ददिध्वे
3. ददौ	ददतुः	ददुः	ददे	ददाते	ददिरे

207. ह्वे (喊)用 हू (§189a)来构成完成时：主动语态单数第三人称 जुहाव，中间语态单数第三人称 जुहुवे 。

不规则完成时

208. जि (战胜)完成时语干是 जिगि; हि (投) जिघि; हन् (打)、जघन्, जघ्न् (§201b); चि (堆积)，चिचि 或 चिकि 。

209. भू (是)只有语干 बभू, 在元音前是 बभूव् ：

1. बभूव	बभूविव	बभूविम	बभूवे	बभूविवहे	बभूविमहे
2. बभूविथ	बभूवथुः	बभूव	बभूविषे	बभूवाथे	बभूविध्वे 或 °ढ्वे
3. बभूव	बभूवतुः	बभूवुः	बभूवे	बभूवाते	बभूविरे

210. विद् (知道)按完成时变位，不用重复，并且有现在时的意思 वेद वेत्थ वेद, विद्व विदथुः विदतुः, विद्म विद विदुः。

211. आह् 主动语态(说)，用作现在时和完成时，变化形式不完全。这些形式是：

	单 数	双 数	复 数
2.	आत्थ	आहथुः	
3.	आह	आहतुः	आहुः

纡回完成时

212. 纡回完成时由派生动词(第十类，致使动词、意愿动词、名动词，§251、258、266)、以除 अ 和 आ 之外的一个诗节长元音为初音的动词还有由 आस् (坐)来构成， विद् (知道)、भृ (担负)

等可以有其它完成时形式，也可以构成纡回完成时。

213. 构成法：加语尾 आम् ；如果是派生动词，则加在动词语干上，其余的加在字根上（一部分字根的元音变为二合元音），然后这个形式再和三个助动词 अस्, भू, कृ 之一的重复完成时组合。 अस् 和 भू 只用于主动语态，不管动词是主动语态的还是中间语态的； कृ 则根据动词语态的不同而变为主动语态或是中间语态：चिन्त् 10.（想）： चिन्तयामास; तुष् 致使动词（使满意）：तोषयामास; कथय् 名动词（叙述）कथयांबभूव; ईक्ष् 中间语态（看）：ईक्षांचक्रे; 但是 भृ, बिभरांचकार。

不定过去时

214. 不定过去时的七种形式分为两组：简单不定过去时（§ 216－220）和 s-不定过去时（§ 221－229）. 所有形式都有词头 अ, 都用派生的语尾。关于属于不定过去时的否定命令式，参阅 § 135。

215. 在古典梵文中，不定过去时和未完成时以及完成时没有区别，用来表示过去的时态。

(a)简单不定过去时

216. 第一种形式，字根不定过去时。前加 अ 的字根就是不定过去时语干。这种形式只适于以आ和复合元音收尾的字根（§ 188）以及 भू 。只有主动语态。复数第三人称语尾是 उर्，在它之前 आ 脱落。 भू 的复数第三人称语尾是 अन्， 在以元音起首的语尾前变为 भूव् 。 दा（给）， भू（是）：

अदाम्	अदाव	अदाम	अभूवम्	अभूव	अभूम
अदाः	अदातम्	अदात	अभूः	अभूतम्	अभूत
अदात्	अदाताम्	अदुः	अभूत्	अभूताम्	अभूवन्

以आ收尾的字根的中间语态按第四种形式构成。

217. 第二种形式，带插入元音的不定过去时。在已加词头अ的字根上加插入元音अ。变化如第一类动词的未完成时（§142）；中间语态很少。字根尾音ऋ 和 ॠ 变为二合元音。 शक्（能），不定过去时第一人称单数主动语态अशकम्；सृ（跑），असरम्。

218. 许多第四类动词和第一类和第六类的不规则动词遵从这种形式：क्रुध् 4.（发怒）अक्रुधम्；लिप्（涂抹 §143f），अलिपम्；गम्（走，§143a），अगमम्；सद्（坐，§143h），असदम्。 请特别注意：शास्（§159），अशिषम्；ख्या（说），अख्यम्；ह्वे（喊），अह्वम्；दृश्（看），अदर्शम्。

219. 第三种形式，重复的带插入元音的不定过去时。变化如第一类动词的未完成时，主动语态、中间语态都有。只有少数单音节动词遵从这种形式。尾音 इ 和 उ 变成 इय्，उव् — द्रु（跑），अदुद्रुवम्。字中间的अ消失：पत्（落），अपप्तम्；वच्（说），अवोचम्；नश्（消逝），अनेशम्。

220. 这种形式首先用于派生动词语干（第十类和致使动词，§251）构成不定过去时。उ-字根的重复元音大多是उ或ऊ，其余的字根用इ或ई。在此规则中，重复音节和字根音节长短不同（— ⏑）。

जन् 致使动词（生产），不定过去时 अजीजनम्；पॄ 致使动词（救），अपीपरम्；बुध् 致使动词（教训），अबूबुधम्；भ्रम् 致使动词（旋转），अबिभ्रमम्。 长的字根元音经常被缩短：जीव् 致使动词（使生），अजीजिवम्。以आ收尾的字根在不定过去时中也保留致使动词标志प（§255）：स्था 致使动词（放），अतिष्ठिपम्。

(b)咝音不定过去时

221. 第四种形式，不带插入元音的 s- 不定过去时。在前面已

加词头 अ 的字根上加 स् （按§46变为 ष् ）。这是aniṭ-字根（§187)的常用不定过去时。

222. 字根元音的处理：

1. 字根元音在主动语态中变为三合元音：नी（引导),不定过去时主动语干 अनैष्; श्रु （听）अश्रौष्; कृ（做）अकार्ष्; तुद् （打）अतौत्स्; भज् （分）अभाक्ष् (§52a); दृश्（看),अद्राक्ष्(§16)。

2. 中间语态字根尾音的 इ ई उ ऊ 变为二合元音，字中元音和尾音 ऋ 保持不变：中间语态不定过去时语干 अनेष्, अतुत्स्, अभक्ष्, अकृष्, अदृक्ष्。

3. 以 आ 和复合元音收尾的、按这种形式构成不定过去时中间语态的字根，将 आ 变为 इ: दा （给),不定过去时中间语态语干是 अदिष्。

223. 变位规则：

1. 主动语态复数第三人称语尾是उर्，中间语态 अत 。

2. 主动语态单数第二、三人称语尾是 ईस्, ईत् 。

3. 不定过去时标志 स् 的脱落：

a)在以 त् 和 थ् 为初音的语尾前，在短元音和除鼻音与 र् 以外的辅音后：主动语态复数第二人称 अतौत्त 代替 a-taut-s-ta；中间语态单数第三人称 अतुत्त 代替 atut-s-ta， 字根 तुद्；中间语态单数第三人称 अकृत，但主动语态复数第二人称 अकार्ष्ट，字根 कृ；दा（给)，中间语态单数第二人称 अदिथाः；मन्(认为)，中间语态单数第三人称 अमंस्त §55b。

b) स् 在中间语态第二人称复数的 ध्वम् 之前总是要脱落的，而 ध्वम् 在除 अ 和 आ 以外的所有元音后，变为 ढ्वम्：अनेढ्वम्，但 अभग्ध्वम्。

注：像 अकृत, अदिथाः 一类的形式大概来自于字根不定过去时，字根不定过去时原来比在古典梵文中要普遍得多。

224. नी（引导），कृ（做），तुद्（打）：

	主动语态			中间语态		
1.	अनैषम्	अकार्षम्	अतौत्सम्	अनेषि	अकृषि	अतुत्सि
2.	अनैषीः	अकार्षीः	अतौत्सीः	अनेष्ठाः	अकृथाः	अतुत्थाः
3.	अनैषीत्	अकार्षीत्	अतौत्सीत्	अनेष्ट	अकृत	अतुत्त
1.	अनैष्व	अकार्ष्व	अतौत्स्व	अनेष्वहि	अकृष्वहि	अतुत्स्वहि
2.	अनैष्टम्	अकार्ष्टम्	अतौत्तम्	अनेषाथाम्	अकृषाथाम्	अतुत्साथाम्
3.	अनैष्टाम्	अकार्ष्टाम्	अतौत्ताम्	अनेषाताम्	अकृषाताम्	अतुत्साताम्
1.	अनैष्म	अकार्ष्म	अतौत्स्म	अनेष्महि	अकृष्महि	अतुत्स्महि
2.	अनैष्ट	अकार्ष्ट	अतौत्त	अनेढ्वम्	अकृढ्वम्	अतुद्ध्वम्
3.	अनैषुः	अकार्षुः	अतौत्सुः	अनेषत	अकृषत	अतुत्सत

225. 第五种形式，不带插入元音的is-不定过去时。在前面加词头 अ 的字根上加 ईष् 。这是set-字根常用的不定过去时。

226. 字根元音的处理：

1. 以元音收尾的字根，元音在主动语态变为三合元音，在中间语态中变为二合元音： लू（割）主动语态不定过去时第一人称单数 अलाविषम्， 中间语态单数第一人称 अलविषि。

2. 有除 अ 之外元音的字根在简单辅音前，在主动语态和中间语态中，都将元音变为二合元音：बुध्（认识）主动语态单数第一人称 अबोधिषम्； रुच्（照耀）中间语态单数第一人称，अरोचिषि 。

3. 中间有 अ 的字根，在单辅音前，在主动语态中将元音变为三合元音，如 वद्（说），主动语态单数第一称 अवादिषम्， 其他的可以将元音变为三合元音：पठ्（学习），अपाठिषम् 或 अपठिषम्。

以 म्，ह् 收尾的字根和一些其它的字根保持不变：क्रम्（跨步），अक्रमिषम्； ग्रह् （抓住），अग्रहीषम् （§187，注2）。

227. 变位规则。变化和§224里的相似。主动语态单数第二、三人称以 ईस्, ईत् 收尾。中间语态复数第二人称 ध्वम्，如果字根以半元音或 ह 收尾，可用 द्वम्。

अलाविषम्	अलाविष्व	अलाविष्म	अलविषि	अलविष्वहि	अलविष्महि
अलावीः	अलाविष्टम्	अलाविष्ट	अलविष्ठाः	अलविषाथाम्	अलविध्वम्
अलावीत्	अलाविष्टाम्	अलाविषुः	अलविष्ट	अलविषाताम्	अलविषत

228. 第六种形式，siṣ-不定过去时。在以 आ 和复合元音（§188）以及以 अम् 收尾的字根上加 सिष्，同§227变化，只有主动语态。— या（走），अयासिषम्；रम्（取乐），अरंसिषम् —

1.	अयासिषम्	अयासिष्व	अयासिष्म
2.	अयासीः	अयासिष्टम्	अयासिष्ट
3.	अयासीत्	अयासिष्टाम्	अयासिषुः

229. 第七种形式，sa-不定过去时。只用于以 श्，ष् 和 ह 收尾，元音不是 अ 或 आ 的字根。字根尾音加不定过去时标志按§52a总是变成 क्ष — दिश्（指），अदिक्षम्。变位如第一类动词的未完成时，只是在中间语态单数第一人称，双数第二、三人称时用不加插入元音的变位（§145，2）。

1.	अदिक्षम्	अदिक्षाव	अदिक्षाम	अदिक्षि	अदिक्षावहि	अदिक्षामहि
2.	अदिक्षः	अदिक्षतम्	अदिक्षत	अदिक्षथाः	अदिक्षाथाम्	अदिक्षध्वम्
3.	अदिक्षत्	अदिक्षताम्	अदिक्षन्	अदिक्षत	अदिक्षाताम्	अदिक्षन्त

祈求式

230. 每一个字根都可以构成一个像祈愿语气似的祈求式，表示一种强烈的愿望。变化有一部分是不规则的。

231. 主动语态的祈求式。祈求式标志是 यास्，用不带插入元音的变位。字根以最弱形式出现（§189）。尾音元音变化如被动语态（§242b～d）。尾音 आ 大多变为 ए ：स्तु（赞美），स्तूयासम्；दा（给），देयासम्；但是 पा（保护），पायासम्。

232. 中间语态的祈求式罕见。祈求式标志是 सी（षी）。在以 त् थ् 为初音的语尾前加咝音。Seṭ-字根有联系元音。字根元音一般如第四和第五种不定过去时的中间语态那样变化。भू（是）：

主动语态			中间语态		
भूयासम्	भूयास्व	भूयास्म	भविषीय	भविषीवहि	भविषीमहि
भूयाः	भूयास्तम्	भूयास्त	भविषीष्ठाः	भविषीयास्थाम्	भविषीढ्वम्（°ध्वम्）
भूयात्	भूयास्ताम्	भूयासुः	भविषीष्ट	भविषीयास्ताम्	भविषीरन्

将来时

233. 简单将来时。在元音变为二合元音的字根上加 स्य（ष्य，§45）．seṭ-字根加 इष्य。变化如现在时第一类动词陈述语气的主动语态、中间语态（§142）：दा（给），单数第一人称दास्यामि दास्ये；गै（唱），गास्यामि（§188）；नी（引导），नेष्यामि नेष्ये；भू（成为），भविष्यामि；कृ（做），करिष्यामि；हन्（杀），हनिष्यामि；क्षम्（原谅），क्षंस्यामि（§55b）；भिद्（分开），भेत्स्यामि；बुध्（知道），भोत्स्ये（§18注）；वच्（说话），वक्ष्यामि；विश्（进来），वेक्ष्यामि（§52a）；ग्रह्（抓），ग्रहीष्यामि（§187注2）；दृश्（看），द्रक्ष्यामि（§16，52a）。第十类动词和致使动词，在以 अय् 收尾的语干后面加 इष्य：तुष् 致使动词（使满意），将来时 तोषयिष्यामि。

234. 迂回将来时。在元音变为二合元音的字根上加 ता（是以

तृ 收尾的行动名词单数体格，§ 75)，seṭ-字根加 इ 。在第一人称和第二人称时， °ता 和助动词 अस 结合构成主动语态及中间语态，第三人称语干像阳性名词一样变化。 कृ （做）：

	1.	कर्तास्मि	कर्तास्वः	कर्तास्मः
主动语态	2.	कर्तासि	कर्तास्थः	कर्तास्थ
	3.	कर्ता	कर्तारौ	कर्तारः

भू(是)，भवितास्मि；ग्रह，ग्रहीतास्मि（§ 187 注 2)；दृश्，द्रष्टास्मि（§ 16)。

235. 迂回完成时的中间语态罕见：单数第一人称 कर्ताहे，第二人称 कर्तासे，第三人称 कर्ता；双数第一人称 कर्तास्वहे，第二人称 कर्तासाथे，第三人称 कर्तारौ；复数第一人称 कर्तास्महे，第二人称 कर्ताध्वे，第三人称 कर्तारः。

236. 句法。简单将来时表示将来，特别是近期的将来，但也表示希望和应该怎样。如果说迂回将来时与简单将来时确实有区别的话，则迂回将来时表示较远的将来。

假定时

237. 将来时语干前加词头 अ，按第一类动词未完成时（§ 142)变位：दा；主动语态第一人称单数 अदास्यम，中间语态 अदास्ये 。

238. 在非真实条件句中，除祈愿式之外，也使用假定时。

被动语态

A. 现在时

239. 字根后加 **य** ，变位如第一类动词现在时中间语态：**तुद्** (打)，被动语态陈述语气第一人称单数 **तुद्ये**；**द्विष्** (恨)，**द्विष्यते**；**हन्**(杀)，**हन्यते**。

240. 按§189有特弱语干的字根，在被动语态中就用这种最弱形式：**बन्ध्** (捆)，**बध्यते**。Saṃprasāraṇa：**वच्** (说话)**उच्यते**；**ग्रह** (抓) **गृह्यते**；**ह्वे** (喊) **ह्वयते**。

241. **खन्** (挖掘)和 **तन्** (延长)在除 **खन्यते** 和 **तन्यते** 之外也可构成 **खायते** 和 **तायते** 。

242. 尾音元音：a) **आ** 和复合元音(§188)大多变为**ई**：**दा** (给)，**दीयते**；**पा** (喝)，**पीयते**；**गै** (唱)，**गीयते**；但在下列字中不变：**ज्ञा** (认识) **ज्ञायते**；**पा** (保护) **पायते** 。

b) **इ** 和 **उ** 拉长：**जि**(胜利) **जीयते**；**श्रु** (听) **श्रूयते** 。

c) **ऋ** 变为 **रि**，在两个辅音后变为 **अर्**：**कृ** (做)，**क्रियते**；**स्मृ** (回忆) **स्मर्यते** 。 d) **ऋ** 变为 **ईर्**，在唇音后变为**ऊर्**：**कॄ** (撒)，**कीर्यते**；**पॄ** (填满)，**पूर्यते** 。

243. 第十类字根和致使动词，用丢掉 **अय्** 的语干构成被动语态：**चुर्** (偷)，**चोर्यते**；**कृ** (做)，**कार्यते** 。

B. 一般时态

244. 一般时态被动语态用中间语态来代替，例外如下：

245. 被动语态不定过去时第三人称单数在加有字头 अ 的字根后加后级 इ 。尾音元音和简单辅音前的字中的 अ 变为三合元音，字中的 इ उ ऋ 变为二合元音；以 आ 为尾音的字根在 इ 前插入य्：नी（引导），अनायि；लू （割掉），अलावि；कृ （做），अकारि；पच् （煮），अपाचि；दिश् （指示），अदेशि；बुध् （认识），अबोधि；दृश् （看），अदर्शि；दा （给），अदायि 。派生语干（§ 251）把अय् 丢掉：चुर् 10.，अचोरि。

246. §245 的例外：जन्（生），अजनि；दम् （驯服），अदमि；लभ् （达到），अलाभि 或 अलम्भि；हन् （杀），अघानि 或 अवधि （§ 190）。

247. 以元音收尾的字根以及 ग्रह् （抓）、दृश् （看）、हन् （杀）能够在被动语态不定过去时第三人称单数（§ 245）加上第五种不定过去时中间语态的语尾（§ 225），构成不定过去时被动语态（第三人称单数例外）。被动语态不定过去时单数第一人称：अनायिषि，अकारिषि，अग्राहिषि，अदर्शिषि 。हन् 构成 अघानिषि 。

248. §247 中讲述的字根也可用相似的方式用被动语态不定过去时单数第三人称语干来构成一个特殊的将来时和假定时的被动语态，将来时单数第一人称 नायिष्ये，假定时 अनायिष्ये；ग्राहिष्ये 等。

249. 在迂回完成时（§ 213）被动语态中，हा，(अस्) 和 भू 永远用中间语态的形式。

派生语干的变位

250. 除了少数例外，派生语干在整个变位中保持不变。

A. 第十类动词和致使动词

251. 字根后加 **अय्**，现在时语干 **अय** 。尾音 **इ ई उ ऊ ऋ ॠ** 和简单辅音前的 **अ** 变为三合元音，字中的 **इ उ ऋ** 在简单辅音前变为二合元音。现在时变化如第一类动词（§142）。变化如是的有：a)第十类动词；b)致使动词。

252. (a)有一些动词按此变位构成现在时，意义不变。这就是第十类动词：**चुर्**（偷），现在时语干 **चोरय**； **पूज्**（尊敬），**पूजय**（§15）。

253. (b)每一个动词，除了它原有的现在时语干之外，可依从 **अय-** 变位，从而具有致使意义： **भू**（是），致使动词现在时语干 **भावय**（使产生）； **कृ**（做）， **कारय**（使做）； **नी**（引导）， **नायय**（使引导）； **पत्**（落）， **पातय**（使落）； **बुध्**（认识）， **बोधय**（教导）； **रञ्ज्**（〔自〕染）， **रञ्जय**（染）。

致使动词的特殊规则

254. 字中的 **अ** 经常保持作短音： **गम्**（走）， **गमय**（领过来）； **जन्**（生）， **जनय**（创造）； **त्वर्**（急行）， **त्वरय**（加速）； **प्रथ्**（扩张）， **प्रथय**（使扩张）； **घट्**（可能）， **घटय**（做）；但是 **उद्-घाटय**（开）。

255. 以 **आ** 为尾音的字根大多有致使标志 **पय**，现在时 **पय** — **दा**（给）， **दापय**（使给）； **स्था**（站）， **स्थापय**（放）。但是 **पा**（喝）**पायय**（饮）； **ज्ञा**（认识） **ज्ञापय**（通知）或 **ज्ञपय** ； **स्ना**（洗

澡)，स्नापय 或 स्नपय（使洗澡)。

256. 不规则致使动词。 ऋ（站起来）——अर्पय（掷）；क्षि（毁坏）——क्षयय 或 क्षपय； दुष्（变坏）——दूषय（弄坏）； पॄ（填）——पूरय; प्री（使高兴）——प्रीणय(使高兴）; रुह्（生长）——रोहय或रोपय(使生长） लभ्（得到）——लम्भय(使得到）； इ 加अधि构成 अध्यापय（教）。

257. 第十类动词和致使动词的一般时态：完成时用迂回式（§212)；不定过去时用重复式（§220)。两种将来时在 अय् 后有联系元音：将来时单数第三人称 कारयिष्यति, कारयिता 。被动语态按§243。

B. 愿望动词

258. 愿望动词通过在重复字根上加 स्（现在时为 स ）来构成语干，有时候加联系元音 इ 。重复时用元音 इ ，只在字根有 उ ऊ 或按§259 有 ऊ 时重复时，才用元音 उ 。变化如第一类动词。

पच्（煮)，愿望动词现在时语干 पिपक्ष（希望煮）；क्षिप्（掷），चिक्षिप्स(希望掷）；तुद्（打），तुतुत्स（希望打）；दुह्（挤牛奶),दुधुक्ष（希望挤牛奶）；दृश्（看），दिदृक्ष（希望看）。

259. 尾音元音：尾音 इ 和 उ 拉长，尾音 ऋ 和 ॠ 变为 ईर्，在唇音后变为 ऊर् 一 श्रु（听)，愿望动词现在时语干 शुश्रूष； कृ(做），चिकीर्ष; मृ （死)，मुमूर्ष 。

260. 不规则者： आप（得到），ईप्स；गम्（走），जिगांस 或 जिगमिष；ग्रह（抓），जिघृक्ष；चित्（观察），चिकित्स（痊愈）；जि（胜利），जिगीष（参见§208）；दा（给），दित्स；धा（安放），धित्स；पत्（落），पित्स 或 पिपतिष；भज्（得到），भिक्ष（乞讨）；लभ्（得到），लिप्स；शक्（能够），शिक्ष（学习）；हन्（杀），जिघांस。

261. 完成时用迂回式（§212），不定过去时用is-不定过去时（§225）。两种将来时有联系元音。被动语态按§239。

262. 愿望动词表示愿望、打算，或者表示动词所表达的行为是时候了。一些愿望动词，像 भिक्ष्, शिक्ष्（§260）差不多变成了独立的动词。

C. 加强动词

263. 字根重复。重复音节通过用二合元音、拉长或别的方式加强。在现在时中，重复字根后加 य，按第一类动词中间语态变化。尾音的字根元音按§242处理：रु（呼喊），加强动词现在第三人称单数 रोरूयते；दीप्（闪光），देदीप्यते；क्रम्（迈步），चंक्रम्यते。

264. 重复字根（不加 य）按第三类动词主动语态变位是较罕见的，强形式可在以辅音为初音的语尾前插入 ई：क्रम्，加强动词现在时单数第三人称 चंक्रमीति；धू（摇），दोधवीति。 जागृ以及类似的重复动词（§148）原来同时就是加强动词。

265. 加强动词表示重复的或加强的行为。和“走”有关的加强动词表示漫无目的地转悠。

D. 名动词

266. 名动词的构成是在名词语干后加后缀 **य**， 较少加 **स्य** ，变化如第一类动词的主动语态或中间语态。名词性词的尾音元音的处理不同。涵义是："做…""变成…"、"希望…"，即与名词所表达的相同。 **चिर**（长） **चिरय, चिराय** （拉长，犹豫）；**अर्थ**（愿望），**अर्थय**（渴求）；**कृष्ण**（黑）， **कृष्णाय**（染黑），**पुत्र**（儿子） **पुत्रीय**（希望有一个儿子）；**तपस्**（苦行），**तपस्य**（实行苦行）。

注：纯粹的名词语干有时也用作名动词： **अङ्कुर**（新芽），**अङ्कुरति**（发新芽）。

动名词

1. 时态语干的分词

267. 现在时分词主动语态：后缀 **त्**（**अत्**）， 强语干 **न्त्**（**अन्त्**）（§88）。阴性见§296。

a）加插入元音的变化：**त्**（强语干 **न्त्** ）加在以**अ**收尾的现在时语干上：**भू** 1. 现在时语干**भव**，现在分词主动语态**भवत्**； **तुद्** 6. **तुदत्**； **तुष्** 4.（高兴），**तुष्यत्**； **चुर्** 10. **चोरयत्**； 愿望动词语干 **ईप्स**（§260）**ईप्सत्**。

b）在不加插入元音的变化中，**अत्**（强语干 **अन्त्**）加在现在时弱语干上，语干尾音如在以元音为初音的人称语尾前处理：**द्विष्** 2.，现在分词主动语态 **द्विषत्**； **अस्** 2.（§153）， **सत्**； **हन्** 2.（§158），**घ्नत्**； **सु** 5. **सुन्वत्**； **भिद्** 7. **भिन्दत्**； **अश्** 9. **अश्नत्**。重复语干（§148a，第三类动词、§165 和 §264 的加强动词）按§89 处理，也就是说，它们没有强语干：**हु** 3. 在所有的形式中作**जुह्वत्**；**लिह्** 加强动词，只有 **लेलिहत्**； **शास्** 2.（§159）同样只有 **शासत्**。

268. 将来时分词主动语态如§267a：**दा**，将来时语干**दास्य**，将来时分词主动语态**दास्यत्**，强语干**दास्यन्त्**。

269. 现在时分词中间语态：a)加插入元音的动词在现在时语干上加后缀 **मान** (**माण**，§45)，阴性**माना** (**माणा**)：**भू** 1. 现在时语干 **भव**，现在时分词中间语态 **भवमान**；**रुह** (成长)，**रोहमाण**·

被动语态现在时(§239)亦如是： **कृ** (做)**क्रियमाण**(§242c)。

b)不加插入元音的动词在弱语干上加 **आन** (**आण**，§45)，阴性加 **आना** (**आणा**)，语干尾音如在以元音为初音的人称语尾前处理：**विष्** 2. **विषाण**；**द्रू** 2. **द्रुवाण**；**श्री** 2. (§157) **श्रयान**；**हृ** 3. **जुह्वान**；**सु** 5. **सुन्वान**；**आप** 5. **आप्नुवान**；**भिद्** 7. **भिन्दान**；**अश्** 9. **अश्नान**。不规则者：**आस्** 2.(坐)，**आसीन**。

270. 将来时分词中间语态：后缀 **मान** 一 **दा**，**दास्यमान**。

271. 完成时分词主动语态：后缀 **वस्** (§98)加在完成时弱语干上。如果完成时语干是单音节的(§§193a、c，201 b、c，206)，那么除最弱语干外，后缀前加联系元音 **इ**：**तुद्**，完成时分词主动语态**तुतुदस्**；**जन्**，**जज्ञिवस्**(最弱语干**जज्ञुष्**)；**वच्**，**ऊचिवस्**(最弱语干**ऊचुष्**)；**पच्**，**पेचिवस्** (**पेचुष्**)；**नी**，**निनीवस्** (**निन्युष्**)；**कृ**，**चक्रवस्** (**चक्रुष्**)；**दा**，**ददिवस्** (**ददुष्**)。但是**विद्** (§210) **विदुस्**。

注：字根 **गम्** (走)、**हन्** (打)、**दृश्** (看)、**विश्** (进来)和 **विद्** 6.(找到)有时用联系元音：**गम्**，**जगन्वस्** (§55b)或 **जग्मिवस्** (但总是 **जग्मुष्**)；**हन्**，**जघन्वस्** 或 **जघ्निवस्** (§201b)。

272. 完成时分词中间语态：后缀 **आन** (**आण**) 加在弱语干上，语干尾音如在以元音为初音的人称语尾前处理：**कृ**，**चक्राण**；**पच्**，**पेचान**；**नी**，**निन्यान**.

2. 由字根或派生动词语干变来的分词

273. 用后缀 **त** 和 **न** 可构成过去分词，及物动词的过去分词有被动的意思，不及物动词的过去分词只表示过去。

274. **त**（阴性 **ता**）直接加在以元音为尾音的字根和以辅音为尾音的aniṭ-字根上。只有以辅音为尾音的seṭ-字根用联系元音：**श्रु, श्रुत**（听到了）；**भू, भूत**（成了）；**कृ, कृत**（做了）；**पत्, पतित**（落下来了）。请注意 §§ 47—51 的音变规则：**द्विष्, द्विष्ट**（恨了）；**युज्, युक्त**（上轭了）；**सृज्, सृष्ट**（创造了）；**लभ्, लब्ध**（得到了，§ 48）。

275. 根据 § 189 有特殊弱形式的字根，在 **त** 前用这种特弱形式，**गृह्, गृहीत**（§ 187 注 2）。参见 § 277a、b。

276. 以 **आ** 和复合元音为尾音的字根，在被动语态中尾音发生变化的，在以 **त** 收尾的分词中，用以 **ए** 或 **ई**（参见 § 277g）为尾音的弱形式。保存 **आ** 者：**ज्ञा**（认识），**या**（走），**ख्या**（称呼），**स्ना**（洗澡），**ध्यै**（沉思）：**ज्ञात** 等，**ध्यात**。

277. 最重要的音变和不规则者如下表：

a) § 189a. 159

यज्（祭祀）	**इष्ट**	**व्यध्**（碰）	**विद्ध**
वच्（说话）	**उक्त**	**स्वप्**（睡）	**सुप्त**
वद्（说）	**उदित**	**प्रच्छ्**（问）	**पृष्ट**
वप्（播种）	**उप्त**	**ह्वे**（呼）	**हूत**
वस्（住）	**उषित**	**शास्**（命令）	**शिष्ट**

b) § 189b

दंश् (咬) दष्ट　　सञ्ज् (挂) सक्त

बन्ध् (捆) बद्ध　　स्रंस् (落) स्रस्त

c) § 55a

क्षन् (伤) क्षत　　गम् (走) गत

तन् (延长) तत　　नम् (弯曲) नत

मन् (想) मत　　यम् (控制) यत

हन् (杀) हत　　रम् (喜欢) रत

d) खन् (掘) खात　　जन् (生) जात

e) कम् (爱) कान्त　　क्रम् (迈) क्रान्त

क्लम् (疲倦) क्लान्त　　दम (制服) दान्त

भ्रम् (闲逛) भ्रान्त　　शम् (安静) शान्त

श्रम् (疲倦) श्रान्त

f) § 51

दह् (烧) दग्ध　　स्निह् (爱) स्निग्ध

गुह् (藏) गूढ　　रुह् (生长) रूढ

लिह् (舐) लीढ　　वह् (扛) ऊढ

सह् (忍受) सोढ　　नह् (捆) नद्ध

g) § 276

मा (量) मित　　स्था (站) स्थित

धा (放) हित　　शो (磨砺) शित

सो (决心) सित　　पा (喝) पीत

गै (唱) गीत

h) § 157

शी (躺) शयित

i) घस् (吃) जग्ध　　दा (给) दत्त

注：在以元音为尾音的前缀后面，दा的过去分词形式多半是°त्त。

आ-दा (拿) ——आत्त。

278. 第十类动词和致使动词用 इ 来代替 अय्：चुर् 10（偷），चोरित；कृ（做），致使动词过去分词 कारित。

279. 较少见的后缀 न (ण) 阴性 ना (णा) 永远加在字根上，没有联系元音 इ。即：

a)加在以 ॠ 为尾音的字根上，ॠ 按 § 242d 处理：कॄ（撒）कीर्ण；पॄ（填）पूर्ण。

b)加在另外几个以元音为尾音的字根上，如：हा（离开）हीन（参见 § 276）；क्षि（毁坏）क्षीण；ली（消失）लीन；लू（割掉）लून。

c)加在大多数以 द् 收尾的字根上，不按 § 43 而按 § 26 处理，छिद्（劈开）छिन्न；सद्（坐）सन्न；पद्（陷入）पन्न。

d)加在一些以 ग् 和 ज् 收尾的字根上（ज 不按 § 43 而变为 ग्）：लग्（挂）लग्न；विज्（吃惊）विग्न；भञ्ज्（打破）भग्न；मज्ज्（沉）मग्न。

280. 通过加上后缀 वत्（强语干 वन्त्），可以从 त 或 न 收尾的分词构成有主动意义的过去分词：कृतवत्（做了）；छिन्नवत्（劈开了）。按 § 91 变格。

注：以 त 和 तवत् 收尾的分词常有定式动词的意义。

281. 用后缀 तव्य，अनीय 和 य（阴性 ०आ）可以从每一个字根构成一个动形容词或必要分词：

a) तव्य 加在元音变为二合元音的字根上，seṭ-字根有联系元音：जि（战胜），जेतव्य（可以战胜的）；कृ（做），कर्तव्य；भुज्（享受），भोक्तव्य；भू（是），भवितव्य（应该是的）；ईक्ष्（看），ईक्षितव्य。以 अय् 收尾的派生语干保留 अय्：बुध् 致使动词 बोधयितव्य（教导）。

b) अनीय (अणीय)　加在元音变为二合元音的字根上。चि (堆积)，चयनीय；　श्रु (听)，श्रवणीय；　कृ (做)，करणीय。派生语干去掉 अय्：चिन्त् 10. (想)，चिन्तनीय。

c) य ——下面的例子可作为构成类型：दा (给) देय；जि (战胜) जेय；भू (是) भव्य 或 भाव्य (应该发生的)；कृ (做) कार्य；भिद् (劈开) भेद्य；मुच् (解脱) मोच्य；दृश् (看) दृश्य；वच् (说) वाच्य；　但以唇音收尾者：लभ्，लभ्य；वध् (杀) वध्य。派生语干：चिन्त् 10. (想) चिन्त्य；स्था 致使动词 स्थाप्य (§ 255).

不定式和独立式

282. 不定式。在元音变为二合元音的字根上加 तुम्。联系元音如 § 281：दा (给)，不定词 दातुम्；जि (战胜) जेतुम्；भू (是) भवितुम्；कृ (做) कर्तुम्；युज् (套车)，योक्तुम् (§ 49)；दृश् (看)，द्रष्टुम् (§ 16)；जीव् (生活) जीवितुम्；गम् (走)，गन्तुम् (§ 55b)；सह् (忍受，承受) सोढुम् (§ 51)；ग्रह् (拿)，ग्रहीतुम् (§ 187 注 2)；प्रच्छ् (问) प्रष्टुम् (§ 190)；तॄ (跨过) तरितुम् 或 तरीतुम्。派生语干：चिन्त् 10. चिन्तयितुम्。

独立式

283. 独立式用作不变分词，它表示一种先于主句所表达的主要行为的行为，与主句行为者相同。有时候结构比较自由：मम दुःखमुत्पन्नं दृष्ट्वा युष्मान् "我看到你们以后，就产生了苦恼。"

注：一些独立式有介词的作用：　आदाय (接受)＝用，以；मुक्त्वा (放弃了)＝除了。

284. 第一种独立式。非复合动词用独立式后缀 त्वा，在此后缀前，字根一般来说像在 त (§ 274 以下) 前一样处理：श्रु，श्रुत्वा (听

到了)； कृ (做) कृत्वा; वच् (说) उक्त्वा; स्वप्(睡) सुप्त्वा; गम् (走) गत्वा; स्था (站) स्थित्वा; दा(给) दत्त्वा。以ऋ收尾的字根按§242d处理； तॄ (跨过) तीर्त्वा 。派生语干保留अय् 。कृ致使动词语干कारय्,独立式 कारयित्वा.

285. 第二种独立式。复合动词(§299. 300)用后缀य(不变化)，प्र-दा ——प्रदाय(给过了)；सम्-भू(产生)संभूय。在关于被动语态的§240和§242d中讲到的规则也适用于此：निबन्ध्(捆)：नि-बध्य; प्र-वच्(宣告，§20a)：प्रोच्य ； प्रति-ग्रह(接受)：प्रतिगृह्य ; अव-तॄ;(下来)：अवतीर्य ； सम्-पॄ (填)：संपूर्य 。

286. 第二种独立词的特别规则：

a)以短元音收尾的字根用त्य 。 वि-जि (打败) विजित्य; आ-इ (来，§20a) एत्य ； नमस्कृत्य (致敬，§300)。

b) तन्(扩张)和 हन् (杀)丢掉鼻音，再按a)变化：नि-हन् (打倒) निहत्य 。

c)§277c中述及的以म收尾的字根和 मन् (想)可遵从b的构成法：आ-गम्(来)——आगम्य 或 आगत्य; अव-मन्(藐视)अवमन्य 或 अवमत्य 。

d) खन्(掘)和 जन्(生)构成 °खाय，°जाय 或 °खन्य，°जन्य 参见§277d。

287. 第十类动词和用相同方式构成(§251，.266)的动词丢掉अय्:वि-चिन्त्10.(沉思)विचिन्त्य； आ-कर्णय名动词(听)—— आकर्ण्य ; अनु-ज्ञा致使动词(告别)—अनुज्ञाप्य (§255)。只是当前面的字根音节是诗节短元音的时候，保留后缀अय्; सम्-गम्致使动词(使到一起)——संगमय्य (§254)。

288. 以 **अम्** 收尾的第三种独立式少见。字根元音按 § 245 处理：**कृ**（做）**कारम्**；**वद्**（说） **वादम्**；**दा** （给）**दायम्**。

以**अम्**收尾的独立式尤见于重复： **पा**（喝） **पायं पायम** （一而再，再而三地喝）。

字的构成

289. 语尾用来构成名词语干。它们有两种：原始的和派生的。

290. 原始（kṛt-）语尾把字根和动词语干变为名词语干：**मन्**（想）加Kṛt语尾 **अस्** 变成**मनस्**（精神）。

291. 派生（Taddhita-）语尾构成的名词语干产生于其它的名词语干。最常用的语尾是：**अ इक इन् ईन ईय ता त्व मत् मय य वत् विन्**；除此之外，还有 § 108 中的语尾。例如 **मनस**（§ 290）加 Taddhita 语尾**विन्**构成形容词 **मनस्विन्**（可以理解的）。

292. 一些字根也无需特殊的后缀而成为名词： **दिश्**（方向）；**भी**（恐惧）； **मुद्**（喜悦）；**तृष्**（干渴）。或者用三合元音 **वाच्**（字），来自 **वच्**（说）。

阴性语干的构成

293. 常见的阴性语干可用语尾**आ**和**ई**构成：

294. **आ** 加在一部分以**अ**收尾的语干上：**अश्व**（马），阴性**अश्वा**（牝马）；**बाल**（男孩），阴性**बाला**（女孩）；常见的是加在形容词和分词上： **नव**（新），阴性 **नवा**；**कृत**（做了），阴性**कृता**。以**अक**收尾的语干阴性大多加 **इका**；**पाचक**（煮着的），阴性**पाचिका**。

295. 加 ई：

1. 加在一部分以 अ 收尾的语干上：देव（神），阴性 देवी（女神）。

2. 也可加在以 उ 收尾的形容词上：तनु（薄，瘦），阴性 तनू（§ 68）或 तन्वी。

3. 加在以 तृ 收尾的行动者名词上：दातृ（施者）阴性 दात्री。

4. 加在以辅音收尾的语干上。如果一个名词有两个或三个语干，则 ई 加在弱语干或最弱语干上：बलिन्（强壮），阴性 बलिनी；

महत्（§ 90），阴性 महती；राजन्（§ 92），阴性 राज्ञी（女王）；श्वन्（狗），§ 95），阴性 शुनी；विद्वस्（知道，§ 98），阴性 विदुषी。

296. 以 अत् 收尾的现在分词（§ 267 以下）用 ई 构成它的阴性，即和中性双数体、业格（§ 88）相同：

1. 以 अन्ती 收尾的有：第一、四、十类动词的现在分词、致使动词和愿望动词：भवन्ती，बोधयन्ती，ईप्सन्ती。

2. 以 अती 收尾的有：不带插入元音动词的现在分词：द्विषती，सती，जुह्वती 等。

3. 以 अन्ती 或 अती 收尾的有：第六类动词、将来时和第二类以 आ 收尾的动词的现在分词：तुदन्ती 或 तुदती；दास्यन्ती 或 दास्यती；यान्ती 或 याती（来自 या 2. 走）。

297. 以 ई 收尾的名词，阴性大多不变。सखि（朋友，§ 66）阴性为 सखी。

298. 不规则者：युवन्（年轻），阴性 युवति；पति（§ 67），阴性 पत्नी。一些以 वन् 收尾的字根加 वरी：पीवन्（肥胖），阴性 पीवरी。几个神名和其他名词加 आनी — भव（湿婆），阴性 भवानी

（混婆之妻）。

复合词

A. 动词复合

299. 动词可和一个或更多的前缀与副词相复合。前缀有：

अति 从上面，从旁边	उप 向着
अधि 从上面，在上面	नि 向下面，向里面
अनु 在后面，沿着	निस् 出来
अन्तर् 在中间	परा 离开…
अप 离开	परि 围绕着…
अभि 向着	प्र 向前
अव 从…往下	प्रति 阻挡、回来
आ 向着，来	वि 离开，散开
उद् 在上面，来自	सम् 同，一起

300. 某一些副词同有限的一些动词组合，如：अलम् 加 कृ = 装饰；आविस् （公开地）加 भू 和 कृ 。在 कृ 前，नमस् （致敬）也作前缀处理（参见 § 301b 和 286a）。

301. 连声规则。在前缀与动词之间用句内连声；但在下列情况中则用字内连声：

a）如果前缀中有 र्，则许多字根的初音 न，还有跟在后面的前缀 नि 变为 ण（§ 45）：नम् + प्र——प्रणमति（他鞠躬）；नुद् + प्र 的完成时——प्रणुनोद（他撞掉了）；पत् + प्र + नि—— प्रणिपतति （他跌倒）。

b）在清音喉音和唇音前，前缀的尾音 स 在 अ 后面不变，在 र् 和 उ 后面变成 ष्：पुरस्कृ （放在前面）；नमस्कृ（致敬）；पत् + निः—— निष्पतति （他飞出去）；क्रम् + निः —— निष्क्रामति（他

走出去）； कृ + आविः —— आविष्करोति （他显示）。

c）在以 इ 和 उ 收尾的前缀和 निः 后面，许多字根的初音 स् 变成 ष्（§ 46）：सद् + नि （§ 143h）——निषीदति（他坐下）；अनु + स्था 的过去分词（§ 276）—— अनुष्ठित （完成）；स्तु + अभि —— अभिष्टुत（赞美了）。在前加元音 अ 后亦然：सिच् + अभि —— अभ्यषिञ्चन्（他们灌顶）。如果 s 后面跟着 म् 或字根中有 r 音，则不发生顶音化：विस्मित （吃惊）；अनुसृत （随着）。

302. a）字根 स्था（站）、स्तम्भ्（支持）中的 स् 在 उद् 后面丢掉：उत्थातुम् 不定词（站起来）。

b） कृ （做）和 सम् 结合变成 स्कृ，与 उप，परि 结合，在特定含义中，也变成 स्कृ：संस्कृत（装饰）； परिष्कृत （装饰，§ 301c）。

303. 名词同助动词（§ 213） कृ （做）、अस्（是）、 भू （成为）结合，意思是：做成什么东西，是什么或成为什么东西。名词语干的尾音 अ 和 अन् 变成 ई；इ 和 उ 拉长； ऋ 变成 री ：स्वीकृ（据为己有）来自 स्व （自己的） बहुलीभू （增长），来自 बहुल （许多）； शुचीभू （变干净），来自 शुचि（干净）。

注：以 सात् 收尾的副词也可与同样的动词组合： भस्मसात्कृ （变成灰），来自 भस्मन् （灰）。

B. 名词性复合词

304. 所有的复合词，除相违释（Dvandva）外，都只有两个组成部分：前部分和后部分；但是所有的复合词又可以成为一个新复合词的组成部分。

305. 复合词的前部分用语干形式，分等级的语干用复数依格或具格所用的形式，即双语干用弱语干，三语干用中语干。尾音 न्

总是丢掉： **राजपुत्र**（王子）来自 **राजन्**（§92）； **मन्त्रिपुत्र**（大臣之子）来自 **मन्त्रिन्**（大臣）。

注：代词用§§111，112以下给出的代词语干： **मत्पिता**（我的父亲）； **तत्पुरुष**（他的仆人）。

306. §305的例外： **महत्**（大）作为持业释（Karmadhāraya，§317）或多财释（Bahuvrihi，§320）的前部分变成 **महा**。

307. 连声规则。复合词连声按句内连声（§19以下）规则处理： **राज**（**राजन्**，§305）＋ **इन्द्र** 按§20a变为 **राजेन्द्र**（王中之王）； **स्वामि**（**स्वामिन्**，§305）＋ **अर्थ** 按§21变为 **स्वाम्यर्थ**（主人的东西）； **महा**（§306）＋ **ऋषि** 变为 **महर्षि**（大仙，参§20a）； **वाच्** ＋ **अर्थ** 变为 **वागर्थ**（字与意义，参§18 I，26）； **क्षुध्** ＋ **पिपासा** 按§18 I 变为 **क्षुत्पिपासा**（饥渴）； **मद्** ＋ **मातृ** 按§26变为 **मन्मातृ**（我的母亲）； **प्राच्** ＋ **मुख** 按§18 I，26变为 **प्राङ्मुख**（面向东方）； **मनस्** ＋ **हर** 按§35，4a变为 **मनोहर**（动人的）。例外：

a）尾音 **अ** 在 **ओष्ठ**（唇）前丢掉——**अधरोष्ठ**（下唇）。

b）尾音 **इस्** 和 **उस्** 在清音喉音和唇音前变作 **इष्** 和 **उष्**：**धनुष्पाणि**（手里拿着弓的，§323），来自语干 **धनुस्**。尾音 **अस्** 在这些音前可以不变： **नमस्कार**（致敬）。

c）后部分的初音 **स्** 偶尔按§46变为顶音（参见§301c）： **भूमिष्ठ**（站在大地上），字根 **स्था**（§314b）。

d）后部分的 **न्** 有时由于前部分中有r或s音而顶音化（§45）：**पूर्वाह्ण**（上午，§308），参见§107。

308. 后部分有时转入 **अ**- 变格：**पथ्**（道路）总是变成 **पथ**；在依主释里 **रात्रि**（夜）变成 **रात्र**； **राजन्**（国王）变成 **राज**； **सखि**（朋友）变成 **सख**（在多财释中亦然）；**अहन्**（天）变成 **अह** 或 **अह्न**。

I. 并列复合词(相违释)

309. 各部分(两个或三个)并列并可以用"和"拆开。共有两种。

1. 根据两个还是几个人或事物组合在一起,相违释就是双数或复数。性别按后部分: **हरिहरौ** (诃利和诃罗); **सुतभार्ये** (子与妻); **वागर्थौ** (字和义,§306); **रात्र्यहनी** 双数(夜与昼); **रात्र्यहानि** 复数(夜与昼); **देवमनुष्याः** (神与人); **नराश्वरथदन्तिनः** (人、马、车、象)。

2. 相违释作一个综合的中性单数: **अहन्** (§100)+ **निशा** 阴性—— **अहर्निशम्** (日夜); **शीतोष्णम्** (冷热); **अहिनकुलम्**(蛇与埃及獴); **कन्दमूलफलम्** (葱头、根、果)。

310. 例外:如果两个组合在一起的亲属名词中的前一个是以**ऋ**收尾的名词时,前一个用体格形式. **पितापुत्रौ** (父子)。

311. 像 **मित्रावरुणौ** (蜜特罗和婆楼那)一样的神名的组合是一种古代相违释的残余。

II. 限定复合词(依主释,Tatpuruṣa)

312. 依主释表示后部分所表示,而由前部分更进一步限定的意思。根据后部分是名词或形容词(分词),整个字就是名词或形容词。

1. 由格位限定的复合词(直截依主释)

313. 前部分可表示任何格,最常见的是属格。例如: **ग्रामगत** (到村里去),前部分表示业格; **देवदत्त** (神仙给的),前部分表示具格; **पितृसम** (与父亲相似),前部分表示具格; **कर्णसुख** (听起来舒服),前部分表示为格; **स्वर्गपतित** (从天下掉下来的),前

部分表示从格； प्राणाधिक （比生命更可爱），前部分表示从格： राजपुत्र （王子），前部分表示属格； अश्वकोविद （深通马性），前部分表示属格； संगरान्त（战死），前部分表示依格。

314. 每一个字根都可以作为后部分，有现在分词的意思：वेद-विद्（懂吠陀的）； अश्वमुष्（偷马的）。特殊规则：

a)以短元音收尾的字根后加 त् ： लोककृत्（创世者），字根是 कृ 。

b)以 आ 收尾的字根经常缩短： सर्वज्ञ（知道一切的），字根 ज्ञा ； अभ्याशस्थ （站在附近的），字根 स्था 。

c)以鼻音收尾的字根可把鼻音丢掉：कुलज（生于好家庭的），字根 जन्。

315. 带否定词 अ，अन् 的复合词属于依主释，如 अब्राह्मण （非婆罗门）；अनर्थ（不幸）；अकृत （没有做）。

316. 个别的前部分有变格语尾， मनसिज （生在精神里的＝爱情），参见 § 129。

2. 同位复合词（持业释，karmadhāraya）

317. 前部分像状语、同位语或比较词一样对后部分加以限制。拆开的话，两部分同格。共有四种。

a)形容词和名词： चिरकाल （长时间）； महाराज （大王，§ 306）； सर्वलोक（全世界）。在阴性名词前，同样在多财释（§ 320）中，形容词用阳性语干： वृद्धयोषित्（老妇人）。

前部分也可以是副词； सुपुत्र （好儿子）； कुपुरुष （坏人）；दुष्कृत （做了恶事的）； अतिसुख（很舒服的）。

b)名词和形容词（表示一种比喻）： मेघश्याम（像云彩一

样黑)；**कुसुमसुकुमार**(像花一般柔嫩)。

c)形容词和形容词：**रम्यदारुण**(舒服与可怕)；**पीतरक्त**(黄红色、橙色)。或两个分词：**स्नातानुलिप्त**(先沐浴，后涂油)；**दृष्टनष्ट**(刚刚看到，就消逝了)；**कृताकृत**(做了而未做完＝做了一半的)。

d)名词和名词：**चौरवीरा:**(偷窃的人)；**चूतवृक्ष**(芒果树)；**मेघदूत**(云使)。特别是当要表达一种比拟时：**नेत्रकमल**(眼莲花，意思是：莲花即眼睛)；**कन्यारत्न**(女宝)；**कालहरिण**(时间羚羊)；**नृपशु**(像畜牲一样的人)；**पुरुषसिंह**(像狮子一样的人)；**राजर्षभ**(像公牛一样的国王，即超群出众的国王)。

318. 两部分有时倒置，**दृष्टपूर्व**(以前看到过的)。

319. 有一种依主释叫"双牛释"(Dvigu)，它的前部分是数字。它表示一定数量的事物，用中性单数形式，尾音是ई的阴性很少见：**त्रिरात्र** 中性(三夜，参见§308)；**त्रिलोक** 中性或 **त्रिलोकी** 阴性(三界)。

III. 定语复合词(多财释，Bahuvrihi)

320. 多财释是当作形容词使用的复合词，后部分是名词。性别决定于所修饰的事物。前部分是：

a)形容词，分词或数词：**बहुव्रीहि**(有很多大米的)；**दीर्घबाहु**(长胳臂的)；**जातश्रम**(疲倦的)；**प्रसन्नमुख**(喜笑颜开的)；**गतायुस्**(生命已消失了的，死的)；**कृतकार्य**(达到目的的)；**चतुर्भुज**(有四只胳臂的)。

b)名词：**मौनव्रत**(发誓不说话的)；**प्रजाकाम**(希望得到后代的＝想要孩子的)；**त्यक्तुकाम**(想离开的)，不定式 **त्यक्तुम्**，§282；**तपोधन**(以苦行为财宝的)；**गगणगति**(路在空中的＝在空中走路的)；**कमलनेत्र**(长着像莲花一样的眼睛的)。后部分

可以是名词化的形容词：चिन्तापर （沉思的）。

c)不变词：अनन्त（无穷无尽的）；विफल （没有结果的）；सुमनस् （精神舒畅的）；दुर्मनस् （发愁的）；सपक्ष （长着翅膀的）；सहपुत्र （带着儿子的）。

注：依主释和多财释的区别可从下面的例子中看出：विष्णुरूप 作为依主释是中性，意思是毗湿奴的样子，作为多财释，是形容词，描述一个样子像毗湿奴的人。प्राप्तकाल 作为依主释意为"时刻到了，正是时候"；作为多财释，意为"一个时候到了的，按时"。

321. 多财释的后部分丢掉原有的性别。尾音是 आ 的阴性词，如果修饰阳性或中性名词，则把 ā 缩短：अल्पविद्य （很少智慧的），后部分原字为 विद्या 阴性；सभार्य（带了妻子的），后部分原字为 भार्या；अप्रज （没有孩子的），后部分原字为 प्रजा。

注：以 अ 收尾的多财释大多用 आ 构成它们的阴性：अप्रजा （没有孩子的）。较少用 ई ，尤其当后部分表示身体某部分的时候：अधोमुखी （低头向下看的）；अनवद्याङ्गी （有着无可挑剔的体态的）。

322. 有时候整个复合词后面加क：निरर्थक （无用的），后部分是 अर्थ；साग्निक（由火神陪伴的）。特别当后部分是以ई ऊ或 ऋ 收尾的名词时，बहुभर्तृक （有许多丈夫的），后部分是 भर्तृ。

323. 意思是"手"的名词，位于后部分：दण्डपाणि （手里有一根棍子的）。其他表示身体某部分的词也是这样：अश्रुकण्ठ （嗓子里有眼泪的）。

324. 同其他形容词一样，多财释亦可：

a)变为名词：षट्पद （六足者＝蜜蜂）。

b)变为副词（§ 61）：मुक्तकण्ठ （放开喉咙的），副词 मुक्तकण्ठम् （扯开嗓子地），副词 स्मितपूर्वम् （笑着）。

Ⅳ. 副词复合词(Avyayībhāva)

325. Avyayībhāva 是副词复合词，它的前部分是一个不变词，最后部分是用中性单数业格语尾的名词：अनुक्षणम् (每时每刻)；प्रत्यहम् (天天，§ 308)；यथाकामम् (愿意怎样就怎样)；यावज्जीवम् (一生一世)；सत्वरम् (赶紧)，后部分त्वरा (赶紧)。

练习例句

326. 有关 § 62, 63。在所有句子中要补上助动词 अस् ("是"，§ 153)。它和为格联用表示：招致、用作。各格的其他用法见 § 60。

यथा वृक्षस्तथा फलम् yathā vṛkṣas tathā phalam ॥ १ ॥ मूले हते हतं सर्वम् mūlo hato[1] hataṃ sarvam ॥ २ ॥ हतं सैन्यमनायकम् hataṃ sainyam anāyakam ॥ ३ ॥ यत्र धर्मस्तत्र जयः yatra dharmas tatra jayaḥ ॥ ४ ॥ लोभः पापस्य कारणम् lobhaḥ pāpasya kāraṇam ॥ ५ ॥ दाराः सुताश्च सुलभा धनमेकं दुर्लभं लोके dārāḥ sutāś ca sulabhā[2] dhanam ekaṃ durlabhaṃ loko ॥ ६ ॥ अर्धं भार्या मनुष्यस्य ardhaṃ bhāryā manuṣyasya ॥ ७ ॥ सुखस्यान्तं सदा दुःखं दुःखस्यान्तं सदा सुखम् sukhasyāntaṃ[3] sadā duḥkhaṃ duḥkhasyāntaṃ[3] sadā sukham ॥ ८ ॥ अनन्तं शास्त्रं बहुलाश्च विद्याः स्वल्पश्च कालः anantaṃ śāstraṃ bahulāś ca vidyāḥ svalpaś ca kālaḥ ॥ ९ ॥ सर्वेषु पेयेषु जलं प्रधानम् sarveṣu peyeṣu jalaṃ pradhānam ॥ १० ॥ संतोष एव पुरुषस्य परं निधानम् saṃtoṣa[4] eva puruṣasya paraṃ nidhānam ॥ ११ ॥ अश्वः कृशो ऽपि शोभायै पुष्टो ऽपि न पुनः खरः aśvaḥ kṛśo[5] 'pi śobhāyai puṣṭo 'pi na punaḥ kharaḥ ॥ १२ ॥ न लोभादधिको दोषो न दानादधिको गुणः na lobhād adhiko doṣo na dānād adhiko guṇaḥ ॥ १३ ॥ वरमद्य कपोतः श्वो मयूरात् varam adya kapotaḥ śvo mayūrāt ॥ १४ ॥ प्रायो ऽशुभस्य कार्यस्य कालहारः प्रतिक्रिया prāyo 'śubhasya kāryasya kālahāraḥ pratikriyā ॥ १५ ॥

1) 独立依格，§ 60.　2) § 35, 1c　3) § 19　4) § 35,

1b　　5) § 35.1a

327. 有关 § 62、63 和 139、142、299。第三人称单用"人"来翻译。

जरा रूपं हरति ॥ १ ॥ वृत्तेन भवत्यार्यो[1] न धनेन न विद्यया ॥ २ ॥ कालः पचति भूतानि कालः संहरते[2] प्रजाः ॥ ३ ॥ न गर्दभो गायति शिक्षितोऽपि ॥ ४ ॥ त्यज हिंसां भज धर्मम् ॥ ५ ॥

नाभिनन्देत[3] मरणं नाभिनन्देत जीवितम् ।
कालमेव प्रतीक्षेत[4] निर्देशं भृतको यथा ॥ ६ ॥

1) § 21. 35.1a。　2)字根 हृ + सम् 。　3)字根 नन्द् + अभि　4)字根 ईक्ष् + प्रति。

328. 有关 § 65—74.

धर्मस्य त्वरिता गतिः ॥ १ ॥ उपदेशो मूर्खाणां प्रकोपाय न शान्तये ॥ २ ॥ शत्रौ सान्त्वं प्रतीकारः ॥ ३ ॥ वृथा वृष्टिः समुद्रस्य तृप्तस्य भोजनं वृथा ॥ ४ ॥ संपत्तेश्च विपत्तेश्च दैवमेव कारणम् ॥ ५ ॥ वह्निरेव वह्नेर्भेषजम् ॥ ६ ॥ शत्रोरपि गुणा ग्राह्या दोषा वाच्या गुरोरपि ॥ ७ ॥ धर्मेण हीनाः पशुभिः समानाः ॥ ८ ॥ वृद्धस्य तरुणी विषम् ॥ ९ ॥ न नार्यो विनेष्यथा[1] ॥ १० ॥ असंतोषः श्रियो मूलम् ॥ ११ ॥ स्त्रियो निसर्गादेव पण्डिताः ॥ १२ ॥ चला लक्ष्मीश्चलाः प्राणाः ॥ १३ ॥ नार्यः पिशाचिका इव हरन्ति हृदयानि मुग्धानाम् ॥ १४ ॥ गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति ॥ १५ ॥

1) § 20a

329. 有关 § 75—78

अप्रियस्य पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः ॥ १ ॥ भर्ता नाम परं नार्या भूषणम् ॥ २ ॥ दुहिता कृपणं परम् ॥ ३ ॥ दर्दुरा यत्र वक्तारस्तत्र मौनं श्रोभनम् ॥ ४ ॥ वृथा वक्तुः श्रमः सर्वो निर्विचारे नरेश्वरे[1] ॥ ५ ॥

अमृतं दुर्लभं नृणां देवानामुदकं तथा ।
पितृणां दुर्लभः पुत्रस्तक्रं शक्रस्य दुर्लभम् ॥ ६ ॥

1)独立依格

330. 有关§80—85。介词常放在后面。

योषिद्वैरस्य कारणम् ॥ १ ॥ क्लेशे शरणं भिषक् ॥ २ ॥ यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रियाः ॥ ३ ॥ तृणं ब्रह्मविदः स्वर्गस्तृणं शूरस्य जीवितम् ॥ ४ ॥ बाह्मभिः क्षत्रियाः शूरा वाग्भिः शूरा द्विजातयः ॥ ५ ॥ सर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम् ॥ ६ ॥ न वैद्यः प्रभुरायुषः ॥ ७ ॥ सर्वः पदस्थस्य सुहृद्बन्धुरापदि दुर्लभः ॥ ८ ॥ औषधं न गतायुषाम् ॥ ९ ॥ वृत्तं प्रति विद्योतते[1] विद्युत् ॥ १० ॥ न जलौकसामङ्गे जलौका[2] लगति ॥ ११ ॥ तपत्यादित्यवच्चूपश्चूंषि च मनांसि च[3] ॥ १२ ॥

1)字根 द्युत् + वि 2)§35.1c.84. 3)通过他的目光。参见§21.26.33b。

331. 有关§87—98。

धनवान्बलवाँल्लोके[1] ॥ १ ॥ त्यागो गुणो वित्तवतां वित्तं त्यागवतां गुणः ॥ २ ॥ यथा राजा तथा प्रजाः ॥ ३ ॥ जातस्य ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च ॥ ४ ॥ दुर्ग्राह्यः पाणिना वायुर्दुःस्पर्शः पाणिना शिखी ॥ ५ ॥ क्षमा रूपं तपस्विनः ॥ ६ ॥ सर्वमुत्पादि भङ्गुरम् ॥ ७ ॥ आत्मैवात्मनो[2] बन्धुरात्मैव[3] रिपुरात्मनः ॥ ८ ॥ रोगी देवताभक्तो वृद्धा च वेश्या तपस्विनी ॥ ९ ॥ न राजानं विना राज्यं बलवत्स्वपि[4] मन्त्रिषु ॥ १० ॥ प्रायेण ज्येष्ठाः पितृषु वल्लभा मातृणां च कनीयांसः ॥ ११ ॥ आकिंचन्यं धनं विदुषाम् ॥ १२ ॥ महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः ॥ १३ ॥ मतिर्बलाद्गरीयसी ॥ १४ ॥ अविद्वांश्चैव[5] विद्वांश्च ब्राह्मणो दैवतं महत् ॥ १५ ॥ बलीयः सर्वतो[6] दिष्टं पुरुषस्य विशेषतः ॥ १६ ॥ अर्थिनो राजानो हिरण्येन भवन्ति ॥ १७ ॥

भार्यायाः सुन्दरः स्निग्धो वेश्यायाः सुन्दरो धनी ।
श्रीदेव्याः सुन्दरः शूरो भारत्याः सुन्दरः सुधीः ॥ १८ ॥

1) § 31b　2) § 20b. 19　3) § 34a　4) § 21。独立依格。　5) § 32　6)从格(§ 59)用于比较级(§ 60)。

332. 关于 § 111－121

यज्ञावि तज्ञवतु ॥ १ ॥ यस्यार्थास्तस्य मित्राणि ॥ २ ॥ मनसि परितुष्टे[1] को ऽर्थतान्को दरिद्रः ॥ ३ ॥ किमभ्यासेन दुष्करम् ॥ ४ ॥ अर्थस्य पुरुषो दासो दासस्त्वर्थो न कस्यचित् ॥ ५ ॥ आपत्सु किं विषादेन संपत्तौ विस्मयेन किम् ॥ ६ ॥ सर्वे मनुष्या अल्पेन यत्नेन महतो ऽर्थानाकाङ्क्षन्ति[2] ॥ ७ ॥ यो यद्वपति बीजं लभते सो ऽपि तत्फलम् ॥ ८ ॥ यदेव रोचते यस्मै भवेत्तत्तस्य सुन्दरम् ॥ ९ ॥ तदभाग्यं धनस्येव यन्नाश्रयति[3] सज्जनम् ॥ १० ॥ परार्थं यो ऽवटं कर्ता तस्मिन्स पतति ध्रुवम् ॥ ११ ॥

1)独立依格　2)字根 काङ्क्ष् + आ.　3)字根 श्रि + आ以及 § 26. 19。

333. 关于 § 140－143

नदी कूलानि रुजति ॥ १ ॥ रजः किरति मारुतः ॥ २ ॥ आत्मानं पश्य को ऽहम् ॥ ३ ॥ सर्वो मन्यते लोक आत्मानं बुद्धिमत्तरम् ॥ ४ ॥ दिवा पश्यति नोलूकः काको नक्तं न पश्यति ॥ ५ ॥ अन्तकाले भूतानि मुह्यन्तीति पुराश्रुतिः ॥ ६ ॥ दैवमेव परं मन्ये पौरुषं तु निरर्थकम् ॥ ७ ॥ एको न गच्छेदध्वानम् ॥ ८ ॥ नीचाः कलहमिच्छन्ति ॥ ९ ॥ निर्दोषो नैव जायते ॥ १० ॥ नीचैर्गच्छत्युपरि च दशा ॥ ११ ॥ विद्यया सार्धं म्रियेत न विद्यामूषरे वपेत् ॥ १२ ॥ नैष स्थाणोरपराधो यदेनमन्धो न पश्यति ॥ १३ ॥ यावन्न विन्दते जायां तावद्धों भवेत्पुमान् ॥ १४ ॥ चलत्येकेन पादेन तिष्ठत्येकेन बुद्धिमान् ॥ १५ ॥ चिरकालं पोषितो ऽपि दशत्येव भुजंगमः ॥ १६ ॥

अनारतं प्रतिदेशं प्रतिदिशं जले स्थले ।
जायन्ते च म्रियन्ते च बुबुदा इव वारिणि ॥ १७ ॥

334. 有关§147—158。

श्येनः कपोतानत्तीति स्थितिरेषा सनातनी ॥ १ ॥ गच्छ गच्छसि चेत्कान्त पन्थानः सन्तु ते शिवाः[1] ॥ २ ॥ त्यजत मानमलं बत विग्रहैर्न पुनरेति गतं चतुरं वयः[2] ॥ ३ ॥ नासौ धर्मो यत्र नो सत्यमस्ति ॥ ४ ॥ सद्भिरेव सहासीत ॥ ५ ॥ धन्यास्ते पृथिवीपालाः सुखं ये निशि शेरते ॥ ६ ॥ गुणी गुणं वेत्ति न वेत्ति निर्गुणः ॥ ७ ॥ अरक्षितारं राजानं घ्नन्ति दोषाः ॥ ८ ॥ कूपस्तृषां हन्ति सततं न तु वारिधिः ॥ ९ ॥ देशमाख्याति[3] भाषणम् ॥ १० ॥ खण्डितः पण्डितः स्यात् ॥ ११ ॥ गतोऽस्तमर्को भातीन्दुर्यान्ति वासाय पक्षिणः[4] ॥ १२ ॥

कमले कमला शेते हरः शेते हिमालये ।
क्षीराब्धौ च हरिः शेते मन्ये मत्कृणशङ्कया[5] ॥ १३ ॥
उद्यन्तु[6] शतमादित्या उद्यन्तु शतमिन्दवः ।
न विना विदुषां वाक्यैर्नश्यत्याभ्यन्तरं तमः ॥ १४ ॥

1)和恋人分离。 2)提醒年轻妇女。 3) ख्या + आ 。 4)晚间。 5)按§313依主释。 6) इ + उद् 命令式，用"愿……"来翻译。

335. 有关§165—186。

राज्ञो बिभ्यति लोका राजानः पुनर्वैरिभ्यः ॥ १ ॥ शतं दद्यान्न विवदेत्[1] ॥ २ ॥ न तत्परस्य संदध्यात्प्रतिकूलं[2] यदात्मनः ॥ ३ ॥ अण्डानि बिभ्रति स्वानि न भिन्दन्ति पिपीलिकाः ॥ ४ ॥ यत्स्वाधीनं यदपि सुलभं तेन तुष्टिं विधेहि[3] ॥ ५ ॥ नीचो वदति न कुरुते न वदति सुजनः करोत्येव ॥ ६ ॥ श्वः कार्यमद्य कुर्वीत ॥ ७ ॥ पूर्वे वयसि तत्कुर्याद्येन वृद्धः सुखं वसेत् ॥ ८ ॥ न हिंस्यात्सर्वभूतानि ॥ ९ ॥ यदोजसा न लभते क्षत्रियो न तद्भुते ॥ १० ॥ बलिनो बलिनः क्लिश्यन्त्यबलं तु निगृह्णते[4] ॥ ११ ॥ ते धन्या ये न

शृण्वन्ति दीनाः प्रणयिनां गिरः ॥ १२ ॥ स्वकीयान्भुञ्जते मत्स्याः स्वापत्यानि फणाधराः ॥ १३ ॥

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते[5] ॥ १४ ॥
अतिथिर्बालकश्चैव स्त्रीजनो नृपतिस्तथा ।
एते वित्तं न जानन्ति जामाता चैव पञ्चमः ॥ १५ ॥
जानाते यन्न चन्द्रार्कौ जानते यन्न योगिनः ।
जानीते यन्न भर्गोऽपि तज्जानाति कविः स्वयम् ॥ १६ ॥

1) वद् + वि. 2) धा + सम. 3) धा + वि (§ 170) 4) ग्रह + नि. 5) वृत् + अनु.

336. 有关 § 233—238

को जानीते कदा कस्य मृत्युकालो भविष्यति ॥ १ ॥ सेनापतौ यशो गतं न तु योधान्कथंचन ॥ २ ॥

यावत्स्थास्यन्ति गिरयः सरितश्च महीतले ।
तावद्रामायणकथा लोकेषु प्रचरिष्यति[1] ॥ ३ ॥
यदि न प्रणयेद्राजा[2] दण्डं दण्ड्येष्वतन्द्रितः ।
शूले मत्स्यानिवापक्ष्यन्दुर्बलान्बलवत्तराः ॥ ४ ॥

1) चर् + प्र. 2) नी + प्र (§ 301a)

337. 有关 § 239—256

तृणैर्विधीयते[1] रज्जुर्यया नागोऽपि बध्यते ॥ १ ॥ स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान्सर्वत्र पूज्यते ॥ २ ॥ यो यद्वस्तु विजानाति[2] तं तत्र विनियोजयेत्[3] ॥ ३ ॥ भैषज्यमेतद्दुःखस्य यदेतन्नानुचिन्तयेत्[4] ॥ ४ ॥

लालयेत्पञ्च वर्षाणि दश वर्षाणि ताडयेत् ।
प्राप्ते तु षोडशे वर्षे पुत्रं मित्रवदाचरेत्[5] ॥ ५ ॥

1) धा + वि. 2) ज्ञा + वि. 3) युज् + विनि. 4) चिन्त् + अनु. 5)父亲。 चर् + आ.

338. 有关 § 267—277

कील आहन्यमानः प्रतिकीलं निर्हन्ति ॥ १ ॥ सन्ति पुत्राः सुबहवो दरिद्राणामनिच्छताम् नास्ति पुत्रः समृद्धानाम् ॥ २ ॥ वार्यमाणस्य वाञ्छा विषयेष्वभिवर्धते ॥ ३ ॥ लोके को ऽप्युत्थितः पतति को ऽपि पतितो ऽप्युत्तिष्ठते ॥ ४ ॥ मनसा चिन्तितं कार्यं वचसा न प्रकाशयेत् ॥ ५ ॥ न सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥ ६ ॥ यत्र बालैः परिवृतं श्मशानमिव तद्गृहम् ॥ ७ ॥ अप्रतिषिद्धमनुमतम् ॥ ८ ॥ काकाः किमपराध्यन्ति[1] हंसैर्जग्धेषु शालिषु[2] ॥ ९ ॥ धर्मो हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १० ॥ जानन्नपि यः पापं न नियच्छतीशः सन्स तेनैव कर्मणा संप्रयुज्यते[3] ॥ ११ ॥ नष्टं समुद्रे पतितं नष्टं वाक्यमशृण्वति ॥ १२ ॥

1) राध् + अप. 2)独立依格。 3) युज् + संप्र.

339. 有关 § 281—287

गते शोको न कर्तव्यः ॥ १ ॥ न हन्तव्यो ब्राह्मणः ॥ २ ॥ यं देवा हिंसितुमिच्छन्ति बुद्ध्या विशेषयन्ति तम् ॥ ३ ॥ बालः पायसदग्धो[1] दध्यपि फूत्कृत्य भक्षयति ॥ ४ ॥

न भेतव्यं न बोद्धव्यं न श्राव्यं वादिनो वचः ।
झटिति प्रतिवक्तव्यं सभासु विजिगीषुभिः ॥ ५ ॥
गुरोर्यत्र परीवादो निन्दा वापि प्रवर्तते ।
कर्णौ तत्र पिधातव्यौ[2] गन्तव्यं वा ततो ऽन्यतः ॥ ६ ॥
श्रुत्वा स्पृष्ट्वा च दृष्ट्वा च भुक्त्वा घ्रात्वा च यो नरः ।
न हृष्यति ग्लायति वा स विज्ञेयो जितेन्द्रियः ॥ ७ ॥
मन्यते पापकं कृत्वा न कश्चिद्वेत्ति मामिति ।
विदन्ति चैनं देवाश्च यश्चैवान्तरपूरुषः ॥ ८ ॥

1)依主释(§ 313) 2) धा + पि = अपि.

340. 有关§304—324。

सुखदुःखे मनुष्याणां चक्रवत्परिवर्तते ॥ १ ॥ जन्ममृत्यू यात्येको भुनक्त्येकः शुभाशुभम् ॥ २ ॥ अत्वरा सर्वकार्येषु ॥ ३ ॥ दूरस्थो ऽपि समीपस्थो यो वै मनसि वर्तते ॥ ४ ॥ जीविताशा दुस्त्यजा ॥ ५ ॥ आपदर्थं धनं रक्षेत् ॥ ६ ॥ शस्त्रप्रहारा एव वीराणां भूषणम् ॥ ७ ॥ कातरा दीर्घरोगाश्च भिषजां भाग्यहेतवः ॥ ८ ॥ शठ्यैव प्रकाशन्ते प्रच्छन्नपातकाः ॥ ९ ॥ जयेदात्मानमेवादौ विजयायान्यविद्विषाम् ॥ १० ॥ विद्वानेव विजानाति विद्वज्जनपरिश्रमम् ॥ ११ ॥ कोशपूर्वाः सर्वारम्भाः ॥ १२ ॥ कुस्त्री प्रफुल्लकमला गूढनक्रेव पद्मिनी ॥ १३ ॥ हृतनयनो विषादी न विषादी भवति जात्यन्धः ॥ १४ ॥ असारः संसारो ऽयं गिरिनदीवेगोपमं यौवनं तृणाग्निसमं जीवितं शरद्भ्रच्छायासदृशा भोगाः स्वप्नसदृशो मित्रपुत्रकलत्रसंयोगः ॥ १५ ॥

जरामृत्यू हि भूतानां खादितारौ वृकाविव ।
बलिनां दुर्बलानां च ह्रस्वानां महतामपि ॥ १६ ॥
भार्ये द्वे बहवः पुत्रा दारिद्र्यं रोगसंभवः ।
जीर्णा च मातापितरावेकैकं नरकाधिकम् ॥ १७ ॥
जगद्योनिरयोनिस्त्वं जगदन्तो निरन्तकः ।
जगदादिरनादिस्त्वं जगदीशो निरीश्वरः[1] ॥ १८ ॥

1)指最尊崇的神梵天。

阅读文选

1.《那罗传》(Nala)1—5,《摩诃婆罗多》(Mahābhārata)3,53,1以下。此故事由巨马(Bṛhadaśva)向坚战(Yudhiṣṭhira)叙述:

॥ बृहदश्व उवाच ॥

आसीद्राजा नलो नाम वीरसेनसुतो बली ।
उपपन्नो गुणैरिष्टै[1] रूपवानश्वकोविदः ॥ १ ॥
अतिष्ठन्मनुजेन्द्राणां मूर्ध्नि देवपतिर्यथा ।
उपर्युपरि सर्वेषामादित्य इव तेजसा ॥ २ ॥
ब्रह्मण्यो वेदविच्छूरो[2] निषधेषु महीपतिः ।
अक्षप्रियः सत्यवादी महानक्षौहिणीपतिः ॥ ३ ॥
ईप्सितो नरनारीणामुदारः संयतेन्द्रियः ।
रक्षिता धन्विनां श्रेष्ठः साक्षादिव मनुः स्वयम् ॥ ४ ॥
तस्यैवासीद्विदर्भेषु भीमो भीमपराक्रमः ।
शूरः सर्वगुणैर्युक्तः प्रजाकामः स चाप्रजः ॥ ५ ॥
स प्रजार्थे परं यत्नमकरोत्सुसमाहितः ।
तमभ्यगच्छद्ब्रह्मर्षिर्दमनो नाम भारत ॥ ६ ॥
तं स भीमः प्रजाकामस्तोषयामास धर्मवित् ।
महिष्या सह राजेन्द्र सत्कारेण सुवर्चसम् ॥ ७ ॥
तस्मै प्रसन्नो दमनः सभार्याय वरं ददौ ।
कन्यारत्नं कुमारांश्च त्रीनुदारान्महायशाः ॥ ८ ॥
दमयन्तीं दमं दान्तं दमनं च सुवर्चसम् ।
उपपन्नान्गुणैः सर्वैर्भीमान्भीमपराक्रमान् ॥ ९ ॥
दमयन्ती तु रूपेण तेजसा वपुषा श्रिया ।
सौभाग्येन च लोकेषु यशः प्राप सुमध्यमा ॥ १० ॥
अथ तां वयसि प्राप्ते दासीनां समलंकृतम् ।
शतं शतं सखीनां च पर्युपासच्छचीमिव ॥ ११ ॥
तत्र स्म राजते भैमी सर्वाभरणभूषिता ।

1) § 34 b. 2) § 28.

सखीमध्ये ऽनवद्याङ्गी विद्युत्सौदामनी यथा ॥ १२ ॥
न देवेषु न यक्षेषु तादृग्रूपवती क्वचित् ।
मानुषेष्वपि चान्येषु दृष्टपूर्वाथवा श्रुता ॥ १३ ॥
नलश्च नरशार्दूलो लोकेष्वप्रतिमो भुवि ।
कन्दर्प इव रूपेण मूर्तिमानभवत्स्वयम् ॥ १४ ॥
तस्याः समीपे तु नलं प्रशशंसुः कुतूहलात् ।
नैषधस्य समीपे तु दमयन्तीं पुनः पुनः ॥ १५ ॥
तयोरदृष्टकामो ऽभूच्छृण्वतोः सततं गुणान् ।
अन्योन्यं प्रति कौन्तेय स व्यवर्धत हृच्छयः ॥ १६ ॥
अशक्नुवन्नलः कामं तदा धारयितुं हृदा ।
अन्तःपुरसमीपस्थे वन आस्ते रहो गतः ॥ १७ ॥
स ददर्श ततो हंसाञ्जातरूपपरिष्कृतान् ।
वने विचरतां तेषामेकं जग्राह पक्षिणम् ॥ १८ ॥
ततो ऽन्तरिक्षगो वाचं व्याजहार नलं तदा ।
हन्तव्यो ऽस्मि न ते राजन्करिष्यामि तव प्रियम् ॥ १९ ॥
दमयन्तीसकाशे त्वां कथयिष्यामि नैषध ।
यथा त्वदन्यं पुरुषं न सा मंस्यति कर्हिचित् ॥ २० ॥
एवमुक्तस्ततो हंसमुत्ससर्ज महीपतिः ।
ते तु हंसाः समुत्पत्य विदर्भानगमंस्ततः ॥ २१ ॥
विदर्भनगरीं गत्वा दमयन्त्यास्तदान्तिके ।
निपेतुस्ते गरुत्मन्तः सा ददर्श च तान्खगान् ॥ २२ ॥
सा तानद्भुतरूपान्वै दृष्ट्वा सखीगणावृता ।
हृष्टा ग्रहीतुं खगमास्त्वरमाणोपचक्रमे ॥ २३ ॥
अथ हंसा विसस्रुपुः सर्वतः प्रमदावने ।
एकैकशस्तदा कन्यास्तान्हंसान्समुपाद्रवन् ॥ २४ ॥
दमयन्ती तु यं हंसं समुपाधावदन्तिके ।
स मानुषीं गिरं कृत्वा दमयन्तीमथाब्रवीत् ॥ २५ ॥
दमयन्ति नलो नाम निषधेषु महीपतिः ।

अश्विनोः सदृशो रूपे न समास्तस्य मानुषाः ॥ २६ ॥
तस्य वै यदि भार्या त्वं भवेथा वरवर्णिनि ।
सफलं ते भवेज्जन्म रूपं चेदं सुमध्यमे ॥ २७ ॥
वयं हि देवगन्धर्वमनुष्योरगराक्षसान् ।
दृष्टवन्तो न चास्माभिर्दृष्टपूर्वस्तथाविधः ॥ २८ ॥
त्वं चापि रत्नं नारीणां नरेषु च नलो वरः ।
विशिष्टाया विशिष्टेन संगमो गुणवान्भवेत् ॥ २९ ॥
एवमुक्ता तु हंसेन दमयन्ती विशां पते ।
अब्रवीत्तत्र तं हंसं त्वमप्येवं नले वद ॥ 30 ॥
तथेत्युक्त्वाण्डजः कन्यां विदर्भस्य विशां पते ।
पुनरागम्य निषधान्नले सर्वं न्यवेदयत् ॥ ३१ ॥

॥ इति नलोपाख्याने प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥

दमयन्ती तु तच्छ्रुत्वा वचो हंसस्य भारत ।
ततः प्रभृति न स्वस्था नलं प्रति बभूव सा ॥ १ ॥
ततश्चिन्तापरा दीना विवर्णवदना कृशा ।
बभूव दमयन्ती तु निःश्वासपरमा तदा ॥ २ ॥
ऊर्ध्वदृष्टिर्ध्यानपरा बभूवोन्मत्तदर्शना ।
पाण्डुवर्णा क्षणेनाथ हृच्छयाविष्टचेतना ॥ ३ ॥
न शय्यासनभोगेषु रतिं विन्दति कर्हिचित् ।
न नक्तं न दिवा शेते हाहेति रुदती मुहुः ॥ ४ ॥
ततो विदर्भपतये दमयन्त्याः सखीजनः ।
न्यवेदयत्तामस्वस्थां दमयन्तीं नरेश्वर ॥ ५ ॥
तच्छ्रुत्वा नृपतिर्भीमो दमयन्तीसखीगणात् ।
चिन्तयामास तत्कार्यं सुमहत्स्वां सुतां प्रति ॥ ६ ॥
स समीक्ष्य महीपालः स्वां सुतां प्राप्तयौवनाम् ।
अपश्यदात्मना कार्यं दमयन्त्याः स्वयंवरम् ॥ ७ ॥
स संनिमन्त्रयामास महीपालान्विशां पते ।
अनुभूयतामयं वीराः स्वयंवर इति प्रभो ॥ ८ ॥

श्रुत्वा तु पार्थिवाः सर्वे दमयन्त्याः स्वयंवरम् ।
अभिजग्मुस्ततो भीमं राजानो भीमशासनात् ॥ ९ ॥
हस्त्यश्वरथघोषेण नादयन्तो वसुंधराम् ।
विचित्रमाल्याभरणैर्वलैर्दृप्तैः स्वलंकृतैः ॥ १० ॥
तेषां भीमो महाबाहुः पार्थिवानां महात्मनाम् ।
यथार्हमकरोत्पूजां ते ऽवसंस्तत्र पूजिताः ॥ ११ ॥
एतस्मिन्नेव काले तु सुराणामृषिसत्तमौ ।
अटमानौ महात्मानाविन्द्रलोकमितौ गतौ ॥ १२ ॥
नारदः पर्वतश्चैव महाप्राज्ञौ महाव्रतौ ।
देवराजस्य भवनं विविशाते सुपूजितौ ॥ १३ ॥
तावर्चयित्वा मघवा ततः कुशलमव्ययम् ।
पप्रच्छानामयं चापि तयोः सर्वगतं विभुः ॥ १४ ॥

॥ नारद उवाच ॥

आवयोः कुशलं देव सर्वत्रगतमीश्वर ।
लोके च मघवन्कृत्स्ने नृपाः कुशलिनो विभो ॥ १५ ॥

॥ बृहदश्व उवाच ॥

नारदस्य वचः श्रुत्वा पप्रच्छ वलवृत्रहा ।
धर्मज्ञाः पृथिवीपालास्त्यक्तजीवितयोधिनः ॥ १६ ॥
शस्त्रेण निधनं काले ये गच्छन्त्यपराङ्मुखाः ।
अयं लोको ऽक्षयस्तेषां यथैव मम कामधुक् ॥ १७ ॥
क्व नु ते क्षत्रियाः शूरा न हि पश्यामि तानहम् ।
आगच्छतो महीपालान्दयितानतिथीन्मम ॥ १८ ॥
एवमुक्तस्तु शक्रेण नारदः प्रत्यभाषत ।
शृणु मे मघवन्येन न दृश्यन्ते महीक्षितः ॥ १९ ॥
विदर्भराज्ञो दुहिता दमयन्तीति विश्रुता ।
रूपेण समतिक्रान्ता पृथिव्यां सर्वयोषितः ॥ २० ॥
तस्याः स्वयंवरः शक्र भविता नचिरादिव ।
तत्र गच्छन्ति राजानो राजपुत्राश्च सर्वशः ॥ २१ ॥
एतस्मिन्कथ्यमाने तु लोकपालाश्च साग्निकाः ।

आजग्मुर्देवराजस्य समीपममरोत्तमाः ॥ २२ ॥
ततस्ते शुश्रुवुः सर्वे नारदस्य वचो महत् ।
श्रुत्वैव चाब्रुवन्हृष्टा गच्छामो वयमप्युत ॥ २३ ॥
ततः सर्वे महाराज सगणाः सहवाहनाः ।
विदर्भानभिजग्मुस्ते यतः सर्वे महीक्षितः ॥ २४ ॥
नलो ऽपि राजा कौन्तेय श्रुत्वा राज्ञां समागमम् ।
अभ्यगच्छद्दीनात्मा दमयन्तीमनुव्रतः ॥ २५ ॥
अथ देवाः पथि नलं ददृशुर्भूतले स्थितम् ।
साक्षादिव स्थितं मूर्त्या मन्मथं रूपसंपदा ॥ २६ ॥
तं दृष्ट्वा लोकपालास्ते भ्राजमानं यथा रविम् ।
तस्थुर्विगतसंकल्पा विस्मिता रूपसंपदा ॥ २७ ॥
ततो ऽन्तरिक्षे विष्टभ्य विमानानि दिवौकसः ।
अब्रुवन्नैषधं राजन्नवतीर्य नभस्तलात् ॥ २८ ॥
भो भो नैषध राजेन्द्र नल सत्यव्रतो भवान् ।
अस्माकं कुरु साहाय्यं दूतो भव नरोत्तम ॥ २९ ॥

॥ इति नलोपाख्याने द्वितीयो ऽध्यायः ॥ २ ॥

तेभ्यः प्रतिश्रुत्य नलः करिष्य इति भारत ।
अथैतान्परिपप्रच्छ कृताञ्जलिरुपस्थितः ॥ १ ॥
के वै भवन्तः कश्चासौ यस्याहं दूत ईप्सितः ।
किं च तद्वो मया कार्यं कथयध्वं यथातथम् ॥ २ ॥
एवमुक्ते नैषधेन मघवानभ्यभाषत ।
अमरान्वै निबोधास्मान्दमयन्त्यर्थमागतान् ॥ 3 ॥
अहमिन्द्रो ऽयमग्निश्च तथैवायमपां पतिः[1] ।
शरीरान्तकरो नृणां यमो ऽयमपि पार्थिव ॥ ४ ॥
त्वं वै समागतानस्मान्दमयन्त्यै निवेदय ।
लोकपाला महेन्द्राद्याः समायान्ति दिदृक्षवः ॥ ५ ॥
प्राप्तुमिच्छन्ति देवास्त्वां शक्रो ऽग्निर्वरुणो यमः ।
तेषामन्यतमं देवं पतित्वे वरयस्व ह ॥ ६ ॥
एवमुक्तः स शक्रेण नलः प्राञ्जलिरब्रवीत् ।

1) =伐鲁那。

एकार्थसमुपेतं मां न प्रेषयितुमर्हथ ॥ ७ ॥
कथं नु जातसंकल्पः स्त्रियमुत्सहते पुमान् ।
परार्थमीदृशं वक्तुं तत्त्वमन्तु ममेश्वराः ॥ ८ ॥

॥ देवा ऊचुः ॥

करिष्य इति संश्रुत्य पूर्वमस्मासु नैषध ।
न करिष्यसि कस्मात्त्वं व्रज नैषध माचिरम् ॥ ९ ॥

॥ बृहदश्व उवाच ॥

एवमुक्तः स देवैस्तैर्नैषधः पुनरब्रवीत् ।
सुरक्षितानि वेश्मानि प्रवेष्टुं कथमुत्सहे ॥ १० ॥
प्रवेक्ष्यसीति तं शक्रः पुनरेवाभ्यभाषत ।
जगाम स तथेत्युक्त्वा दमयन्त्या निवेशनम् ॥ ११ ॥
ददर्श तत्र वैदर्भीं सखीगणसमावृताम् ।
देदीप्यमानां वपुषा श्रिया च वरवर्णिनीम् ॥ १२ ॥
अतीव सुकुमाराङ्गीं तनुमध्यां सुलोचनाम् ।
आक्षिपन्तीमिव प्रभां शशिनः स्वेन तेजसा ॥ १३ ॥
तस्य दृष्ट्वैव ववृधे कामस्तां चारुहासिनीम् ।
सत्यं चिकीर्षमाणस्तु धारयामास हृच्छयम् ॥ १४ ॥
ततस्ता नैषधं दृष्ट्वा संभ्रान्ताः परमाङ्गनाः ।
आसनेभ्यः समुत्पेतुस्तेजसा तस्य धर्षिताः ॥ १५ ॥
प्रशशंसुश्च सुप्रीता नलं ता विस्मयान्विताः ।
न चैनमभ्यभाषन्त मनोभिस्त्वभ्यपूजयन् ॥ १६ ॥
अहो रूपमहो कान्तिरहो धैर्यं महात्मनः ।
को ऽयं देवो ऽथवा यक्षो गन्धर्वो वा भविष्यति ॥ १७ ॥
न तास्तं शक्नुवन्ति स्म व्याहर्तुमपि किंचन ।
तेजसा धर्षितास्तस्य लज्जावत्यो वराङ्गनाः ॥ १८ ॥
अथैनं स्मयमानं तु स्मितपूर्वाभिभाषिणी ।
दमयन्ती नलं वीरमभ्यभाषत विस्मिता ॥ १९ ॥
कस्त्वं सर्वानवद्याङ्ग मम हृच्छयवर्धन ।
प्राप्तो ऽस्यमरवद्वीर ज्ञातुमिच्छामि ते ऽनघ ॥ २० ॥
कथमागमनं चेह कथं चासि न लक्षितः ।

सुरचितं हि मे वेश्म राजा चैवोग्रशासनः ॥ २१ ॥
एवमुक्तस्तु वैदर्भ्या नलस्तां प्रत्युवाच ह ।
नलं मां विद्धि कल्याणि देवदूतमिहागतम् ॥ २२ ॥
देवास्त्वां प्राप्तुमिच्छन्ति शक्रो ऽग्निर्वरुणो यमः ।
तेषामन्यतमं देवं पतिं वरय शोभने ॥ २३ ॥
तेषामेव प्रभावेन प्रविष्टो ऽहमलक्षितः ।
प्रविशन्तं न मां कश्चिदपश्यन्नाप्यवारयत् ॥ २४ ॥
एतदर्थमहं भद्रे प्रेषितः सुरसत्तमैः ।
एतच्छ्रुत्वा शुभे बुद्धिं प्रकुरुष्व यथेच्छसि ॥ २५ ॥
॥ इति नलोपाख्याने तृतीयो ऽध्यायः ॥ ३ ॥
सा नमस्कृत्य देवेभ्यः प्रहस्य नलमब्रवीत् ।
प्रणयस्व यथाश्रद्धं राजन्किं करवाणि ते ॥ १ ॥
अहं चैव हि यच्चान्यन्ममास्ति वसु किंचन ।
तत्सर्वं तव विश्रब्धं कुरु प्रणयमीश्वर ॥ २ ॥
हंसानां वचनं यत्तु तन्मां दहति पार्थिव ।
त्वत्कृते हि मया वीर राजानः संनिपातिताः ॥ ३ ॥
यदि त्वं भजमानां मां प्रत्याख्यास्यसि मानद ।
विषमग्निं जलं रज्जुमास्थास्ये तव कारणात् ॥ ४ ॥
एवमुक्तस्तु वैदर्भ्या नलस्तां प्रत्युवाच ह ।
तिष्ठत्सु लोकपालेषु कथं मानुषमिच्छसि ॥ ५ ॥
येषामहं लोककृतामीश्वराणां महात्मनाम् ।
न पादरजसा तुल्यो मनस्ते तेषु वर्तताम् ॥ ६ ॥
विप्रियं ह्याचरन्मर्त्यो देवानां मृत्युमृच्छति ।
त्राहि मामनवद्याङ्गि वरयस्व सुरोत्तमान् ॥ ७ ॥
विरजांसि च वासांसि दिव्याश्चित्राः स्रजस्तथा ।
भूषणानि च दिव्यानि देवान्प्राप्य तु भुङ्क्ष्व वै ॥ ८ ॥
य इमां पृथिवीं कृत्स्नां संक्षिप्य ग्रसते पुनः ।
हुताशमीशं देवानां का तं न वरयेत्पतिम् ॥ ९ ॥
यस्य दण्डभयात्सर्वे भूतग्रामाः समागताः ।

धर्ममेवानुरुध्यन्ति का तं न वरयेत्पतिम् ॥ १० ॥
धर्मात्मानं महात्मानं दैत्यदानवमर्दनम ।
महेन्द्रं सर्वदेवानां का तं न वरयेत्पतिम् ॥ ११ ॥
क्रियतामविशङ्केन मनसा यदि मन्यसे ।
वरणं लोकपालानां सुहृद्वाक्यमिदं शृणु ॥ १२ ॥
नैषधेनैवमुक्ता सा दमयन्ती वचो ऽब्रवीत् ।
समाप्लुताभ्यां नेत्राभ्यां शोकजेनाथ वारिणा ॥ १३ ॥
देवेभ्यो ऽहं नमस्कृत्य सर्वेभ्यः पृथिवीपते ।
वृणे त्वामेव भर्तारं सत्यमेतद्ब्रवीमि ते ॥ १४ ॥
तामुवाच ततो राजा वेपमानां कृताञ्जलिम् ।
दौत्येनागत्य कल्याणि नोत्सहे स्वार्थमीप्सितम् ॥ १५ ॥
कथं ह्यहं प्रतिश्रुत्य देवतानां विशेषतः ।
परार्थे यत्नमारभ्य कथं स्वार्थमिहोत्सहे ॥ १६ ॥
एष धर्मो यदि स्वार्थो ममापि भविता ततः ।
एवं स्वार्थं करिष्यामि तथा भद्रे विधीयताम् ॥ १७ ॥
ततो बाष्पाकुलां वाचं दमयन्ती शुचिस्मिता ।
प्रत्याहरन्ती शनकैर्नलं राजानमब्रवीत् ॥ १८ ॥
उपायो ऽयं मया दृष्टो निरपायो नरेश्वर ।
येन दोषो न भविता तव राजन्कथंचन ॥ १९ ॥
त्वं चैव हि नरश्रेष्ठ देवाश्चेन्द्रपुरोगमाः ।
आयान्तु सहिताः सर्वे मम यत्र स्वयंवरः ॥ २० ॥
ततो ऽहं लोकपालानां संनिधौ त्वां नरेश्वर ।
वरयिष्ये नरव्याघ्र नैवं दोषो भविष्यति ॥ २१ ॥
एवमुक्तस्तु वैदर्भ्या नलो राजा विशां पते ।
आजगाम पुनस्तत्र यत्र देवाः समागताः ॥ २२ ॥
तमपश्यंस्तथायान्तं लोकपाला महेश्वराः ।
दृष्ट्वा चैनं ततो ऽपृच्छन्वृत्तान्तं सर्वमेव तम् ॥ २३ ॥
कच्चिद्दृष्टा त्वया राजन्दमयन्ती शुचिस्मिता ।
किमब्रवीच्च नः सर्वान्वद भूमिपते ऽनघ ॥ २४ ॥

॥ नल उवाच ॥

भवद्भिरहमादिष्टो दमयन्त्या निवेशनम् ।
प्रविष्टः सुमहाकक्षं दण्डिभिः स्थविरैर्वृतम् ॥ २५ ॥
प्रविशन्तं च मां तत्र न कश्चिद्दृष्टवान्नरः ।
ऋते तां पार्थिवसुतां भवतामेव तेजसा ॥ २६ ॥
सख्यश्चास्या मया दृष्टास्ताभिश्चाप्युपलक्षितः ।
विस्मिताश्चाभवन्सर्वा दृष्ट्वा मां विबुधेश्वराः ॥ २७ ॥
वर्ण्यमानेषु च मया भवत्सु रुचिराननाः ।
मामेव गतसंकल्पा वृणीते सा सुरोत्तमाः ॥ २८ ॥
अब्रवीच्चैव मां बाला आयान्तु सहिताः सुराः ।
त्वया सह नरव्याघ्र मम यत्र स्वयंवरः ॥ २९ ॥
तेषामहं संनिधौ त्वां वरयिष्यामि नैषध ।
एवं तव महाबाहो दोषो न भवितेति ह ॥ ३० ॥
एतावदेव विबुधा यथावृत्तमुदाहृतम् ।
मया शेषे प्रमाणं तु भवन्तस्त्रिदशेश्वराः ॥ ३१ ॥

॥ इति नलोपाख्याने चतुर्थोऽध्यायः ॥ ४ ॥

॥ बृहदश्व उवाच ॥

अथ काले शुभे प्राप्ते तिथौ पुण्ये क्षणे तथा ।
आजुहाव महीपालान्भीमो राजा स्वयंवरे ॥ १ ॥
तच्छ्रुत्वा पृथिवीपालाः सर्वे हृच्छयपीडिताः ।
त्वरिताः समुपाजग्मुर्दमयन्तीमभीप्सवः ॥ २ ॥
कनकस्तम्भरुचिरं तोरणेन विराजितम् ।
विविशुस्ते नृपा रङ्गं महासिंहा इवाचलम् ॥ ३ ॥
दमयन्ती ततो रङ्गं प्रविवेश शुभानना ।
मुष्णन्ती प्रभया राज्ञां चक्षूंषि च मनांसि च ॥ ४ ॥
तस्या गात्रेषु पतिता तेषां दृष्टिर्महात्मनाम् ।
तत्र तत्रैव सक्ताभून्न चचाल च पश्यताम् ॥ ५ ॥
ततः संकीर्त्यमानेषु राज्ञां नामसु भारत ।
ददर्श भैमी पुरुषान्पञ्च तुल्याकृतीनिह ॥ ६ ॥

तान्समीक्ष्य ततः सर्वान्निर्विशेषाकृतीन्स्थितान् ।
संदेहादथ वैदर्भी नाभ्यजानान्नलं नृपम् ॥ ७ ॥
यं यं हि ददृशे तेषां तं तं मेने नलं नृपम् ।
सा चिन्तयन्ती बुद्ध्याथ तर्कयामास भाविनी ॥ ८ ॥
कथं नु देवाञ्जानीयां कथं विद्यां नलं नृपम् ।
एवं संचिन्तयन्ती सा वैदर्भी भृशदुःखिता ॥ ९ ॥
श्रुतानि देवलिङ्गानि तर्कयामास भारत ।
देवानां यानि लिङ्गानि स्थविरेभ्यः श्रुतानि मे ॥ १० ॥
तानीह तिष्ठतां भूमावेकस्यापि न लक्षये ।
एवं विचिन्त्य बहुधा विचार्य च पुनः पुनः ॥ ११ ॥
शरणं प्रति देवानां प्राप्तकालममन्यत ।
देवेभ्यः प्राञ्जलिर्भूत्वा वेपमानेदमब्रवीत् ॥ १२ ॥
हंसानां वचनं श्रुत्वा यथा मे नैषधो वृतः ।
पतित्वे तेन सत्येन देवास्तं प्रदिशन्तु मे ॥ १३ ॥
मनसा वचसा चैव यथा नातिचराम्यहम् ।
तेन सत्येन विबुधास्तमेव प्रदिशन्तु मे ॥ १४ ॥
यथा देवैः स मे भर्ता विहितो निषधाधिपः ।
तेन सत्येन मे देवास्तमेव प्रदिशन्तु मे ॥ १५ ॥
यथेदं व्रतमारब्धं नलस्याराधने मया ।
तेन सत्येन मे देवास्तमेव प्रदिशन्तु मे ॥ १६ ॥
स्वं चैव रूपं कुर्वन्तु लोकपाला महेश्वराः ।
यथाहमभिजानीयां पुण्यश्लोकं नराधिपम् ॥ १७ ॥
निशम्य दमयन्त्यास्तत्करुणं परिदेवितम् ।
यथोक्तं चक्रिरे देवाः सामर्थ्यं लिङ्गधारणे ॥ १८ ॥
सापश्यद्विबुधान्सर्वानस्वेदान्स्तब्धलोचनान् ।
हृषितस्रग्रजोहीनान्स्थितानस्पृशतः क्षितिम् ॥ १९ ॥
छायाद्वितीयो म्लानस्रग्रजःस्वेदसमन्वितः ।
भूमिष्ठो नैषधश्चैव निमेषेण च सूचितः ॥ २० ॥
सा समीक्ष्य तु तान्देवान्पुण्यश्लोकं च भारत ।
नैषधं वरयामास भैमी धर्मेण पाण्डव ॥ २१ ॥

विलज्जमाना वस्त्रान्तं जग्राहायतलोचना ।
स्कन्धदेशे ऽसृजत्तस्य स्रजं परमशोभनाम् ॥ २२ ॥
वरयामास चैवैनं पतित्वे वरवर्णिनी ।
ततो हाहेति सहसा मुक्तः शब्दो नराधिपैः ॥ २३ ॥
देवैर्महर्षिभिस्तत्र साधु साध्विति भारत ।
विस्मितैरीरितः शब्दः प्रशंसद्भिर्नलं नृपम् ॥ २४ ॥
दमयन्तीं तु कौरव्य वीरसेनसुतो नृपः ।
आश्वासयद्वरारोहां प्रहृष्टेनान्तरात्मना ॥ २५ ॥
यत्त्वं भजसि कल्याणि पुमांसं देवसंनिधौ ।
तस्मान्मां विद्धि भर्तारमेवं ते वचने रतम् ॥ २६ ॥
यावच्च मे धरिष्यन्ति प्राणा देहे शुचिस्मिते ।
तावत्त्वयि भविष्यामि सत्यमेतद्ब्रवीमि ते ॥ २७ ॥
पार्थिवाश्चानुभूयास्य विवाहं विस्मयान्विताः ।
दमयन्त्याश्च मुदिताः प्रतिजग्मुर्यथागतम् ॥ २८ ॥
गतेषु पार्थिवेन्द्रेषु भीमः प्रीतो महामनाः ।
विवाहं कारयामास दमयन्त्या नलस्य च ॥ २९ ॥
॥ इति नलोपाख्याने पञ्चमो ऽध्यायः ॥ ५ ॥

Ⅱ. 狡猾的商人之妇(《益世嘉言》Hitopadeśa 4,3)

उत्पन्नापदं यस्तु समाधत्ते स बुद्धिमान् ।
वणिजो भार्यया जारः प्रत्यक्षे निहतो यथा ॥

अस्ति विक्रमपुरे समुद्रदत्तो नाम वणिक् । तस्य च रत्नप्रभा नाम वधूः केनापि स्वसेवकेन समं सर्वदा रमते । यतः ।

न स्त्रीणामप्रियः कश्चित्प्रियो वापि न विद्यते ।
गावस्तृणमिवारण्ये प्रार्थयन्ति नवं नवम् ॥

अथैकदा सा रत्नप्रभा तस्य सेवकस्य मुखे चुम्बनं ददती तेन समुद्रदत्तेनालोकिता । ततः सा वन्धकी सत्वरं भर्तुः समीपमुपगम्याह । नाथ । एतस्य सेवकस्य तावन्महती निर्वृत्तिः । यतो हिङ्गुगन्धः प्रत्यक्षो ऽस्य मुखे

मया घातः। तथा चोक्तम्।

आहारो द्विगुणः स्त्रीणां बुद्धिस्तासां चतुर्गुणा।
षड्गुणो व्यवसायश्च कामश्चाष्टगुणः स्मृतः॥

तच्छ्रुत्वा सेवकेनापि प्रकुप्योक्तम्। यस्य गृहस्येदृशी विधा तत्र सेवकेन कथं स्थातव्यम्। यत्र प्रतिक्षणं वधूः सेवकस्य मुखमाघ्राति। ततो ऽसावुत्थाय चलितः। स च साधुना प्रबोध्य यत्नादुद्धृतः॥

Ⅲ. 拿糁钵的婆罗门(《五卷书》,Pañcatantra 5,9)

अनागतवतीं चिन्तामसंभाव्यां करोति यः।
स एव पाण्डुरः शेते सोमशर्मपिता यथा॥

कस्मिंश्चिन्नगरे कश्चित्स्वभावकृपणो नाम ब्राह्मणः प्रतिवसति स्म। तस्य भिक्षार्जितैः सक्तुभिर्भुक्तोर्वरितैर्घटः परिपूरितः। तं च घटं नागदन्ते ऽवलम्ब्य तस्याधस्तात्खट्वां निधाय सततमेकदृष्ट्या तमवलोकयति। अथ कदाचिद्रात्रौ सुप्तश्चिन्तयामास। यत्परिपूर्णो ऽयं घटस्तावत्सक्तुभिर्वर्तते। तदयं दुर्भिक्षं भवति तदनेन रूपकाणां शतमुत्पद्यते। ततस्तेन मयाजाद्वयं ग्रहीतव्यम्। ततः षण्मासिकप्रसववशात्ताभ्यां यूथं भविष्यति। ततो ऽजाभिः प्रभूता गा ग्रहीष्यामि गोभिर्महिषीर्महिषीभिर्वडवाः। वडवाप्रसवतः प्रभूता अश्वा भविष्यन्ति। तेषां विक्रयात्प्रभूतं सुवर्णं भविष्यति। सुवर्णेन चतुःशालं गृहं संपद्यते। ततः कश्चिद्ब्राह्मणो मम गृहमागत्य प्राप्तवयस्कां रूपाढ्यां कन्यां दास्यति। तत्सकाशात्पुत्रो मे भविष्यति। तस्याहं सोमशर्मेति नाम करिष्यामि। तत्तस्मिञ्जानुचलनयोग्ये संजाते ऽहं पुस्तकं गृहीत्वाश्वशालायाः पृष्ठदेश उपविष्टस्तदवधारयिष्यामि। अचान्तरे सोमशर्मा मां दृष्ट्वा जनन्युत्सङ्गाज्जानुप्रचलनपरो ऽश्वखुरासन्नवर्तीं मत्समीपमागमिष्यति। ततो ऽहं ब्राह्मणीं कोपाविष्टो ऽभिधास्यामि। गृहाण तावद्बालकम्। सापि गृहकर्मव्यग्रतयास्मद्वचनं न श्रोष्यति। ततो ऽहं समुत्थाय तां पादप्रहारेण ताडयिष्यामि। एवं तेन ध्यानस्थितेन तथैव पादप्रहारो दत्तो यथा स घटो भग्नः। सक्तुभिः पाण्डुरतां गतः॥

Ⅳ. 真假朋友(《五卷书》,Pañcatantra 1,22)

पण्डितो ऽपि वरं शत्रुर्न मूर्खो हितकारकः ।
वानरेण हतो राजा विप्राश्चोरेण रक्षिताः ॥

कस्यचिद्राज्ञो नित्यं वानरो ऽतिभक्तिपरो ऽङ्गसेवको ऽन्तःपुरे ऽप्यप्रतिषिद्धप्रसरो ऽतिविश्वासस्थानमभूत् । एकदा राज्ञो निद्रां गतस्य वानरे व्यजनं नीत्वा वायुं विदधति राज्ञो वक्षःस्थलोपरि मक्षिकोपविष्टा । व्यजनेन मुहुर्मुहुर्निषिध्यमानापि पुनः पुनस्तत्रैवोपविशति । ततस्तेन स्वभावचपलेन मूर्खेण वानरेण क्रुद्धेन सता तीव्रं खड्गमादाय तस्या उपरि प्रहारो विहितः। ततो मक्षिकोड्डीय गता परं तेन शितधारेणासिना राज्ञो वक्षो द्विधा जातं राजा मृतश्च । तस्माच्चिरायुरिच्छता नृपेण मूर्खो ऽनुचरो न रक्षणीयः ॥

अपरमेकस्मिन्नगरे को ऽपि विप्रो महाविद्वान्परं पूर्वजन्मयोगेन चौरो वर्तते । तस्मिन्पुरे ऽन्यदेशादागतांश्चतुरो विप्रान्बहूनि वस्तूनि विक्रीणतो दृष्ट्वा चिन्तितवान् । अहो केनोपायेनैषां धनं लभे । इति विचिन्त्य तेषां पुरो ऽनेकानि शास्त्रोक्तानि सुभाषितानि चातिप्रियाणि मधुराणि वचनानि जल्पता तेषां मनसि विश्वासमुत्पाद्य सेवा कर्तुमारब्धा । अथवा साध्विदमुच्यते ।

असती भवति सलज्जा क्षारं नीरं च शीतलं भवति ।
दम्भी भवति विवेकी प्रियवक्ता भवति धूर्तजनः ॥

अथ तस्मिन्सेवां कुर्वति तैर्विप्रैः सर्ववस्तूनि विक्रीय बहुमूल्यानि रत्नानि क्रीतानि । ततस्तानि जङ्घामध्ये तत्समक्षं प्रक्षिप्य स्वदेशं प्रतिगन्तुमुद्यमो विहितः । ततः स धूर्तविप्रस्तान्विप्रान्गन्तुमुद्यतान्प्रेक्ष्य चिन्ताव्याकुलितमनाः संजातः । अहो धनमेतन्न किंचिन्मम घटितम् । अथैभिः सह यामि । पथि क्वापि विषं दत्त्वैतान्निहत्य सर्वरत्नानि गृह्णामि । इति विचिन्त्य तेषामग्रे सकरुणं विलप्येदमाह । भो मित्राणि यूयं मामेकाकिनं मुक्त्वा गन्तुमुद्यताः । तन्मे मनो भवद्भिः सह स्नेहपाशेन बद्धं भवद्विरहान्मैवाकुलं संजातं यथा धृतिं क्वापि न धत्ते । ततो यूयमनुग्रहं विधाय सहायभूतं मामपि सहैव नयत । तद्वचः श्रुत्वा ते करुणार्द्रचित्तास्तेन सममेव स्वदेशं प्रति प्रस्थिताः।

अथाध्वनि तेषां पञ्चानामपि पत्तीपुरमध्ये व्रजतां ध्वाङ्क्षाः कथयितुमारब्धाः। रे रे किराता धावत धावत। सपादलक्षधनिनो यान्ति। एतान्निहत्य धनं नयत। ततः किरातैर्ध्वाङ्क्षवचनमाकर्ण्य सत्वरं गत्वा ते विप्रा लगुडप्रहारैर्जर्जरीकृत्य वस्त्राणि मोचयित्वा विलोकिताः परं धनं किंचिन्न लब्धम्। तदा तैः किरातैरभिहितम्। भोः पान्थाः पुरा कदापि ध्वाङ्क्षवचनमनृतं नासीत्। ततो भवतां संनिधौ क्वापि धनं विद्यते तदर्पयत। अन्यथा सर्वेषामपि वधं विधाय चर्म विदार्य प्रत्यङ्गं प्रेक्ष्य धनं नेष्यामः। तदा तेषामीदृशं वचनमाकर्ण्य चौरविप्रेण मनसि चिन्तितम्। यदैषां विप्राणां वधं विधायाङ्गं विलोक्य रत्नानि नेष्यन्ति तदापि मां वधिष्यन्ति ततो ऽहं पूर्वमेवात्मानमरत्नं समर्प्यैतान्मुञ्चामि। उक्तं च।

मृत्योर्बिभेषि किं बाल न स भीतं विमुञ्चति।
अद्य वाब्दशतान्ते वा मृत्युर्वै प्राणिनां ध्रुवः॥

तथा च।

गवार्थे ब्राह्मणार्थे च प्राणत्यागं करोति यः।
सूर्यस्य मण्डलं भित्त्वा स याति परमां गतिम्॥

इति निश्चित्याभिहितम्। भोः किराता यद्येवं ततो मां पूर्वं निहत्य विलोकयत। ततस्तैस्तथानुष्ठिते तं धनरहितमवलोक्यापरे चत्वारो ऽपि मुक्ताः॥

V. 动物的报复(《五卷书》,Pancatantra 1,15)

चटकाकाष्ठकूटेन[1] मक्षिकादर्दुरैस्तथा।
महाजनविरोधेन कुञ्जरः प्रलयं गतः॥

कस्मिंश्चिद्वनोद्देशे चटकदंपती तमालतरुकृतनिलयौ प्रतिवसतः। अथ गच्छता कालेन संततिरभवत। अन्यस्मिन्नहनि प्रमत्तो गजः कश्चित्तं तमालवृक्षं घर्मार्तश्छायार्थी समाश्रितः। ततो मदोत्कर्षात्तां तस्य शाखां चटकाक्रान्तां पुष्करायेणाकृष्य बभञ्ज। तस्या भङ्गेन चटकाण्डानि सर्वाणि

1. 相违释 §309. 2.

विशीर्णानि । आयुःशेषतया च चटका कथमपि प्राणैर्न वियुक्ता । अथ साण्डभङ्गाभिभूता प्रलापान्कुर्वाणा न कथंचिदतिष्ठत् । अत्रान्तरे तस्यास्ता-न्प्रलापाञ्श्रुत्वा काष्ठकूटो नाम पक्षी तस्याः परमसुहृत्तद्दुःखदुःखितो ऽभ्येत्य तामुवाच । भवति किं वृथा प्रलापेन । उक्तं च ।

नष्टं मृतमतिक्रान्तं नानुशोचन्ति पण्डिताः ।
पण्डितानां च मूर्खाणां विशेषो ऽयं यतः स्मृतः ॥

तथा च ।

अशोच्यानीह भूतानि यो मूढस्तानि शोचति ।
स दुःखे लभते दुःखं ह्यावनर्थौ निषेवते ॥

अन्यच्च ।

श्लेष्माश्रु[1] बान्धवैर्मुक्तं प्रेतो भुङ्क्ते यतो ऽवशः ।
तस्मान्न रोदितव्यं हि क्रियाः कार्याः प्रयत्नतः ॥

चटका प्राह । अस्त्येतत् । परं दुष्टगजेन मदान्मम संतानक्षयः कृतः । तद्यदि मम त्वं सुहृत्सत्यस्तदस्य गजापसदस्य को ऽपि वधोपायश्चिन्त्यो यस्यानुष्ठानेन मे संततिनाशदुःखमपसरति ।

काष्ठकूट आह । भवति सत्यमभिहितं भवत्या । उक्तं च ।

स सुहृद्व्यसने यः स्यात्स पुत्रो यस्तु भक्तिमान् ।
स भृत्यो यो विधेयज्ञः सा भार्या यत्र निर्वृतिः ॥

तत्पश्य मे बुद्धिप्रभावम् । परं ममापि सुहृद्भूता वीणारवा नाम मक्षिकास्ति । तत्तामाहूयागच्छामि येन स दुरात्मा दुष्टगजो हन्यते । अथासौ सह चट-कया मक्षिकामासाद्य प्रोवाच । भद्रे ममेष्टेयं चटका केनचिद्दुष्टगजेन परा-भूताण्डस्फोटनेन । तत्तस्य वधोपायमनुतिष्ठतो मे साहाय्यं कर्तुमर्हसि । मक्षिकाप्याह । भद्र किमुच्यते ऽत्र विषये । उक्तं च ।

पुनःप्रत्युपकाराय मित्राणां क्रियते प्रियम् ।
यत्पुनर्मित्रमित्रस्य कार्यं मित्रैर्न किं कृतम् ॥

सत्यमेतत् । परं ममापि भेको मेघनादो नाम मित्रं तिष्ठति । तमप्याहूय यथोचितं कुर्मः । उक्तं च ।

1. 相违释 § 309 . 2 .

हितैः साधुसमाचारैः[1] शास्त्रज्ञैर्मतिशालिभिः ।
कथंचिन्न विकल्पन्ते विद्वद्भिश्चिन्तिता नयाः ॥

अथ ते त्रयोऽपि गत्वा मेघनादस्याग्रे पूर्वं वृत्तान्तं निवेद्य तस्थुः । अथ स प्रोवाच । कियन्मात्रो गजो वराको महाजनस्य कुपितस्य । तन्मदीयो मन्त्रः कर्तव्यः । मक्षिके त्वं गत्वा मध्याह्नसमये तस्य मदोत्कटस्य गजस्य कर्णे वीणारवसदृशं शब्दं कुरु येन श्रवणसुखलालसो निमीलितनयनो भवति । ततश्च काष्ठकूटचञ्च्वा स्फोटितनयनोऽन्धीभूतस्तृषार्तो मम गर्ततटाश्रितस्य सपरिवारस्य शब्दं श्रुत्वा जलाशयं मत्वाभ्येति । ततो गर्तमासाद्य पतिष्यति पञ्चत्वं यास्यति चेति । एवं समवायः कर्तव्यो यथा वैरसाधनं भवति । अथ तथानुष्ठिते स मत्तगजो मक्षिकागेयश्रवणसुखान्निमीलितनयनः पश्चात्काष्ठकूटहृतचक्षुर्मध्याह्नसमये भ्राम्यन्मण्डूकशब्दानुसारी गच्छन्महतीं गर्तामासाद्य पतितो मृतश्च ॥

VI. 鼠女(《织机小故事》Tantrākhyāyika 3,9)[2]

सूर्यं भर्तारमिच्छन्ती पर्जन्यं मारुतं गिरिम् ।
स्वयोनिं मूषिका प्राप्ता योनिर्हि दुरतिक्रमा ॥

कस्मिंश्चिद्देश ऋषिर्जाह्नव्यां स्नात्वोपस्प्रष्टुमारब्धः । करतले चास्य श्येनपरिभ्रष्टा मूषकशाविका पतिता । तां चासौ न्यग्रोधपादपमूले संस्थाप्य पुनस्स्नात्वा गृहाभिमुख× प्रायात् । मूषिकां च स्मृत्वाचिन्तयत् । नृशंसमेतन्मया कृतं मातृपितृपरिभ्रष्टां मूषिकां परित्यजतेति । एवमाकलय्य प्रतिनिवृत्य तां मूषिकां स्वतपोबलेन कन्यां कृत्वा गृहमानीयानपत्यायै भार्यायै प्रायच्छत् । आह च । भद्रे प्रयत्नेनेयं संवर्ध्यतामिति । अथ कालेन द्वादशवर्षे प्राप्ते विवाहकार्ये तस्या ऋषिश्चिन्तामापेदे । यतः ।

पितुर्गृहे तु या कन्या रज× पश्यति चक्षुषा ।
वृषली सा तु विज्ञेया न शूद्री वृषली स्मृता ॥

1)多财释。 2)参考§33 a)注。 3)比较意义中的原级。

अतो ऽहमेनां सदृशाय प्रयच्छामि । उक्तं च ।

ययोरेव समं वित्तं ययोरेव समं कुलम् ।
तयोर्मध्यं विवाहश्च न तु पुष्टविपुष्टयोः ॥

स एवं मत्वा भगवन्तं सहस्रकिरणमाहूयाभिहितवान् । विवाह्यतां मम दुहितेयमिति । असावपि लोकपालस्सर्ववृत्तान्तप्रत्यक्षदर्शी तमाह । भगवन् । मत्तो मेघा बलवत्तराः । यत्कारणमहमुदितो ऽपि तैरदृश्य× क्रिय इति । एवमेतदित्युक्त्वा मुनिर्मेघानाहूतवान् । गृह्यतां मे दुहितेति । ते ऽप्याहुः । अस्मत्तो ऽपि [3]बलवान्वायुः । तेन वयमितश्चेतश्च दिग्भ्यो विक्षिप्यामहे । अथ तेन वायुराहूतः । गृह्यतां मद्दुहितेति । एवमुक्तो ऽसावब्रवीत् । भगवन् । मत्तो बलवत्तरा× पर्वताः । यतो ऽहं तानङ्गुलमात्रमपि चालयितुमशक्तः । ततो ऽसावचलमाहूयाभिहितवान् । गृह्यतां मम कन्येति । स आह । नूनमचला[1] वयं किं त्वजस्रं मूषकैर्गम्याः । तैरितश्चेतश्च शतच्छिद्रा× क्रियामहे । एवमवधार्य मुनिना मूषक आहूयोक्तः । गृह्यतां मम कन्येति । ततो ऽसावाह । विधुरमिदम् । कथमियं विवरं प्रवेक्ष्यतीति । सत्यमेतदिति परमर्षिणा स्वतपोबलेन पुन× पूर्वप्रकृतिमापादिता ॥

Ⅵ. 织工巧扮毗湿奴(《五卷书》Pancakhyānaka 1,5)

सुगुप्तस्यापि दम्भस्य ब्रह्माण्डं न गच्छति ।
कौलिको विष्णुरूपेण राजकन्यां निषेवते ॥

कस्मिंश्चिदधिष्ठाने कौलिकरथकारौ मित्रे प्रतिवसतः स्म । तत्र च बाल्यात्प्रभृति सहचारिणौ परस्परमतीव स्नेहपरौ सदैकस्थाने विहारिणौ कालं नयतः । कदाचिदथ तत्राधिष्ठाने कस्मिंश्चिद्देवतायतने महोत्सवो यात्रालक्षणः संवृत्तः । तत्र च नटनर्तकचारणसंकुले नानादेशादागतजनाकुले तौ सहचरौ भ्रमन्तौ कांचिद्राजकन्यां करेणुकारूढां सर्वलक्षणसनाथां कञ्चुकिवर्षधरपरिवृतां देवतादर्शनार्थं समायातां दृष्टवन्तौ । अथासौ कौलिकस्तां दृष्ट्वा विषार्दित इव दुष्टग्रहगृहीत इव कामशरैर्हन्यमानः सहसा भूतले

1)文字游戏。 2)取消连声在某些情况下表示逗号。

पपात। अथ तं तदवस्थमवलोक्य रथकारस्तद्दुःखदुःखित आप्तपुरुषैस्तं समुत्क्षिप्य स्वगृहमानयत्। तत्र विविधैः शीतोपचारैश्चिकित्सकोपदिष्टैर्मन्त्रवादिभिश्चोपचर्यमाणश्चिरात्कथंचित्सचेतनो बभूव। ततश्च रथकारेण पृष्टः। भो मित्र किमेवं त्वमकस्माद्विचेतनः संजातः। तत्कथ्यतामात्मस्वरूपम्। सो ऽब्रवीत्। वयस्य यद्येवम् तच्छृणु मे रहस्यं येनाशेषं ते वदामि। यदि त्वं सौहार्दं मन्यसे तदा काष्ठप्रदानेन प्रसादः क्रियताम्। क्षम्यतां यन्मया प्रणयातिरेकादयुक्तं तवानुष्ठितम्। सो ऽपि तदाकर्ण्य बाष्पपिहितनयनः सगद्गदमुवाच। वयस्य यद्येवम् तद्दुःखकारणं कथय येन तस्य प्रतीकारः क्रियते यदि कर्तुं शक्यते। उक्तं च यतः।

औषधार्थसुमन्त्राणां बुद्धेश्चैव महात्मनाम्।
असाध्यं नास्ति लोके ऽत्र किंचिद्ब्रह्माण्डमध्यगम्॥

तदेतेषां चतुर्णां यदि साध्यं भविष्यति तदहं साधयिष्यामि। कौलिक आह। वयस्य यद्येवम् एतेषामन्येषामपि शतसहस्रोपायानामसाध्यं तन्मे दुःखम्। तस्मान्मम मरणे कालक्षेपं मा कुरु। रथकार आह। भो मित्र। तथापि निवेदय मे येनासाध्यं मत्वा त्वया सह वह्नौ प्रविशामि। न क्षणमपि त्वद्वियोगं सहिष्ये। एष मे निश्चयः। कौलिक आह। वयस्य श्रूयतां तर्हि। या राजकन्या तत्रोत्सवे करेणुकारूढा समायाता दृष्टा तस्या दर्शनानन्तरं भगवता मकरध्वजेनेयमवस्था विहिता। न शक्नोमि तद्वेदनां सोढुम्। रथकारो ऽपि तच्छ्रुत्वा सस्मितमिदमाह। वयस्य यद्येवम् तद्दिष्ट्या सिद्धं त्वत्प्रयोजनम्। तदद्यैव तया सह संगमः क्रियतामिति। कौलिक आह। वयस्य यत्र कन्यकान्तःपुरे वायुं मुक्त्वा नान्यस्य प्रवेशो ऽस्ति तत्र रक्षापुरुषरक्षिते कथं तया सह संगमः क्रियताम्। तत्किं मामेवासत्यवचनैर्विडम्बयसि। रथकार आह। वयस्य पश्य मे बुद्धिबलम्। एवमभिधाय तत्क्षणात्कीलासंचारिणं वैनतेयं बाहुयुगलं च वायुजवृक्षदारुणा शङ्खचक्रगदापद्मान्वितं वनमालान्वितं सकिरीटकौस्तुभमघटयत्। ततश्च तस्मिंस्तं समारोप्य विष्णुचिह्नैश्चिह्नितं कृत्वा कीलासंचारणविज्ञानं दर्शयित्वा प्रोवाच। भो वयस्य अनेन रूपेण त्वं कन्यकान्तःपुरे निशीथे तां राजकन्यां सप्तभूमिकप्रासादप्रान्तगतां मुग्धस्वभावां त्वां वासुदेवं मन्यमानां स्वकीयमिथ्यावक्रोक्तिभी रञ्जयित्वा भज।

कौलिको ऽपि तदाकर्ण्य तथारूपस्तत्र गत्वा तामाह । राजपुत्रि सुप्ता किं वा जागर्षि । अहं ते क्षीरसमुद्रात्सानुरागो लक्ष्मीं विहाय स्वयमेवाभागतः । तन्मया सह क्रियतां समागम इति । सापि तं गरुडारूढं चतुर्भुजं सर्वायुधमेतमवलोक्य सविस्मयमासनादुत्थाय कृताञ्जलिपुटा प्रोवाच । भगवन अहं मानुषकीटिकाशुचिः । भगवांस्त्रैलोक्यपूज्यः कर्ता च । तत्कथमेतत्कर्तुं युज्यते । कौलिक आह । सुभगे सत्यमभिहितम् । परं किं तु राधा नाम मे भार्या नन्दगोपकुल आसीत् । सा त्वं मत्परिणीता । तेनाहमागत इति । सा प्रोवाच । भगवन् यद्येवम् तन्मे तातं प्रार्थय येन सो ऽप्यविकल्पं तुभ्यं मां प्रयच्छति । कौलिक आह । सुभगे नाहं मानुषदर्शनं गच्छामि कुतो वाक्यालापकरणम् । तद्गान्धर्वविवाहेनात्मानं प्रयच्छ । नो चेत् शापं दत्त्वा त्वां सान्वयां भस्मसात्करिष्यामीति ।

एवमभिधाय गरुडादवतीर्य सद्यो पाणौ गृहीत्वा तां सलज्जां सभयां वेपमानां शय्यामनयत् । ततश्च रात्रिशेषं यावद्वात्स्यायनोक्तविधिना निषेव्य प्रत्यूषे स्वगृहमलक्षितो जगाम । एवं तस्य तां नित्यमेव सेवमानस्य कालो गच्छति ।

अथ कदाचित्कञ्चुकिनस्तस्या अधरप्रवालमलीकेनाधरखण्डितेन खण्डितं दृष्ट्वा ते प्रोचुः । अहो एतस्या राजकन्यायाः पुरुषोपभुक्ताया इव शरीरावयवा विभाव्यन्ते । तत्किमिदम् । सुरक्षितेऽप्यस्मिन्गृह एवंविधो व्यवहारः । तद्राज्ञे निवेदयाम इति । एवं निश्चित्य राजानं समभ्येत्य प्रोचुः । देव वयं न विद्मः परं सुरक्षितेऽप्यस्मिन्कन्यकान्तःपुरे कश्चित्प्रविशति । तत्र देवः प्रमाणमिति ।

राजापि तच्छ्रुत्वातीव व्याकुलितचित्तो देवीपार्श्वं गत्वा प्रोवाच । देवि विज्ञायतां सम्यगेते कञ्चुकिनो यद्वदन्ति । तस्यादय कृतान्तः कुपितो येनैष द्रोहः कृतः । देवी श्रुत्वा व्याकुलीभूता सत्वरं गत्वा तां खण्डिताधरां नखविदारितशरीरामपश्यत् । प्रोवाच च । आः पापे कुलनाशिनि । किमेवं शीलखण्डनं कृतम् । को ऽयं कृतान्तावलोकितस्त्वत्सकाशमभ्येति । तत्कथ्यतां ममाग्रे सत्यमिति । सापि त्वधोमुख्यूचे सकलं विष्णुरूपकौलिकवृत्तान्तम् । तच्छ्रुत्वा प्रहसितवदना पुलकाङ्कितसर्वाङ्गी सत्वरं गत्वा राजानमूचे । देव

दिष्ट्या वर्धसे । नित्यमेव निशीथे भगवान्नारायणः कन्यकापार्श्वं समभ्येति । तेन गान्धर्वविवाहेन विवाहिता सा । तदद्य रात्रौ मया त्वया च वातायनगताभ्यां स निशीथे द्रष्टव्यो यतो न स मानुषैः सह वचनं करोति ।

तच्छ्रुत्वा राज्ञो हर्षितस्य तद्दिनं वर्षशतमिव कथंचिज्जगाम । ततस्तु रात्रौ निभृतौ भूत्वा वातायनस्थौ गगनाभिमुखदृष्टियावत्तिष्ठति तावत्तस्मिन्समये गरुडारूढं शङ्खचक्रगदाहस्तं यथोक्तचिह्नमाकाशादेवोत्तरन्तं कौलिकमपश्यत् । ततश्च सुधापूरप्लावितमिवात्मानं मन्यमानस्तामुवाच । प्रिये नास्त्यन्यो धन्यतरो मया त्वया च समानो यदस्मत्प्रभृतिं भगवान्नारायणः ममभेत्य भजते । तत्सिद्धा अस्माकं सर्वे मनोरथा हृदयस्थाः । अथ जामातृप्रभावेण सकलां वसुमतीं वशीकरिष्यामीति ।

एवं निश्चित्य सर्वैः सीमाधिपैः सह मर्यादाव्यतिक्रममकरोत् । ते च तं मर्यादाव्यतिक्रमेण वर्तमानमवलोक्य सर्वे समभ्येत्य तेन सह विग्रहं चक्रुः । एतस्मिन्नन्तरे राजा देवीमुखेन तां दुहितरमुवाच । पुत्रि त्वयि दुहितरि स्थितायां भगवति नारायणे जामातरि स्थिते किमेवं युज्यते यत्सर्वेऽपि पार्थिवा मया सह विग्रहं कुर्वन्ति । तत्संबोध्यो ऽद्य त्वया भर्ता यथा मम शत्रून्व्यापादयति तत्कार्यम् ।

अथ कौलिको रात्रौ समायातः सविनयं राजपुत्र्याभिहितः । भगवन् त्वयि जामातरि स्थिते यच्छत्रुभिः परिभूयते तातस्तत्ते पराभवः । तत्प्रसादं कृत्वा सर्वांस्तान्शत्रून्व्यापादय । कौलिक आह । सुभगे कियन्मात्रास्तावत्तव शत्रवः । तदिश्रब्धा भव । क्षणेन सुदर्शनचक्रेण तिलशः खण्डयिष्यामि ।

अथ गच्छता कालेन सर्वदेशं शत्रुभिरुद्वास्य स राजा प्राकारशेषः कृतः । तदपि तं वासुदेवरूपधरं कौलिकमजानन्नित्यमेव विशेषतः कर्पूरकस्तूरिकादिपरिमलविशेषान्नानाप्रकारवस्त्रपुष्पभक्ष्यपेयान्[1] प्रेषयन्दुहितृमुखेन तमूचे । भगवन् प्रभाते स्थानभङ्गो नूनं भविष्यति । यतः सर्वेषां यवसान्नसंचयः संजातः । अपरं सर्वोऽपि जनो जर्जरितदेहः संवृत्तो योद्धुमक्षमः प्रचुरो मृतश्च । तदेवं ज्ञात्वात्र काले यदुचितं भवति तत्कर्तव्यम् । तच्छ्रुत्वा कौलिको व्यचिन्तयत् । स्थानभङ्गे संजाते ममापि नूनं मृत्युरनया सह वियोगश्च भविष्यति । तस्मादारुरुक्षुमारुह्याकाशस्थः सायुधमात्मानं शत्रूणां दर्शयामि । कदाचिद्विष्णुमूर्तिं मन्यमानास्ते सशङ्का अस्य राज्ञो योधैर्हन्यन्ते । उक्तं च यतः ।

1) 多财释，修饰 °विशेषान् 。或者应该改为 °पेयानि？

निर्विषेणापि सर्पेण कर्तव्या महती फटा ।
विषं भवतु मा वास्तु फटाटोपो भयंकरः ॥

अथवा मम स्थानार्थे मृत्युर्भवति तदपि सुन्दरतरम् । उक्तं च यतः ।

गवार्थे ब्राह्मणार्थे च स्थानार्थे स्त्रीकृते ऽथवा ।
स्वाम्यर्थे यस्त्यजेत्प्राणांस्तस्य लोकाः सनातनाः ॥

एवं निश्चित्य दन्तधावनं भक्षयित्वा प्रोवाच । सुभगे समस्तैः शत्रुभिर्व्यापादितैरन्नं भक्षयिष्यामि त्वया सह संगमं च करिष्यामीति । परं वाच्यस्त्वयात्मपिता यत्प्रभाते प्रभूतेन सैन्येन नगरान्निष्क्रम्य योद्धव्यम् । अहं चाकाशस्थित एव सर्वांस्तान्निस्तेजसः करिष्यामि । पश्चात्सुखेन भवता हन्तव्याः । यदि पुनरहं स्वयमेव सूदयिष्यामि तत्तेषां पापात्मनां वैकुण्ठगतिर्भविष्यति । तस्मात्ते तथा कर्तव्या यथा पलायमानास्ते न खे गच्छन्ति । सापि तदाकर्ण्य स्वयं गत्वा सर्वं पितुरुवाच । राजापि तस्या वचनं श्रुत्वा प्रत्यूषे युद्धाय निश्चक्राम । कौलिको ऽपि मरणे कृतनिश्चयश्चापपाणिराकाशस्थित एव युद्धाय प्रस्थितः ।

एतस्मिन्नन्तरे भगवता नारायणेनातीतानागतवर्तमानवेदिना स्मृतमात्रो वैनतेयः प्राप्तः । वासुदेवश्च कौलिकरूपं विज्ञाय वैनतेयमुवाच । भो गरुत्मन् जानासि त्वम् । मम रूपेण कौलिको दारुमये त्वयि समारूढो राजकन्यकामुपभुङ्क्ते । सो ऽब्रवीत् । देव ज्ञातं सर्वमस्य विचेष्टितम् । किं कर्तव्यं सांप्रतम् । भगवानाह । कौलिको ऽद्य मरणे कृतनिश्चयो ऽनशने कृतनिश्चयश्च युद्धार्थं निर्गतस्तिष्ठति । स नूनं नानाक्षत्रियप्रधानैः शराहतो निधनं यास्यति । तस्मिन्मृते सर्वो ऽपि जन एवं वदिष्यति यत्प्रभूतक्षत्रियैर्मिलित्वा वासुदेवो गरुडश्च निपातितः । ततः परं लोको ऽयमावयोः पूजां न करिष्यति । शत्रूंस्तद्भुतं गत्वा तत्र दारुमये गरुडे संक्रमणं कुरु । अहं कौलिकशरीरे संक्रमणं करिष्यामि येन स शत्रून्व्यापादयति । शत्रुवधादावयोर्माहात्म्यवृद्धिश्च भवति ।

अथ गरुडेन तथेति प्रतिपन्ने भगवान्नारायणस्तस्य शरीरे संक्रमणमकरोत् । एतस्मिन्नन्तरे सर्वे ते क्षत्रिया विष्णुवैनतेयतेजसा दग्धास्तेन भूभुजा व्यापादिताः । ततः परं स कौलिकः प्रत्यक्षतया स्वेच्छया तां राजपुत्रीं बुभुजे ॥

Ⅶ. 忠实的商人之子(《故事海》,Kathāsaritsāgara 28, 113c)

नगर्यां पुष्करावत्यां गूढसेनाभिधो नृपः ।
आसीत्तस्य च जातो ऽभूदेक एव किलात्मजः ॥ १ ॥
स राजपुत्रो दृप्तः सन्नेकपुत्रतया शुभम् ।
अशुभं वापि यच्चक्रे पिता तस्यासहिष्ट तत् ॥ २ ॥
भ्राम्यतोपवने जातु दृष्टस्तेनैकपुत्रकः ।
वणिजो ब्रह्मदत्तस्य स्वतुल्यविभवाकृतिः ॥ ३ ॥
दृष्ट्वा च सद्यः सो ऽनेन स्वयंवरसुहृत्कृतः ।
तदैव चैकरूपौ तौ जातौ राजवणिक्सुतौ ॥ ४ ॥
स्थातुं न शेकतुः क्षिप्रं तावन्योन्यमदर्शने ।
आशु बध्नाति हि प्रेम प्राग्जन्मान्तरसंस्तवः ॥ ५ ॥
नोपभुङ्क्ते स्म तं भोगं राजपुत्रः कदाचन ।
वणिकपुत्रस्य यस्तस्य नादावेवोपकल्पितः ॥ ६ ॥
एकदा सुहृदस्तस्य निश्चित्योद्वाहमादितः ।
अहिच्छत्रं विवाहाय स प्रतस्थे नृपात्मजः ॥ ७ ॥
मित्रेण तेन सार्कं च गजारूढः ससैनिकः ।
गच्छन्निचुमतीतीरं प्राप्य सायं समावसत् ॥ ८ ॥
तत्र चन्द्रोदये पानमासेव्य शयनं श्रितः ।
अर्थितो निजया धात्र्या कथां वक्तुं प्रचक्रमे ॥ ९ ॥
उपक्रान्तकथो जज्ञे श्रान्तो मत्तश्च निद्रया ।
धात्री च तद्वत्सो ऽप्यासीत्स्नेहाज्जाग्रद्वणिक्सुतः ॥ १० ॥
ततः सुप्तेषु चान्येषु स्त्रीणामिव मिथः कथा ।
गगने शुश्रुवे तेन वणिकपुत्रेण जाग्रता ॥ ११ ॥
अनाख्याय कथां सुप्तः पापो ऽयं तच्छपाम्यहम् ।
परिद्रच्यत्यसौ हारं प्रातस्तं चेद्ग्रहीष्यति ॥ १२ ॥

कण्ठलग्नेन तेनैष तत्क्षणं मृत्युमाप्स्यति ।
इत्युक्त्वा विररामैका द्वितीया च ततो ऽब्रवीत् ॥ १३ ॥
अतो यद्ययमुत्तीर्णस्तद्द्रक्ष्यत्याम्रपादपम् ।
भोक्ष्यते चेत्फलान्यस्य ततः प्राणैर्विमोक्ष्यते ॥ १४ ॥
इत्युक्त्वा व्यरमत्सापि तृतीयाभिदधे ततः ।
यद्येतदपि तीर्णो ऽयं तद्विवाहकृते गृहम् ॥ १५ ॥
प्रविष्टश्चेत्तदेवास्य हन्तुं पृष्ठे पतिष्यति ।
उक्त्वेति न्यवृतत्सापि चतुर्थी व्याहरत्ततः ॥ १६ ॥
अतो ऽपि यदि निस्तीर्णस्तन्नक्तं वासवेश्मनि ।
प्रविष्टः शतकृत्वो ऽयं क्षुतं सद्यः करिष्यति ॥ १७ ॥
शतकृत्वो ऽपि यद्यस्य जीवेति न वदिष्यति ।
कश्चिदत्र ततश्चैष मृत्योर्वशमुपैष्यति ॥ १८ ॥
येन चेदं श्रुतं सो ऽस्य रक्षार्थं यदि वक्ष्यति ।
तस्यापि भविता मृत्युरित्युक्त्वा सा न्यवर्तत ॥ १९ ॥
वणिकसुतश्च तत्सर्वं श्रुत्वा निर्घातदारुणम्[1] ।
स तस्य राजपुत्रस्य स्नेहोद्विग्नो व्यचिन्तयत ॥ २० ॥
उपक्रान्तामनाख्यातां धिक्कथां यदलक्षिताः ।
देवताः श्रोतुमायाताः शपन्त्यस्तु कुतूहलात्[2] ॥ २१ ॥
तदेतस्मिन्मृते राजसुते को ऽर्थो ममासुभिः ।
अतो ऽयं रक्षणीयो मे युक्त्या प्राणसमः सुहृत् ॥ २२ ॥
वृत्तान्तो ऽपि न वाच्यो ऽस्य मा भूद्दोषो ममाप्यतः ।
इत्यालोच्य निशां निन्ये स कृच्छ्रेण वणिकसुतः ॥ २३ ॥
राजपुत्रो ऽपि स प्रातः प्रस्थितस्तत्सखः पथि ।
ददर्श पुरतो हारं तमादातुमियेष च ॥ २४ ॥
ततो ऽब्रवीद्वणिकपुत्रो हारं मा स्म ग्रहीः सखे ।
मायेयमन्यथा नैते पश्येयुः सैनिकाः कथम् ॥ २५ ॥
तच्छ्रुत्वा तं परित्यज्य गच्छन्नग्रे ददर्श सः ।
आम्रवृक्षं फलान्यस्य भोक्तुं वैच्छन्नृपात्मजः ॥ २६ ॥

1) § 317b. 2) 是否 शपन्त्यतिकुतूहलात्?

वणिक्पुत्रेण च प्राग्वत्ततोऽपि स निवारितः ।
सान्तःखेदः शनैर्गच्छन्प्राप श्वशुरवेश्म तत् ॥ २७ ॥
तत्रोद्वाहकृते वेश्म विशन्द्वारान्निवर्तितः ।
तेनैव सख्या यावच्च तावत्तत्पतितं गृहम् ॥ २८ ॥
ततः कथंचिदुत्तीर्णः किंचित्सप्रत्ययो निशि ।
निवासकं विवेशान्यं राजपुत्रो वधूसखः ॥ २९ ॥
तत्र तस्मिन्वणिक्पुत्रे प्रविश्यालक्षितस्थिते ।
शतकृत्वः क्षुतं चक्रे शयनीयाश्रितोऽथ सः ॥ ३० ॥
शतकृत्वोऽपि तस्यात्र नीचैर्जीवेत्युदीर्य सः ।
कृतकार्यो वणिक्पुत्रो हृष्टः स्वैरं बहिर्ययौ ॥ ३१ ॥
निर्यान्तं तमपश्यच्च राजपुत्रो वधूसखः ।
ईर्ष्याविस्मृततत्स्नेहः क्रुद्धो द्वाःस्थानुवाच च ॥ ३२ ॥
पापात्मायं रहःस्थस्य प्रविष्टोऽन्तःपुरं मम ।
तद्बद्ध्वा स्थाप्यतां यावत्प्रभातेऽसौ निगृह्यते ॥ ३३ ॥
तद्बद्ध्वा रक्षिभिर्बद्धो निशां निन्ये वणिक्सुतः ।
प्रातर्वध्यभुवं तैश्च नीयमानोऽब्रवीत्स तान् ॥ ३४ ॥
आदौ नयत मां तावद्राजपुत्रान्तिकं यतः ।
वक्ष्यामि कारणं किंचित्ततः कुरुत मे वधम् ॥ ३५ ॥
इत्युक्तैस्तेन तैर्गत्वा विज्ञप्तः स नृपात्मजः ।
सचिवैर्बोधितश्चान्यैस्तस्यानयनमादिशत् ॥ ३६ ॥
आनीतः सोऽब्रवीत्तस्मै वृत्तान्तं राजसूनवे ।
प्रत्ययाद्गृहपातोत्थान्मेने सत्यं च सोऽपि तत् ॥ ३७ ॥
ततस्तुष्टः समं सख्या वधमुक्तेन तेन सः ।
आययौ राजतनयः कृतदारो निजां पुरीम् ॥ ३८ ॥
तत्र सोऽपि सुहृत्तस्य कृतदारो वणिक्सुतः ।
स्तूयमानगुणः सर्वैर्जनैरासीद्यथासुखम् ॥ ३९ ॥

词汇中所用缩略语

Ā. ——Ātmanepada　中间语态。

A. ——Avyayībhāva　§ 325。

Adj. ——Adjektivum　形容词。

Adv. ——Adverbium　副词。

Avy. ——　不变词，副词。

Den. ——Denominativum　名动词。

Du. ——Dual　双数。

enkl. ——enklitisch　不可在句首出现的、跟在其他词后面的缩略语。

f. ——Femininum　阴性。

Fut. ——Futurum　将来时。

Kaus. ——Kausativum　致使动词。

Kaus. Pass. ——致使动词被动语态。

m. ——Maskulinum　阴性。

n. ——Neutrum　中性。

P. ——Parasmaipada　主动语态。

P. ——Partizipium Prateritum　过去时分词。

Pl. ——Plural　复 数。

Prap. ——Präposition　前置介词。

Pron. ——Pronomen　代词。

Sg. ——Singular　单数。

St. ——Stamm　语干。

词　汇

本书篇首对缩略语做了说明(指原书,一译者)。p. 在词汇中始终表示 Partic. Prät. (§ 273)。数字表示现在时类属,括号内的数字表示 §§ 第…节。词前或词后的 ° 表示这个词是一个复合词的末肢或前肢。

排列:Anusvāra 和 Visarga 在字母顺序中的位置是在第一个辅音(क)之前。复合动词在简单字根下。

अ　Pron. St. § 119。

अ°　,在元音前 अन्°,否定前缀 =un-(译者注:un-是德语)。

अकस्मात् 意料外的,突然。

अक्ष m. 色子。

अक्षम 无能的。

अक्षय 不消失的,永恒的。

अक्षौहिणी f. 军队。

अग्नि m. 火,火神。

अग्र n. 尖端;依格:在…之前(加属格),前面,之前;向前,前进。

अङ्कित 有标记的。

अङ्ग n. 肢体,身体。多财释阴性 ई。

अङ्गना f. 妇人。

अङ्गसेवक m. 保镖。

अङ्गुल m. 拇指宽。

अचल 不动的;m. 山,山脉。

अजस्रम् Adv. 不停顿地。

अजा f. 山羊。

अजानत् (ज्ञा)不认识的。

अञ्जलि m. 双手合十。

अट् 1. 漫游。

अण्ड n　蛋。

अण्डज m. 鸟。

अतन्द्रित 无疲倦的。

अतस्　(Ab; § 59)由此;因此。

अति°　超出,很,特别。

अतिथि m. 客人。

अतिरेक m. 过量。

अतीत n. 过去。

अतीव 很。

अत्र　अ(113 注)语干的依格,这儿,那儿;在此。

अत्वरा f. 不急。

अथ 于是，当时，然后；अथवा 或者，或者更加，正是；如果。

अद् 2. 吃。

अदर्शन n. 不见。

अदस् §120。

अदृश्य 看不见的。

अदृष्ट 没看见的，没想到的。

अद्भुत 绝妙的。

अद्य 今天，现在。

अधर m 下唇，唇。

अधस्तात् 下半，(加属格 G.)…之下。

अधिक 更大，更强，多于，更坏。

अधिप 统治者。 m.

अधिष्ठान 地方。 n.

अधुना 现在。

अधोमुख (多财释). f. ई ，脸朝下的。

अध्याय 章。 m.

अध्वन् m. 路。

अन्° 见 अ°

अनघ 无罪的，无错的。

अनन्त 无边无际的。

अनन्तरम् 紧随，继之(复合词)。

अनपत्य 无子嗣的。f. आ

अनर्थ m. 不幸，灾难，损失。

अनवद्य 无可指责的，无瑕的。

अनशन n. 不食，禁食。

अनागत n. 将来。

अनागतवत् 将来的，未来的。

अनादि 无始的。

अनामय n. 健康。

अनायक 无头领的。

अनारतम् Adv. 无休止地。

अनिच्छत् 不希望的。

अनुग्रह m. 恩惠，欢喜

अनुचर m. 侍从。

अनुव्रत 忠诚的，忠实的(用业格)。

अनुष्ठान n. 执行。

अनुष्ठित 见 स्था + अनु 。

अनुसारिन् 随行的。

अनृत 不真实的。

अनेक Pl. 多，许多。

अन्त m. n. 终端，边界，目的；解决。 अन्तं गम् 发现，明白。

अन्त:खेद m. 心中的烦恼。

अन्त:पुर n. 闺阁，后宫。

अन्तकर 结束，使结束的。

अन्तकाल m. 死期。

अन्तर n. 中间的时间，时间，机会；区别。在复合词尾部：另一个。

अन्तरपूरुष m. 灵魂，良心。

अन्तरात्मन् m. 灵魂，心。
अन्तरिक्ष n. 空中；**°ग** m. 鸟。
अन्तिक n. 附近。
अन्ध 瞎，**अन्धीभू** 变瞎。
अन्न n. 饭食。
अन्य (116)另一个，其他；**अन्य-स्मिन्नहनि** 一天。**अन्यच्च** 而且再者，另外。
अन्यतम 众多之一。
अन्यतस् 往别处去 7。
अन्यथा 不然，否则。
अन्योन्य 互相；**°म्** Adv. 相互。
अन्वित 见 इ + अनु。
अप् f. Pl(102)水。
अपण्डित 无学问的。
अपत्य n. 孩子。
अपर (118)另一个；**°म्** 其次，此外。
अपराङ्मुख 不掉转脸的，不胆小的。
अपराध m. 罪过。
अपसद् m. 逐出者。
अपि 也，既使，甚至，连…，尽管…；但是，并且。疑问词后见 §121。在数词以及类似词后＝所有。
अप्रज 无孩子的。
अप्रतिम 无比的。
अप्रतिषिद्ध (सिध्) 不禁止的。
अप्रिय 对…(属格)不可爱的，不适的。
अबल 弱的。
अब्द m. 年。
अभाग्य n. 不幸。
अभाव m. 缺陷。
अभिधा f. 名字。在多财释尾部＝著名的。
अभिभाषिन् 向…说话的。
अभिमुख ，Adv. **°खम्**，向着…，冲着…去。
अभिहित 见 धा + अभि
अभीप्सु 渴求(加业格)。
अभ्यास m. 练习。
अभ्र n. 云。
अमर 长生不老；**°वत्** 像神一样。
अमु §120。
अमृत n 甘露。
अय् 1. Ā. + **पला** 逃跑。
अयम् §119。
अयुक्त 不适当的，不对的。
अयोनि 无根由的。
अरक्षितृ 不保护的。
अरण्य n. 森林。

अरत्न 无珠宝的。
अर्क m. 太阳。
अर्च् 10. 尊敬。
अर्जित 获得的。
अर्थ m. 事，事情；钱；利益，好处，从…中（具格）获利；业、为、依格：为了…，因为…，为…。
अर्थय Den. 请求，要求。
प्र- 渴求，请求。
अर्थवत् 富有。
अर्थिन् 渴求、贪图…（具格）；有事情的。
अर्दित 受伤的，受了折磨的。
अर्ध 半；n 半。
अर्पय 见 **ऋ**。
अर्ह 1. 但愿，可能，应该，可以。
अलक्षित 未被察觉的。
अलम् 足够；够了，别管…（具格）；见 **कृ**。
अलीक 意想不到的，注定的。
अल्प 小，少。
अवट m. 洞。
अवयव m. 肢，分支。
अवश 不情愿的，不愿意的。
अवस्था f. 状况。
अविकल्पम् Adv. 无顾虑。
अविदुस् 无知的，无学问的。
अविशङ्क 不犹豫的。
अव्यय 始终。
अश् 5. 达到。
अशक्त 和 **अशक्तवत्** 无财产的。
अशुचि 不洁的。
अशुभ 坏，恶；不适；n. 恶事。
अशृण्वत् 不听。
अशेष 无余，完全，全体。
अशोच्य 无可埋怨的。
अश्रु n 眼泪。
अश्व m 马。
अश्विन् m. Du. 两个神的名字。
अष्टगुण 八倍。
अस् 2. 是，存在。
असंतोष m. 不满意。
असंभाव्य 不可实现的。
असती f. 不贞的妇人。
असत्य 不真实，假。
असाध्य 不可实行的，不可达到的，没治的，不可救药的。
असार 不值钱的，无价值的。
असि m. 剑。
असु pl. 生命。
असौ §120。
अस्तम् 与 **गम्** 搭配，下去，下山。
अस्मत्： **वयम्** 的从格 §111。
अस्मदीय Adj. 我们的。

अह् 说(211)。
प्र- 说。
अहन् n.(100)一天,日。
अहम् §111。
अहिच्छत्र 一个国家的名称。
अहो 喂,啊,唉,哈。

आकाश m. 空中。
आकिंचन्य n. 一贫如洗。
आकुल 充满…,…富足;压抑的,忧郁。
आकृति f. 形体。
आख्या f. 名字。
आगमन n. 来。
आटोप m. 吹起。
आढ्य 富足。
आत्मज m. 儿子。
आत्मन् m. 心灵,内部;自我。
आत्मस्वरूप n. 自我状况,一状况。
आदि m. 开始;依格:首先,先于。在多财释尾部:以…为始=等等;**इत्यादि** 如此等等。
आदितस् 首先。
आदित्य m. 太阳;**°वत्** 像太阳般。
आद्य 第一个。在多财释中=**आदि**。
आनन n. 面目。
आनयन n. 引导。
आप् 5. 得到;特殊形式:一愿望式:**ईप्स**(260)渴求,意图;p. **ईप्सित** 所希望的,被…(属格)所爱的。**प्र-** 达到,获得,到,到达;p. **प्राप्त** 达到了,到了,到达了。
आपद् f. 不幸,灾难。
आप्त 合适的,可靠的,了解的。
आभरण n. 饰物。
आभ्यन्तर 里面,内部的。
आम्र m 芒果。
आयत 见**यम्**+**आ**。
आयुःशेषता f. 享有剩余的命。
आयुध n. 武器。
आयुस n. 生命。
आरम्भ m. 行动(特别指战争的)。
आराधन n. 获得。
आरोह m. 臀部。
आर्त 受惩罚的,受折磨的。
आर्द्र 湿;软。
आर्य 受尊敬的;m. 荣誉人。
आलाप m. 谈话。
आशा f. 希望。
आशु 快,迅速;n. 作副词。

आम 噢，喔唷。

आस् 2. Ā（在史诗中也有 1. P.）坐，停留，交往。

पर्युप- 环绕，服侍。

आसन n. 座位。

आसन्न 见 सद् + आ。

आहार m. 饮食。

इ 2.（152）走，来。

अनु- p. 在…陪同下，带着……充满…。

समनु- p. 带有，充满。

अभि- 走，来，走来。

समभि- 来。

आ- 去，去…。

अभ्या- 来、拜访。

समभ्या- 同向…去；去

समा- p. 联合，具备…。

उद्- 升起，p. उदित。

उप- 到达；p. 有天赋的，具备…。

समुप- 走来。

प्र- 死；p. 死去的 प्रेत。

इक्षुमती f. 一条河的名称。

इच्छ 见 इष्。

इच्छा f 希望。

इतर（116）另一个。

इतस् 由此处； इतस्ततः 这儿那儿，四处； इतश्चेतश्च （出）这儿和那儿。

इति 如此，如此这般，说道；在直接引语之后。

इदम् §119。

इन्दु m. 月亮。

इन्द्र m. 众神之王的名称；君主，王。

इन्द्रिय n 感官，根。

इमम्, इयम् §119。

इव （缩略语）像…，与…同，几乎，相当。

इष् 4. 加 प्र Kaus.：送。

इष् 6.（143a）希望，找寻；p. इष्ट 所希望的，可爱的，恰当的。

इह 这儿，到这儿；跪下。

ईक्ष् 1. Ā. 看见。

प्र- 见，仔细看，搜寻。

प्रति- 等候。

सम्- 看见，看出。

ईदृश, f. ई, 这样的。

ईप्स- 见 आप्。

ईर् Kaus. 说出；加 उद् 同义。

ईर्ष्या f. 嫉妒。

ईश 有能力的；m 主人。

ईश्वर m. 主人，主宰者。

उक्त 见 **वच्** (277a)。
उक्ति f. 话。
उग्र 激烈，严厉。
उचित 合适的。
उत 和，也。
उत्कट 野，疯。
उत्कर्ष m. 过量。
उत्तम 最高的，最好的。
°उत्थ 由…产生的(302a)。
उत्था, उत्थित 见 **स्था + उद्**。
उत्पादिन् 所产生的。
उत्सङ्ग m. 怀中。
उत्सव 庆典。m.
उदक n. 水。
उदय 升起。m.
उदार 崇高的，尊贵的。
उदित 见 **इ + उद्**。
उद्देश m. 区，地方。
उद्यम m. 行动，准备，起动。
उद्वाह m 结婚，婚礼。
उन्मत्त 见 **मद् + उद्**。
उपचार 治疗，医疗。m.
उपदेश 教训。m.
उपपत्ति 见 **पद् + उप**。
उपमा f. 平等，在多财释尾部：像…，可与…比。
उपरि (支配属格或在复合词中)高于，在…之上，超过…；向上，上去，**उपर्युपरि** 高高在…之上。
उपवन n. 树林。
उपाख्यान n. 讲述。
उपाय m. 方法，出路。
उरग m. 蛇，与蛇相似的神化动物。
उर्वरित 剩余的。
उलूक m 猫头鹰。
ऊर्ध्व 朝上的。
ऊषर m. n. 不毛之地。

ऋ 1. (**ऋच्छ्**, § 143a)走进。— Kaus. **अर्पय** 交出。加 **सम्** 同上。
ऋते 无，除了(支配业格)。
ऋषि m. 圣者，智者。

एक, f. **आ**, 一个，唯一的，同一个，任何一个。
एकदा 曾经。
एकदृष्टि f. 不旁顾的目光。
एकपुत्रता f. 独子。
एकरूप 同一形状，同一种类。
एकाकिन् 独自，孤独。
एकार्थ m. 同一目的。
एकैक 每个，**°शस्** 个别。
एतद् (114)这个，这；**एतदर्थम्**

因此。

एतावत् 如此多，这样的。

एनद् (114) 他。

एव 就，才，仅，已经，只有，几乎，甚至，正是，更，也。突出前面的词，和 **तद्** 搭配，正是这个。

एवंविध 如此的。

एवम् 这般，这样。

ओजस् n. 强，力量。

औषध n. 药。

क 见 **किम्**。

कक्षा f. 围墙。

कच्चिद् 疑问虚词，是否。

कञ्चुकिन् 内侍，管家。m.

कण्ठ m. 喉咙，脖。

कथम् 怎样？怎么回事？**कथमपि** 勉强地，险些；**कथंचन** 无论怎样，加 **न** 无论如何，绝不；**कथंचिद्** 凑合，勉强地，几乎不，加 **न** 根本不。

कथय 名动词，讲述(…用业格)，告诉，报告；说。

कथा f. 故事，传说，谈话。

कदा 何时？**कदापि** 不管什么时候，曾经；**कदाचन** 不论何时，曾经，**कदाचिद्** 有一次，曾经；也许。

कनक n. 金子。

कनीयस् (109) 年龄稍小的(儿子)，

कन्दर्प m. 爱神。

कन्यका f. 姑娘，女儿。

कन्या f. 姑娘，处女，女儿。

कपोत 鸽。m.

कमल n. 莲花。

कमला f. 幸福女神的名字。

कर 1. 做着。2. m. 手。

करण n. 做，完成。

करुण 可怜的；**°णा** f. 同情，怜悯。

करेणुका f. 小母象。

कर्ण m. 耳朵。

कर्णय 名动词，加 **आ** 听。

कर्तव्य 要做的，应该做的。

कर्तृ 做；m. 制造者。

कर्पूर m. n. 樟木。

कर्मन् n. 业，事情，行为。

कर्हिचिद् 任何时候，曾经。

कल् 10. (**कलय**) 加 **आ** 考虑。

कलत्र n. 妻。

कलह m. 争吵，吵架。

कल्याण, f. ई, 美丽的。

कवि m. 诗人。

कस्तूरिका f. 麝香。

काक m. 乌鸦。

काङ्क्ष् 1. 渴求，**आ-** 渴求，争取。

कातर 畏缩，胆小。

कान्त 亲爱的，亲爱者。

कान्ति f. 美，妩媚。

काम m. 愿望，爱情，爱欲；爱神。在多财释尾部：盼望…。

कामदुह f.（18III 注）神牛。

कारक 做着的。

कारण n. 原因，起因，从格：由于。

यत्का° 见该条。

कार्य 应该做的；n. 事情，事，业务；必要性。

काल m. 时间，正是时候。

कालक्षेप m. 时间的浪费，延误。

कालहार m. 时间的赢得，推迟。

काश् 1.Ā. 加 **प्र** 公开，暴露；Kaus. 告密。

काष्ठ n. 木块。

काष्ठकूट m. 啄木鸟。

किम् 1）疑问词语干（115）谁？n. **किम्** 加具格：要…干吗？这有何用？干什么用？—**कस्मात्** 为什么？2）加 **अपि, चन, चिद्**（随便）一个，某人，某些，某个，n. 一些；**न कश्चिद्** 无任何一个。3）**किम्** 疑问词：为什么？4）**किं तु** 但是，不过。**किं वा** 或许？。

किमर्थम् 为什么？。

कियन्मात्र 微少的，不足道的。

किरात m. 一个野蛮部落的名称。

किरीट n. 王冠。

किल 当真，如人云。

कीटिका f. 虫。

कीर्तय Den. 加 **सम्** 宣布。

कील m. 楔子。

कीला f. 胳膊肘。

कुञ्जर m. 象。

कुतस् 更谈不上。

कुतूहल n. 好奇心，兴趣，热情。

कुप् 4. 生气（用属格）

प्र- 发怒。

कुमार m. 男孩。

कुल n. 家族，家庭。

कुशल n. 安好。

कुशलिन् 健康。

कुस्त्री f. 坏女人。

कूप m. 井。

कूल n. 岸。

कृ 8.（182）做，行动，执行，建立，提供，处理，搞到，使用；显示，

接受，抓住；拿；关上。—Kaus. 使做，订。—愿望式(259)想做。

अलम्-, समलम्- ，装饰。

परिष् (302b)安装，装饰。

प्र- 做，抓住。

कृच्छ्र n. 困难；具格：困难地，费劲地。

कृतकार्य 达到了目的的(320a)。

कृतान्त m. 死神。

कृते 为了…原因(支配属格或在复合词中)。

°कृत्वस् …次(128)。

कृत्स्न, f. **आ**. 完全。

कृपण 悲惨的：n. 悲惨，不幸。

कृश 瘦，苗条。

कृष् 1. 加 **आ** 扯过来。

कॄ 6. 撒开，散开。

कॢप् 1. Ā. 适合。

उप- Kaus. 放好，呈上。

वि- Ā. 有疑问的，不保险的。

कोप m. 愤怒。

कोविद 熟练的。

कोश m. 库藏，财产。

कौन्तेय Kunti 的儿子(坚阵)。

कौरव्य m. 俱卢族(Kuru)的后代。

कौलिक m. 纺织工。

कौस्तुभ m. 毗湿努神的胸宝石。

क्रम् 1. (143b)迈步。p. **क्रान्त**。

अति- 过去，流逝。

समति- 超越；p. 超越的。

आ- 侵占，占领。

उप- 出发，开始。

निस्- 走出去。

प्र- 出发。

क्रिया f. 业，动作，祭祀事(祭死者)。

क्री 9. 买；**वि-** 卖。

क्रुध् 4. 发怒：p. **क्रुद्ध** 愤怒的。

क्लेश m. 疼痛，痛苦。

क्व 哪里？加 **अपि**, **चिद्** 无论何处。

क्षण m. 刹那，瞬间，时，具格：一眨眼的工夫。**तत्क्षणम्** 和 **तत्क्षणात्** 一瞬间，须臾。

क्षत्रिय m. 刹帝利(种姓之二)。

क्षम् 1. 原谅。

क्षमा f. 忍耐，耐心。

क्षय m. 竭尽，损失。

क्षार 咸。

क्षिति f. 大地。

क्षिप् 6. 投掷。

आ- 使暗淡。

समुद्- 举起。

प्र- 插入，掩蔽。

वि- 到处扔，驱散。

सम्- 毁灭。

क्षिप्र 快。Adv. क्षिप्रम् 疾速。

क्षीरसमुद्र m. 乳海。

क्षीराब्धि m. 乳海。

क्षु 2. 打喷嚏；p. n. 喷嚏。

ख n. 天空、空气。

खग 和 खगम m. 鸟。

खट्वा f. 床。

खड्ग m. 剑。

खण्ड् 10. 弄成碎块，损害；p.

खण्डित 受伤的，失望的，损害了的：n. 伤，伤口。

खण्डन n. 损伤。

खर m. 驴。

खलु 实在，确实。न खलु 确实不、完全不。

खादितृ m. 食者、狼吞虎咽者。

खुर m. 蹄。

ख्या 2. 称作、叫做。

आ- 讲述，报告，列举，告知。

प्रत्या- 谢绝。

॰ग (314c)处在…。

गगण 和 गगन n. 天空，空气。

गच्छ 见 गम्(143a)。

गज m. 大象。

गण m. 群，随从。

गत （गम् 的 p.）走了，到达了（…业格）；过去了，消失了；处在：एवं गते §60。

गतायुस् (320a)死。

गति f. 步态；到达；目的。

गदा f. 棍棒。

गद्य n. 散文。

गन्ता गम् 的迂回将来时形式(234、55b)。

गन्ध m. 香气。

गन्धर्व m. 半神的名字，乾达婆。

गम् 1. (143a)走，往，陷入（…业格），来；过去，去掉，赴，落到（依格）。—Kaus. (254)带来。

अभि- 来，往。

आ- 来，往。

अभ्या- 过来。

समुपा- 一起来。

समा- 聚集，p. समागत 聚集起来的，联合起来的。

उप- 向…去，往。

निस्- 出。

प्रति- 归来。

वि- 走开，消失。

गम्य 可接近的，暴露的（用具格）。

गरीयस् （属 **गुरु**，§109）更重，更重要的。

गरुड m. 毗湿奴的坐骑鸟的名称，金翅鸟。

गरुत्मत् m. 鸟；金翅鸟。

गर्त m. 和 **°आ** f. 坑。

गर्दभ m. 驴。

गव 在复合词开头＝ **गो** 。

गात्र n. 肢。

गान्धर्व 与乾达婆有关的；加**विवाह** 乾达婆婚＝恋爱结婚。

गिर् f. 语，语言，声音。

गिरि m. 山。

गुण m. 品德，利益，美德。

गुणवत् 有德的，有益的。

गुणिन् 有德性的。

गुप्त 隐藏的，秘密的。

गुरु 重，m. 教师。

गुह् 1.（143b）藏；p. **गूढ**（51a）。

गूढसेन m. 人名。

गृह् （189a）见 **ग्रह** 。

गृह m. n. 房子。

गेय n. 歌。

गै 1. 唱。

गो m. f.（79）公牛，奶牛。

गोप m. 放牛人。

ग्रस् 1. 吞咽。

ग्रह 9.（186b. 187A）攫取，抓，捉住；拿，获入…的控制中，赢得，弄到手 。

नि- 惩罚，处决；压制。

ग्रह m. 行星，魔鬼。

ग्राम m. 村落，群，阶级。

ग्राह्य 应得到认可的。

ग्लै 1. 厌恶。

घट् Kaus.（254）做成。

घट m. 罐。

घर्म m. 炎热。

घोष 喧噪

घ्रा 1.（143h）2. 嗅。加 **आ-** 嗅。

च （附带词）和（有时放的位置不对）。经常加 **एव** 加强。

च — च 既…也…。

चक्र n. 轮；圆盘；**°वत्** 如车轮一般的。

चक्षुस् 眼睛。 n.

चञ्चु f.（鸟）嘴。

चट् 1. 落到。

चटक m. **आ** f. 雀。

चतुःशाल 四间屋的。

चतुर् （124）4。

चतुर 舒适的。
चतुर्गुण 4倍。
चतुर्थ, f. **ई**, 第4。
चन §121。
चन्द्र m. 月亮。
चन्द्रार्क m. Du.(309,1)月亮和太阳。
चपल 轻率的,不理智的。
चर् 1. 走。
अति- 错过。
आ- 处理,做。
उप- 对待,处理。
प्र- 继续走,活下去。
वि- 遍游。Kaus. 考虑。
चर्मन् n. 皮。
चल् 1. 行动,走开,动,躲开。Kaus. 动,移动。
चल 不安定的,易变的。
चलन n. 摇动。
चाप m. 弓。
चारण m. 巡回艺人,民谣歌手。
चारु 可爱的。
चि 5. 堆积。
निस्- 确定,决定。
चिकित्सक m. 医生。
चिकीर्ष **कृ** 的愿望式。
चित्त n. 思想,识,心,性情。
चित्र 花的,五颜六色的。
चिद् §121。
चिन्त् 10. 想,思考,考虑,想出,想起。
अनु- 想…。
वि- 考虑,想…。
सम- 熟虑,想…。
चिन्ता f. 思想,忧虑,计划。
चिर 长(时间的)。从格:长时间以后。
चिरकाल m. 长时间。
चिह्न n. 标志,属性。
चिह्नित 有记号的,可辨认的。
चुम्बन 接吻。n.
चेतना f. 觉悟,精神。
चेद् 如果;**नो चेद्** 如果不,则……。
चोर m. 小偷。
छद् 掩藏;p. **छन्न**。
प्र- 掩藏;p. 秘密的。
छाया f. 阴影。
छिद्र n. 洞。

°ज (314c)产生的。
जगत् n. 世界。
जग्ध (277i)吃了的。
जङ्घा f. 小腿。
जन् 4.(143d)Ā. 出生。成为,p.

जात 生出来了、成为…的、存在的。 **सम्-** 产生、成为。

जन m. 人、个人；人民、众人，人员。

जननी f. 母亲。

जन्मन् n. 出生。

जय m. 胜利。

जरा f. 年龄。

जर्जर 打碎；**°रीकृ**(303)打得血淋淋。

जर्जरित 裂开的、受伤的。

जल n. 水。

जलाशय m. 池塘。

जलौकस् f. 水蛭。

जल्प् 1. 讲话。

जागृ 2.(148a. 264)醒。

जात 见 **जन्** 。

जातरूप n. 金。

जाति f. 出生。

जातु 有一次、一天。

जानु n. 膝。

जामातृ m. 女婿。

जाय 见 **जन्** 。

जाया f. 妻。

जार m. 情人、花花公子。

जाह्नवी 恒河的名字。 f.

जि 1. 胜利，战胜，克服。

जितेन्द्रिय 能够控制感官的。

जीर्ण 见 **जॄ** 。

जीव् 1. 生活。

जीवित n. 生活。

जुहाव **हु** 的完成时(207)。

जॄ 4.(141)变老；p. **जीर्ण** 老。

°ज्ञ (314b)了解的，熟习的。

ज्ञा 9.(186)c 知道，了解，认出，认识，了知，了解到，弄明白。支配业格，有时属格。

अभि- 认出。

प्रति- 许诺，答应。

वि- 认出，获知，知道，认识，了解，得知。Kaus.(255)使某人知道。

ज्येष्ठ (109)m. 最大的(儿子)。

झटिति 马上，立即。

ञम्ब् 10. 加 **वि** 嘲弄。

ञी 4. Ā. 加 **उद्** 飞上去。

त 见 **तद्** 。

तक्र n. 脱脂牛奶。

तट m. 斜坡，边。

तड् 10. 打，击。

ततस् 由此，从那儿；那儿；之后，然后，所以；由此出。

तत्र 那儿，在那儿，去那里，在彼处；在这里。 **तत्र तत्र** 到处都

是。

तथा 如此，同样；亦是，亦尔，且；正是！好！对！ **तथापि** 也如此，尽管。**तथैव** 同样。

तथारूप 有如此体形的。

तथाविध 这种的。

तद् 代词语干(114)，这，他；**तत्तद्** 这一切；副词 **तद्** 后来，所以，因此，那儿；**तेन** 所以；**तस्मात्** 所以。 **तदपि** 尽管。

तदवस्थ 处于这种状况的。

तदा 然后，这时；**तदैव** 同时，立刻。

तदृश् 同样。

तनय m. 儿子。

तनु 瘦，苗条。

तप 1. 烧，烫。

तपस् n. 禁欲苦行，苦行。

तपस्विन्，f. **ई**，苦行的，虔诚的。

तमस् n. 黑暗。

तमाल m. 一种树的名字。

तरु m. 树。

तरुण 年轻，f. **ई** 年轻女子。

तर्क 10. 考虑，思索。

तर्हि 然后，这种情况下。

तल m. n. 平面，底，地面。

तात m. 父亲。

तादृश् 这样的。

तावत् 如此大。Adv. 如此长，这时；首先，即刻；正是，仅。

तिथि m. 有月亮的日子，新月日。

तिलशस् Adv. 如芝麻粒般的，碎如糊状。

तिष्ठ 见 **स्था**。

तीर् n. 岸。

तीर्ण 见 **तॄ**。

तीव्र 尖锐的。

तु 但是，正相反；虚词。

तुल्य 同等，犹如(支配具格)。

तुष् 4. 满意，p. **तुष्ट** 满意。Kaus. 使满意。

तुष्टि f. 心满意足；**तुष्टिं वि-धा** 满足于…(具格)。

तृण n. 草，草杆，干草。

तृतीय，f. **आ**. 第三。

तृप्त 饱了，饱。

तृषा f. 渴。

तॄ 1. 渡过；免于…(业格)；p. **तीर्ण**。

अव- 下来，降下。

उद्- 出现；挣脱(从格)。

निस्- 挣脱(从格)。

ते §111，114。

तेजस् n. 火，火芒，耀眼的现

象；力量，权力。

तोरण n. 门拱。

त्यज् 1. 离开，丢开，放弃，放置，牺牲。

परि- 离开，丢开。

त्याग m. 放弃，舍弃。

त्यागवत् 放弃的。

त्रपा f. 羞愧。

त्रा 2. = **त्रै** 1. Ā. 保护，救。

त्रि (124)三。

त्रिदश m. Pl. 30位＝众神。

त्रैलोक्य n. 三界。

त्वद्, त्वम् §111。

त्वर् 1. Ā. 急忙；p. **त्वरित**, f. **आ**, 疾速。

दंपति, Du. **°ती** 男人和女人，夫妻。

दंश् 1. (143g)咬。

दग्ध 见 **दह्** 。

दण्ड m. 棍棒，刑罚。

दण्डिन् m. 持棒人，守门人。

दण्ड्य 该受罚的。

दधि n. 酸牛奶。

दन्तधावन n. 刷牙用具(一种木料)。

दम 和 **दमन** m. 人名。

दमयन्ती f. 人名

दम्भ m. 欺骗。

दम्भिन् m. 诈骗者。

दयित 亲爱的。

दरिद्र 穷。

दर्दुर m. 青蛙。

दर्शन n. 看，观，视野；外观。

°दर्शिन् 看着。

दश 见 **दंश्** 。

दशन ＋。

दशा f. 人的命运。

दह् 1. 烧，烧毁。

दा 3. (170)给予，提供，供奉；移置，放置，搁；p. **दत्त** (277i)。

आ- Ā. 拿来。

दान n. 施舍。

दानव m. 某些魔鬼的名字。

दान्त 专有名词。

दार m. Pl. 妻；与 **कृ** 搭配，结婚。

दारिद्र्य n. 贫穷。

दारु n. 木。

दारुण 硬的，可怕的。

दारुमय 木质的。

दास m. 奴隶，f. **ई** 奴婢。

दिदृक्षु 渴望见到。

दिवस m. 天，白天。

दिन n. 天，白天。

दिवा 在白天。
दिवौकस् m. 天上的居民。
दिव्य 天上的。
दिश् 6. 指示。
आ- 指示，说，命令。
उप- 安排。
प्र- 指，示。
दिश् f. 方向。
दिष्ट n. 命运。
दिष्या （具格）感谢上天！天神保佑！
दीन 悲惨的，忧伤的，畏缩的。
दीप् 4. 放光。加强式(263)大放光彩。
दीर्घ 长久的。
दुःख n. 痛，痛苦，苦恼。
दुःखित 忧郁的，不幸的。
दुःस्पर्श 难触动的。
दुरतिक्रम 难越过的。。
दुरात्मन् 坏；m. 恶。
दुर्ग्राह्य 难抓住的。
दुर्बल 弱。
दुर्भिक्ष n. 饥荒。
दुर्लभ 难搞到的，稀有的。
दुष्कर 难完成的。
दुष्कृत n. 恶行，罪。
दुष्ट 恶。
दुस्त्यज 难舍弃的。。
दुह् 2. 挤奶。
दुहितृ f. 女儿。
दूत m. 使者。
दूर 远的；n. 远方。
दृप्त 放肆，狂妄的。
दृश् （144）看，看见；p. **दृष्ट** — Kaus. 给某人（属格）示某物（业格）。
परि- 看见。
दृश्य 值得见的，尊敬的。
दृष्टपूर्व (318)以前见过的。
दृष्टि f. 见，一瞥，眼。
दॄ 加 **वि** Kaus. 撕碎，抓破，割开。
देव m. 神，天王；王；**देवी** f. 女神；女王，王后。
देवता f. 神性；神像。
देवताभक्त 虔诚的。
देवतायतन n. 庙宇。
देवपति m. 诸神之主＝因陀罗。
देश m. 地点，地方，国土，家乡。
देह m. 身体。
दैत्य m. 某种魔鬼的名字。
दैव n. 命运。
दैवत n. 神性。
दोष m. 错误，损害，罪过，负担，罪。
दौत्य n. 使者处。

द्युत् 1. Ā 加 वि 闪电。
द्रु 1. 跑。
　समुप- 向…疾奔过去。
द्रुत 快速的、०म् Adv。
द्रुह् 4. 迫害。
द्रोह m. 卑鄙、下贱。
द्व 见 द्वि 。
द्वय n. 一对。
द्वाःस्थ m. 看门人。
द्वादश 第十二。
द्वादशन् 十二。
द्वार n. 门。
द्वि (124)二。
द्विगुण 二重的。
द्विजाति m. 婆罗门。
द्वितीय, f. आ, 第二、在多财释中：由…陪伴的。
द्विधा 不变词、二倍、一分为二。

धन n. 钱、财富、宝藏。
धनवत् 富裕的、m. 富人。
धनिन् 有宝藏的，富裕的。
धन्य 幸福。
धन्विन् m. 弓箭手。
०धर 背负…、具备…。
धर्म m. 法，法律、秩序、司法；德操，虔诚性。
धर्मात्मन् 正义的。

धा 3. (170)放置，放；Ā. 取得；p. हित 见该条下。
　अभि- 说，对…说。
　समा- 复原 Ā.； समाहित 见该条。
　नि- 放置。
　पि- (＝अपि) 遮盖、裹上、封闭；p. पिहित
　वि- 做，完成，引起、表示、做完；决定。
　सम्- 给某人(属格)加上……。
धात्री f. 乳母。
धारण n. 背负，持有、放置。
धारा f. 刃。
धाव् 1. 跑。
　समुप- 向……跑去。
धिक् 呸！…(业格)可耻！该死的！
धूर्त 欺骗的、骗子。
धृ 1. 6. 10. 持住、把住；忍受；坚持，持续。
　अव- 听，相识；学习。
धृति f. 坚固、安静。
धृष् Kaus. 降伏。
धैर्य n. 坚固、尊严。
ध्यान n. 思虑，想。
ध्रुव 坚定的、肯定的；०म्

Adv. 一定。

ध्वाङ्क्ष m. 乌鸦。

न 不；नेव 加强的 न。

नक्तम् 在夜间。

नक्र m. 鳄鱼。

नख m. n. 手指甲。

नगर n. 和 नगरी f. 城。

नचिरात् 一会儿，不久。

नट m. 演员。

नद् Kaus. 使发声。

नदी f. 河。

नन्द् 1. 加 अभि 喜欢……。

नन्द m. 专有名词，黑天神的养父。

नभस् n. 天空。

नमस् 敬礼；加 क्र § 300。301b。

नय m. 意图，计划。

नयन n. 眼睛。

नर m. 男人，人。

नरक m. 地狱。

नरेश्वर m. 统治者，国王。

नर्तक m. 舞蹈者。

नल m. 一个国王的名字。

नव 九。

नश् 4. 丢失，消失；p. नष्ट 。

नस् § 111。

नाग m. 大象。

नागदन्त 作墙钉的象牙。

नाथ m. 保护者，主人。

नाना 不变词，各种各样。

नानाप्रकार 各种各样。

नामन् n. 名字，称号；नाम क्र 起名。

नाम Adv. 叫做，即，确实。

नारद m. 专有名词。

नारायण m. = Viṣṇu 毗湿奴。

नारी f. 女人。

नाश m. 没落，损失。

नाशिन् 衰败的。

निःश्वास m. 叹息。

निकष m. 试金石。

निज, f. आ, 自己的，他的。

नित्य 恒久的；°म् Adv. 永远。

निद्रा f. 睡觉。

निधन n. 死亡。

निधान n. 宝藏。

निन्दा f. 斥责。

निभृत 隐蔽的。

निमेष m. 眨眼。

निरन्तक 无尽头的。

निरपाय 无危险的。

निरर्थक 无用的，无目的的。

निरीश्वर 无（控制自己的）主人的。

निर्गुण 无德操的。

निर्घात m. 旋风，雷，霹雳。

निर्दोष 无错误的。

निर्विचार 无决断的。

निर्विशेष 无差别的。

निर्विष 无毒的。

निर्वृति f. 满意，幸福。

निर्वृत्ति f. 没样儿，不规矩。

निर्वेश m. 报酬。

निलय m. 窝。

निवासक m. 住所。

निवेशन n. 住所。

निश् f. 和 निशा f. 夜。

निशीथ m. 子夜。

निश्चय m. 决定；°यं कृ 决心做…（依格）。

निषध m. Pl. 一个民族和一个国家的专有名词。

निसर्ग m. 自然，天性。

निस्तेजस् 无力量的。

नी 1. 引导，领着，拿走，领走，取；带去。

  आ- 领到跟前，带来。

  परि- 结婚。

  प्र- (301a)实行；吐露，信任。

नीच 下贱的，卑鄙的。

नीचैस् Adv. 往下；低声。

नीर n. 水。

नु 大概，就是。

नूनम् 一定，准保，肯定。

नृ m. (78)男人，人。

नृप 和 नृपति m. 国王。

नृशंस 残酷的。

नेत्र n. 眼睛。

नैषध m. 尼舍陀的国王（那罗）。

नो 不；नो चेद् 如果不，则……。

न्यग्रोध m. 印度无花果树。

पक्षिन् m. 鸟。

पच् 1. 煮，烤，使熟。

पञ्चत्व n. 死。

पञ्चन् (125)五。

पञ्चम 第五。

पण्डित 有学问的，聪明的，智慧的；也作名词。

पत् 1. 掉下，倒，摔倒。

  समुद्- 飞起来，跳起来。

  नि- 飞下来。Kaus. 杀死。

  संनि- Kaus. 聚集。

पति m. (67)主人，丈夫。

पतित्व n. 丈夫的身份。

पथ् m. (101)道路。

पथ = पथ्。

पथ्य 有疗效的。

पद् 4. Ā. 走；p. **पन्न**（279c）。
आ- 前往，赴，陷入。Kaus. 使置于。
व्या- Kaus. 害死，杀死。
उद्- 产生，发生，得到。Kaus. 使产生。
उप- 击中；p. **उपपन्न** 有天赋的。
प्रति- 答应，同意。
सम्- 成功，分享；p. 完全具备，有…天赋 **संपन्न**。
पदस्थ 处在高位的。
पद्म n. 莲花。
पद्मिनी f. 莲花池。
पन्न 见 **पद्**。
पर 1. 更高，最高，最大，最好，最外边。——2. 其他的，陌生的，敌人。——3. n. 至高点；在多财释尾部（320b）：完全投身于…，充满…，陷入，着迷于…。——4. **परम्** Adv. 继续，然而，但是。**पर किं तु** 然而，不变词 **ततः परम्** 于是。
परम 最高的，最好的，杰出的；n. 极限；在多财释尾部：＝**पर**——**°म्** Adv. 非常。
परस्परम् Adv. 互相，彼此。
पराक्रम m. 英勇，勇敢。
पराभव m. 轻蔑，侮辱。
परार्थम् 和 **°र्थे** 为了别人。
परिकर m. 随从，陪同。
परितुष्ट 满意的。
परिदेवित n. 诉苦。
परिमल m. 香气，芳香物。
परिश्रम m. 努力。
परिष्कृत 见 **कृ**＋**परि**。
परीवाद m. 诽谤。
पर्जन्य m. 雨云。
पर्वत m. 山；专有名词。
पलाय 见 **अय्**。
पल्लीपुर n. 茅屋镇，野蛮部落的村落。
पश्य् 4.（144）看，初交，看到。
पशु m. 牲畜，动物。
पश्चात् 之后。
पाणि m. 手。
पाण्डव m. 般茶的儿子，般茶婆。
पाण्डु 苍白的；专用人名
पाण्डुर 白的。**°ता** f. 白。
पात m. 倒塌。
पातक m. n. 罪恶。
पाद m. 脚。
पादप m. 树。
पान n. 饮（含酒精的饮品）。
पान्थ m. 旅行者。
पाप，f. **आ**，邪恶的；m. 邪恶的

人；n. 坏事，恶业。
पापक 邪恶的；n. 坏事。
पापात्मन् m. 坏人。
पायस n. 煮好的牛奶米饭。
पार्थिव m. 王侯，国王。
पार्श्व m. 侧面；业、依格：向…去，向着…。
पाल m. 保护者。
पाश m. 束缚。
पितृ m. 父亲；Pl. 祖宗。
पिपीलिका f. 蚂蚁。
पिशाचिका f. 女魔鬼。
पिहित 见 **धा** + **पि**。
पीड् 10. 逼迫，虐待。
पुंस् m.（103）男人。
पुट m. n. 折，空的空间。
पुण्य 有利的，幸福的，神圣的。
पुण्यश्लोक m. 那罗的别名。
पुत्र m. 儿子；f. **ई** 女儿。
पुत्रक m. 小儿子。
पुनर् 再，回来；相反，又一次，但是。**पुनः पुनः** 一再。
पुमान् 见 **पुंस्**。
पुर n. 城市。
पुरतस् Adv. 前面，在前面。
पुरस् 在…（属格）之前。
पुरा 从前。
पुराश्रुति f. 古老的教义。
पुरी f. 城市。
पुरुष m. 男人，人。
पुरोगम 走在前面的，引导者。
पुलक m. 竖立起来的汗毛，惊喜征兆。
पुष्कर n. 象鼻顶端。
पुष्करावती f. 一个城市的名字。
पुष्ट 丰满的，胖敦敦的；富。
पुष्प n. 花。
पुस्तक n. 手稿，书。
पूज् 10. 敬。加 **अभि** 同。
पूजा f. 尊敬。
पूज्य 值得尊敬的。
पूर्, पूर्ण 见 **पॄ**。
पूर m. 急流，洪水。
पूर्व （118）前面的，以前的。在多财释尾部：以…为前提的，以…为基础的，在…之下。**पूर्वम्** Adv. 从前，以前，首先。
पृथिवी f. 大地。
पृथिवीक्षित् m. 王侯，国王。
पृथिवीपति 和 **°पाल** m. 同上条。
पृष्ट **प्रच्छ्** 的 p.。
पृष्ठ n. 背部；依格和 **°तस्** 在…（属格）之后。
पृष्ठदेश m. 后面。
पॄ 9. 充满；p. **पूर्ण**（279a）。

परि- p. 填满。Kaus.(256) 填满。

पेय n. 饮料。

पोषित (पुष् 的致使形式的过去分词)整洁的。

पौरुष n. 男子的行为，男子气概。

प्रकृति 自然，自然状态；具格：出自天然。f.

प्रकोप m. 愤怒。

प्रचलन n. 摇晃。

प्रचुर 多，众多的。

प्रच्छ् 6.(143e)问；p. पृष्ट

परि- 问，询问。

प्रच्छन्न 见 छद् + प्र。

प्रजा f. 子孙；有情，创造物；臣民。

प्रणय m. 爱情，信任。

प्रणयिन् 亲爱的，亲爱者。

प्रति Präp. 支配业格，向…去，往…；关系到…，为了，因为。

प्रतिकील m. 反作用的楔子。

प्रतिकूल 不舒服(支配属格)

प्रतिक्रिया f. 帮助，出路在于…(属格)。

प्रतिक्षणम् Avy. 每时每刻。

प्रतिदिशम् Avy. 在每个方向。

प्रतिदेशम् Avy. 在每个国家。

प्रतीकार m. 对策，保护办法，帮助。

प्रत्यक्ष 清楚的；°क्षम् 在眼前；°क्षे 当场。

प्रत्यक्षता f. 公开场合；具格：公开的。

प्रत्यङ्गम् Avy. 每一肢体。

प्रत्यय m. 信任。

प्रत्युपकार m. 报复，报答。

प्रत्यूष m. n. 拂晓。

प्रथम, f. आ, ，第一。

प्रदान n. 给，施舍。

प्रधान 最优秀的，最好的。

प्रफुल्ल 盛开的。

प्रभा f. 光芒。

प्रभात n. 拂晓。

प्रभाव m. 权力。

प्रभु m.(统治…(属格)的)主人。

प्रभूत 多，众多。

प्रभृति Präp. 支配从格：从…起。

प्रमदावन n. 闺园，快乐园。

प्रमाण n. 准绳，权威，决断。

देव: प्र° 国王有权决断。

प्रयत्न m. 积极，努力。

प्रयोजन n. 企图。

प्रलय m. 死。

प्रलाप m. 诉苦。

प्रवाल m. n. 珊瑚。
प्रवेश m. 进入，入内。
प्रसन्न 见 **सद् + प्र**。
प्रसर m. 进入。
प्रसव m. 诞生。
प्रसाद m. 恩典，恩宠，恩惠。
प्रसूति f. 孩子。
प्रहार m.（用手）打，击，射，伤。
प्राकार m. 壁垒，防御工事。
प्राग्जन्मन् n. 前生。
प्राग्वत् 像从前一样。
प्राञ्जलि 伸出合掌（谦卑的标志）。
प्राण m. 气；P1. 生命。
प्राणिन् m. 有生命的物质。
प्रातर् 明天早晨，第二天。
प्रान्त m. n. 尖端，最高部分。
प्राप्त 见 **आप् + प्र**。
प्राप्तकाल m. 到来的时刻，适当的时间。
प्राप्तवयस्क (322), f. **आ**, 达到妙龄的。
प्रायस् Adv. 大多，一般。
प्रायेण 同上条。
प्रासाद m. 宫殿。
प्रिय 可爱的，令…（属格）愉快的，友好的；喜爱；n. 可爱之物，喜爱的事。
प्रीत 高兴的，愉快的。
प्रेत 见 **इ + प्र**。
प्रेमन् n. 爱慕，友谊。
प्लु Kaus. 浇，洗澡。
समा- 泛滥。
फटा f. 蛇皮。
फणाधर m. 蛇。
फल n. 果，成果。
फूत् 加 **कृ** 吹气，吹。

बत 呜乎！
बन्ध् 9.（186c）绑，捆住，系上；扣上，接合；p. **बद्ध**。
बन्धकी f. 淫荡的女人。
बन्धु m. 亲戚，同志，朋友。
बल n. 力量，强力，权力；军队。
बलवत् 强大的，势力大的；**°तर** (108)
बलिन् 强壮，势力大的。
बलीयस् (109) 更强的，更有势力的。
बहिस् Adv. 出去。
बहु 许多。
बहुधा 许多倍。
बहुल 众多。
बान्धव m. 亲戚，朋友。
बाल m. 小孩；愚者；f. **आ** 姑娘。

बालक m. 男孩，小孩。
बाल्य n. 童年。
बाष्प m. 眼泪。
बाहु m. 胳膊。
बीज n. 种子。
बुद्धि f. 觉悟，理智，悟性；决心。
बुद्धिमत् 明智的，聪明的。比较级：**°तर**。
बुद्बुद m. 水泡。
बुध् 1. 认出，领悟，注意…。— Kaus. 警告，劝说。
　नि- 领悟。
　प्र- Kaus. 劝说某人。
　सम्- Kaus. 使注意。
बृहद्रथ m. 专有名词。
ब्राह्मण 对婆罗门友善的。
ब्रह्मदत्त m. 专有名词。
ब्रह्मन् m. 婆罗门。梵天。
ब्रह्मर्षि m. 梵行仙人。
ब्रह्मविद् m. 梵学者，哲学家。
ब्रह्माण्ड n. 梵天神的卵，＝世界。
ब्राह्मण m. 婆罗门；**ई** f. 婆罗门之妻。
ब्रू 2.(155)6. 说，讲。

भक्ति f. 崇拜，献身，忠诚。
भक्तिमत् 深情的。
भक्ष् 1. 10. 吃，嚼。
भक्ष्य n. 食物。
भगवत् 尊敬的，神圣的。
भज 见 **भञ्ज्**。
भङ्ग m. 破碎；衰落，陷落。
भङ्गुर 易碎的，易消失的。
भज् 1. 享受，喜欢，选择；练习，修习。
भञ्ज् 7. 破裂，打破。
भद्र 幸福的，好的，可爱的；呼格：亲爱的！
भय n. 畏惧，危险。
भयंकर 引起恐怖的。
भर्ग m. 梵天神的别名。
भर्तृ m. 丈夫。
भवत् (91)，f. **ई**，第二人称代词，你，您(支配动词的第三人称单数)。
भवन n. 房子。
भस्मन् n. 灰；**भस्मसात्** 变成灰(303)。
भा 2. 放光明。
भाग्य n. 幸福。
भारत m. 婆罗多(Bharata)的后代。
भारती f. ＝Sarasvati，辩才女神。
भार्या f. 妻子。

भाविन् 应该存在的；美丽的。

भाष् 1. Ā. 说。

अभि- 打招呼。

प्रति- 回答。

भाषण n. 语言，方言。

भिक्षा f. 乞讨。

भिद् 7. 打破，劈开。

भिषज् m. 医生。

भी 3. 害怕…(从格)；p. **भीत** 害怕，畏惧的。

भीम 可怕的；人名。

भुक्त n. 食物，饭。

भुज् 7. 吃，食；享受，喜欢，占有；尝，接受为…(业格)的报酬；

p. **भुक्त** 。

उप- 享受。

भुज m. 胳膊。

भुजंगम m. 蛇。

भू 1. 变为，产生，属于某人(属格)，分配给；发生，是；p. **भूत** 见该条。

अनु- 感知。

अभि- 征服，袭击。

परा- 羞辱，侮辱。

परि- 轻蔑。

प्र- 见 **प्रभूत** 。

वि- Kaus. Pass. 显得。

भू f. 大地。

भूत 成为，存在的；过去的；n. 物质，生物。

भूतल n. 地面。

भूप m. 国王

भूभुज् m. 国王。

भूमि f. 大地。

भूमिका f. (楼房的)层。

भूमिष्ठ 在地上站着的(**ष्ठ**)。

भूष् 10. 装饰。

भूषण n. 装饰品。

भृ 3. 负担。

भृतक m. 仆人。

भृत्य 仆人。

भृश ，Adv. **°म्** 很。

भेक m. 青蛙。

भेषज n. 良药，抗药。

भैम，f. **ई** Bhima 的女儿。

भैषज्य n. 药(治…属格)。

भोग m. 食物；吃，享受。

भोजन n. 饭，食物。

भोस् (34a 注)喂！。

भ्रंश् 4. 落；p. **भ्रष्ट** 。

परि- 脱落，逃跑，失掉。

भ्रम् 1. 4. (143c)四处游荡。

सम्- p. **संभ्रान्त** 不知所措的，慌张的。

भ्राज् 1. Ā 放光。

मकरध्वज m. 爱神。

मक्षिका 苍蝇。 f.

मघवन् 和 **°वत्** m. 因陀罗的别名。

मणि m. 宝石，宝珠。

मण्डल n. 圆圈，圆盘。

मण्डूक m. 青蛙。

मति f. 思想，认识，理智。

मत्कुण m. 臭虫。

मत्तस् §111。

मत्स्य m. 鱼。

मद् 4.（143c）醉；p. **मत्त** 醉了的，春情发动的。

उद्- p. **उन्मत्त** 迷惑的。

प्र- 发淫。

मद m. 春情。

मदीय 我的。

मधुर 甜的，可爱的。

मध्य n. 中间，腰；依格：在…（属格）之间，在…之中，在…之内。

मध्यग 处在…之中的。

मध्यम n. 中间，腰。

मध्याह्न m. 中午。

मन् 4. Ā.（史诗也用 P.）认为，相信，认出，看作是，猜测；相信…，尊重…，重视；想着…。

अनु- 允许。

मनस् n. 意识，精神，心。

मनु m. 摩奴（人类的鼻祖）。

मनुज m. 人。

मनुष्य m. 人，男人。

मनोरथ m. 愿望。

मन्त्र m. 言语；主意，计划。

मन्त्रय Den.

संनि- 邀请。

मन्त्रवादिन् m. 诵咒者，祈祷健康者。

मन्त्रिन् m. 大臣。

मन्मथ m. 爱神。

मयूर m. 孔雀。

मरण n. 死，死亡。

मर्त्य m. 人。

मर्दन 毁灭性的。。

मर्यादा f. 边界。

महत् (90), f. **ई**, 大，重要的。

महा° (306) 大，强大的。

महाजन m. 很多人，一群。

महात्मन् 高尚的，崇高的，天赋高的。

महाप्राज्ञ 大智。

महामनस् 心灵高尚的。

महाव्रत 履行神圣誓言的。

महिषी f. 国王的主妃；牝水牛。

मही f. 大地。

महीक्षित् m. 大地的统治者。
महीतल n. 地面。
महीपति m. 王侯。
महीपाल m. 同上。
महीयस् (109)更大的；高贵的。
महेन्द्र m. 大因陀罗，大王。
मा (135)不，不行。参见§111。
माचिरम् (命令语气)毫不犹豫。
मातृ f. 母亲。
मात्र n. 尺度。在多财释尾部=仅有，仅仅，只有，几乎。
मान m. 敬意；愤懑，妒忌。
मानद 表示敬意的。
मानस n. 意识。
मानुष, f. **ई**, 人的；m. 人。
माम् §111。
माया f. 幻像。
मारुत m. 风。
मार्ग m. 路。
माल्य n. 花环。
माहात्म्य n. 伟大，威望。
मितभाषिन् 说话适度的，话少的。
मित्र n. 朋友。**°वत्** 像一个朋友一样(61)。
मिथस् 不变词；互相，私下。
मिथ्या 不变词；不真实的，编造的。
मिल् 6. 聚集，联合。
मील् 1. 加 **नि** 闭上眼睛。
मुख n. 嘴，口；面部。具格：通过。
मुग्ध (**मुह्**, §51 例外)单纯的，m 傻瓜。
मुच् 6.(143f)释放，解放，放出，赦免；排挤出，泼出，留下。独立式：除了 **मुक्त्वा** (支配业格)(283)。—Kaus. 搬出。
वि- 解放，解开；丧失…(具格)。
मुद् 1. Ā. 高兴。
मुनि m. 苦行僧，仙人。
मुष् 9. 偷，抢劫。
मुह् 4. 丧失意识。
मुहुर् 重复的，**मुहुर्मुहुः** 同上。
मूढ (**मुह्**, §51 例外)m. 愚人。
मूर्ख m. 愚蠢，m. 愚者。
मूर्ति f. 身形，体现，现像。
मूर्तिमत् 有形的，具体的。
मूर्धन् m. 头，顶端。
मूल n 根，基础。
मूल्य n. 价值。
मूषक m., **°षिका** f., 老鼠。
मृ 6. 死；p. **मृत** 死了的。
मृग m. 瞪羚。

मृत 见 **मृ**。

मृत्यु 死亡。

मृत्युकाल 死亡时。

मे §111。

मेघ m. 云。

मेघनाद m. 一只青蛙的专有名。

मौन 沉默。

म्लान 枯萎的。

य 见 **यद्**。

यक्ष m. 夜叉，一类半神。

यतस् 从哪里，在哪里；因为，副句引导词。

यत्कारणम् 因为，只要。

यत्न m. 辛苦，努力。从格：费劲地。

यत्र 哪儿，在哪里，在谁那儿(113)。

यथा 像(也作 enkl)；副句连词；正如…一样。

यथागतम् Adv. 如所来。

यथातथम् Adv. 准确地。

यथार्हम् Adv. 适当地。

यथावृत्तम् Adv. 真如其实。

यथाश्रद्धम् Adv. 信任地，公开地。

यथासुखम् Adv. 幸福地。

यथोक्त 如所说，如前所指：°**म्** Adv。

यथोचित 适当的。

यद् 关系代词语干(115)那个；**यो यद्** 不管谁；**यद्यस्मै** 无论对谁。**यद्यद्** 无论怎样。—连词 **यद्** 如果，= daß(德语)，因为。在直接引语之首，引出直接引语。**येन** 由于，因此，鉴于，就此。

यदा 何时，当…时。

यदि 如果。**यद्येवम्** 如果是这样，在这种情况下。

यम् 1.(143a)。

आ- p. **आयत** 长的，大型的。

उद्- p. **उद्यत** 准备好的，下决心做…。

नि- 制止。

प्र- 交出，嫁给。

सम्- 约束。

यम m. 死神。

यवस n. 饲料，草。

यशस् n. 名望，荣誉。

या 2. 去，来，到达。

आ- 接近，走近，动身。

समा- 走来。

निस्- 出去。

प्र- 上路，去。

यात्रा f. 游行。

यावत् 关系代词，如此大。连词：象…一样长，在…期间，直到；**यावत् – तावत्** 在…期间，一…就。Adv. 当时。介词：支配业格，在…期间。

युक्ति f. 计策。

युगल n. 一对。

युज् 7. 结合。被动态：**युज्यते** 合适，恰当；p. **युक्त** 有天赋的，具备…的。。

विनि- Kaus. 任用，使用。

संप्र- 被动态：与…(具格)结合。

वि- 与…(具格)分开，丧失。

युद्ध n. 斗争。

युध् 4. 战斗。

यूथ m. n. 畜群。

योग m. 联系。

योगिन् m. 进入沉思冥想状态的圣者，瑜伽师。

योग्य 合适的，有能力的。

योद्धव्य 动形容词(281a. 48)，字根 **युध्**。

योध m. 士兵。

योधिन् 战斗着的。

योनि m. f. 子宫，起源，性。

योषित् f. 老婆。

यौवन n. 青年，可以结婚的年龄。

रक्ष् 1. 保卫，保护，救出，保存，节省，保留。

रक्षा f. 保护，维护。

रक्षापुरुष m. 守护者。

रक्षितृ m. 保护者。

रक्षिन् m. 守护者。

रङ्ग m. 舞台，宴会厅。

रजस् n. 灰尘；月经。

रज्जु f. 绳索。

रञ्ज् 4. Kaus. 获得，使爱上。

रत 喜欢…(依格)。

रति f. 兴趣。

रत्न n. 宝石。

रत्नप्रभा f. 人名。

रथ m. 车。

रथकार m. 车匠，木匠。

रभ् 1. 加**आ**开始，着手；p. **आरब्ध** 1. 承担了，开始了；做了；2. 开始以后。

रम् 1. Ā. 娱乐，通奸。

वि- P. 停止(讲话)。

रव m. 音响，声音。

रवि m. 太阳。
रहःस्थ 独自存在的。
रहस् n. 孤独。
रहस्य n. 秘密。
रहित 被…抛弃的，没有…的。
राक्षस m. 魔鬼。
राज् 1. Ā. 发光，光彩照人。
वि- Kaus. 使美丽，装饰。
°राज (308)m. 国王。
राजन् m. 国王。
राजेन्द्र m. 大国王。
राज्य n. 统治，政府。
रात्रि f. 夜。
राध् 4. 成功。
अप- 有罪。
राधा f. 一个放牧女的名字，黑天(毗湿努神)的爱人。
रामायणकथा f. 罗摩的故事，罗摩衍那史诗。
रिपु m. 敌人。
रुच् 1. Ā. 使喜欢。
रुचिर 光辉的，美丽的，辉煌的。
रुज् 6. 打破，摧毁。
रुद् 2. (154)哭。
रुध् 4. 加 अनु 遵循。
रुह 1. 生长。
आ- 骑上；p. आरूढ 骑着…。
समा- p. 骑着…。— Kaus. (256)使骑上，坐上去。
रूप n. 形体；美貌，装饰物。
रूपक m. 卢比。
रूपवत् 美丽的。
रे 嗨！
रोग m. 病。
रोगिन् 生病的，病人。
रोपय 见 रुह 和 § 256。

लक्ष् 10. 发现，看见。被动态：看起来。
उप- 发现。
लक्ष n. 十万。
लक्षण n. 标记，吉兆。在多财释尾部：叫做…，存在于…。
लक्ष्मी f. (74)幸福，美丽。吉祥天女，毗湿奴神之妻。
लग् 1. 执着于…，附着在…；p. लग्न 附着在…。
लगुड m. 棍棒。
लज्ज् 6. Ā. 加वि害羞。
लज्जा f. 羞。
लज्जावत् 害羞的，发窘的。
लप् 1. 加 वि 悲叹。
लभ् 1. Ā. 获得，收到，找到。
लम्ब् 加 अव Kaus. 吊在…(依格)上。

लल् Kaus. 爱抚。
लालस 渴望…的。
लिङ्ग n. 特征。
लोक् 10.。
अव- 看到，观察到，盯着看，挑选出。
आ- 看到。
वि- 调查。
लोक m. 世界。单数集体名词、复数：人们，众人。
लोकक्षत् m. 造世主。
लोकपाल m. 世界的保护者（指一定的神）。
लोच् 10. 加 आ 考虑。
लोचन n. 眼睛。
लोभ m. 贪心。

वक्तृ m. 谈话人，发言人。
वक्र 弯曲的，欺诈的、狡猾的。
वक्षस् n. 胸。
वच् 2. 说、讲（对…业格，属格），讲述，教训，对…说，要求；p. उक्त（277a）。
प्र- 告诉，说。
प्रति- 回答，说反对的话。
वचन n. 谈话，言词，对话。
वचस् n. 字。
वडवा f. 牝马。
वणिज् m. 商人。
°वत §61。
वद् 1. 说（对…业、属、依格），称作。
वि- 争吵，诤讼。
वदन n. 嘴，脸。
वध् = हन् （190）；将来时，वधिष्यन्ति 58 页，倒数第 5 行代替 हनिष्यन्ति

वध m. 杀死，死刑。
वधू f. 女人，妻子。
वध्यभू f. 刑场。
वन n. 森林，林地。
वनमाला f. 森林的花做的花环。
वप् 1. 播种。
वपुस् n. 身体，美丽的体形，美人。
वयस् n. 青春年华，生命之岁，年岁。
वयस्य m. 朋友。
वर 1. m 愿望，心愿的礼物，恩典。2. 最好的，最美的。副词：वरम् 比…（从格）好；वरम् — न 宁愿…，不…。
वरण n. 选择。
वरय Den. P. Ā. 挑选出。
वरवर्णिन्, f. ई, 色彩美丽的，

美丽的。

वराक 可怜的，悲惨的。

वरुण m. 一个神的名字。

वर्ण m. 颜色。

वर्णय Den. 描写。

वर्तमान (**वृत्**) n. 现今。

°वर्तिन् 处于…。

वर्धन 增长的。

वर्ष m. n. 雨；年。

वर्षधर m. 宦官。

वल m. 一个魔鬼的名字。

वल्लभ 可爱的，亲爱者（支配依格或属格）。

वश् m. 势力；从格：由…的缘故。

वशीकृ 使服从。

वस् §111。

वस 1. 住，停留，生活，**समा-** 宿营。

उद्- Kaus. 荒废。

प्रति- 住。

वसु n. 物，财物。

वसुंधरा f. 大地。

वसुमती f. 大地。

वस्तु n. 东西，物品货物。

वस्त्र n. 衣服。

वह् 1. 驶。

वि- Kaus. 结婚。

वह्नि m. 火。

वा (enkl.) 或者。**वा — वा** 或者…，或者…，或许…，或许…。 **वापि** 或者。

वाक्य n. 言语，字。

वाच् f. 言语，字。

वाच्य (281c) 应该说的，对此应发表意见的；应指责的，应责备的。

वाञ्छा f. 愿望，（对…（依格）的）要求。

वातायन n. 窗户。

वात्स्यायन m. 印度《爱经》的著作者名。

वादिन् 说着话的；争论者。

वानर m. 猴。

वायु m. 风，空气。

वायुज m. 一种树的专有名（Arjuna—B）。

वारि n. 水。

वारिधि m. 海洋。

वास m. 休息的地方，晚安。

वासवेश्मन् n. 寝室。

वासस् n. 衣服。

वासुदेव m. Vasudeva 之子＝黑天—毗湿奴神。

वाहन 背负的；n. 套牲口的车，车。

विक्रमपुर n. 一座城市名。
विक्रय m. 卖。
विग्रह m. 争吵，纠纷，战争。
विचित्र 花的。
विचेतन 无知觉的，昏过去的。
विचेष्टित n. 行径。
विज् 6. 害怕；p. **विग्न** 惊慌的。
　उद्- p. **उद्विग्न** 吓坏了的，害怕的。
विजय m. 胜利，战胜。
विजिगीषु 希望胜利。
विज्ञप् 见 **ज्ञा + वि०**
विज्ञान n. 认识，艺术。
विज्ञेय 应被看作是…。
वित्त n. 资产，财富。
वित्तवत् 富裕的。
विद् 2.（和 § 210）知道，认识，认出；p. **विदित**。
　नि- Kaus. 宣布，布告，报告，讲述。
°विद् 认识的，熟练的（314）。
विद् 6（143f）找到，获得，拿到；被动态：存在，现有，是。
विदर्भ m. pl. 一个国家及民族的名称；Sg. 他们的国王。
विद्या f. 知识，科学，科目，学识，教导。
विद्युत् f. 闪电。
विद्वस् （98. 271）知道的，明白的，智慧的；m. 学者。
विद्विष् m. 敌人。
विधा f. 方式。
विधि m. 规则，指示。
विधुर 困难的。
विधेय 应做的；n. 责任。
विना 没有，除…（业格和具格）以外。
विपत्ति f. 不幸。
विपुष् 穷的。
विप्र 婆罗门。
विप्रिय 不可爱的（支配属格）。
विबुध m. 神。
विभव m. 财富。
विभु m. 先生，主人。
विभूषण n. 首饰。
विमान m. n. 神的车。
वियोग m. 分离（用 **सह** 或者在复合词中）。
विरजस् 无灰尘的。
विरह m. 分离。
विरोध m. 敌对。
विवर m. n. 洞。
विवर्ण 无色的。
विवाह m. 婚礼，结婚，婚姻。
विविध 不同的，多种多样的。
विवेकिन् 考察的，小心的。

विश् 6. 进入，进去；p. विष्ट。
आ- 穿透，p. आविष्ट 充满。
उप- 坐。
प्र- 进入，踏入，走入…（业、依格），许可入内。
विश् Pl. m. 臣民，人民。
विशीर्ण 见 शृ + वि。
विशेष m. 区别，特殊的种类；具格和 °तस् 特别是，很，再加上。
विश्रब्ध 相信的；Adv. °म् 信赖地。
विश्वास m. 信赖。
विष n. 毒药。
विषय m. 区域；对象，物品；Pl. 感官的享受。
विषाद् m. 绝望，胆小。
विषादिन् 畏缩不前的，无胆量的。
विष्टभ्य 见 स्तभ् + वि
विष्णु m. 一个神的名字，毗湿奴。
विस्मय m. 惊异。
विहारिन् 娱乐的。
विहित 见 धा + वि。
वीणा f.（印度的）琵琶。
वीणारवा f. 一只苍蝇的名字。
वीर m. 男人，英雄。
वीरसेन m. 人名。
वृ 9. 选择。
वृ 5. 10. 反抗，抑制；包围，封锁。
आ- p. 由…包围。
समा- p. 同上。
नि- 抑制…（从格）。
परि- 包围，装满。
वृक्क m. 狼。
वृक्ष m. 树。
वृत् 1. Ā. 转向…（依格），进行…（具格），执行；停留，处于，在。不定过去时：अवृतत्。
अनु- 跟随，跟踪。
नि- 停止，不做声。Kaus. 使回转，制止。
प्रतिनि- 回转。
परि- 转身，改变。
प्र- 起来，发生。
सम्- 举行，完成，成为。
वृत्त n. 好的行为，文明。
वृत्तान्त m. 事件，出的事，过程。
वृत्र m. 一个魔鬼的名称。
वृथा 不变词，徒劳，无用。
वृद्ध, f. आ ，老的，老头。
वृद्धि f. 生长，增长。
वृध् 1. Ā. 生长，发育，幸运。
अभि- 生长。

वि- 生长，增长。
मम्- Kaus. 养大。

वृषली f. 粗俗的女人，老婆子。
वृष्टि f. 雨。
वेग m. 激流。
वेद् m. 吠陀，圣典。
वेदना f. 疼痛。
°वेदिन् 知道的，认识的。
वेप् 1. Ā. 发抖。
वेश्मन् n. 房子，住房，房屋。
वेश्या f. 娼妓。
वै 虚词，强调性的，语气词。
वैकुण्ठ m. n. 毗湿奴天界的名称。
वैदर्भ, f. ई Vidarbha 国王的女儿。
वैद्य m. 医生。
वैनतेय m. 金翅鸟(Garuḍa)的母系名称。
वैर n. 敌意。
वैरिन् m. 敌人。
व्यग्रता f. 忙着的状态。
व्यजन n. 扇子。拂尘。
व्यतिक्रम m. 跨越，损伤。
व्यवसाय m. 决心。
व्यवहार m. 驱动，过程。
व्यसन n. 不幸。
व्याकुल 不安静，激动的；°लीभू (303)。
व्याकुलित 受惊的，激动的。
व्याघ्र m. 老虎(317d)。
व्रज् 1. 走去。
व्रत n. 誓言，许愿。

शंस् 1. 加 प्र 赞美。
शक् 5. 能够。被动态：शक्यते कर्तुम् 这可以被做。
शक्र m. 因陀罗(Indra)的别名。
शङ्का f. 害怕。
शङ्ख m. 螺贝。
शची f. 因陀罗(Indra)之妻的名称。
शत n. 一百。
शत्रु m. 敌人。
शनकैस् Adv. 轻柔的，轻声的。
शनैस् Adv. 慢慢地。
शप् 1. 咒，诅咒。
शब्द m. 声，声响，字。
शम् 4(?). 10. 加 नि 听到，听，知道。
शयन n. 寝床。
शयनीय n. 同上。
शय्या f. 床。
शर m. 箭。
शरण m. 庇护所。

शरद् f. 秋天。
शरीर n. 躯体，身体。
शशिन् m. 月亮。
शस्त्र n. 尖锐的武器。
शाखा f. 树枝。
शान्ति f. 安静，内心的平静。
शाप m. 咒语。
शार्दूल m. 老虎(317d)。
शाला f. 牲口棚。
शालि m. 米。
°शालिन् 有…的天赋的。
शावक, f. **°विका**, 崽。
शासन n. 命令，要求。
शास्त्र n. 学问，教科书。
शिक्षित 上过课的。
शिखिन् m. 火。
शित (p. 字根 **शो**)尖锐的。
शिव 幸福的，吉祥的。
शिष् 7.，加 **वि**, p. **विशिष्ट** 卓越的。
शी 2. Ā. (157)躺着，休息，睡觉。
शीत 冷，凉。
शीतल 凉的。
शील n. 好的风俗，品德。
शुच् 1. 诉苦，悲叹。 **अनु-** 悲叹。
शुचिस्मित, f. **आ** 开心地笑的。
शुभ 美丽的，好的；吉祥的，有利的；n. 好事。
शूद्र, f. **ई**, 首陀罗(种姓之第四)。
शूर 勇敢的；m. 英雄，武士。
शूल m. n. 枪，戟。
शॄ 9. 加 **वि** 打碎；p. **विशीर्ण**。
शेष m. n. 剩余，剩下的，其他的。在多财释尾部：只剩下…的。
शोक m. 痛苦，悲哀。
शोभन 美丽的，合适的。
शोभा f. 美，庄严。
श्मशान n. 墓地。
श्येन m. 鹫。
श्रम् 4. (143c)疲倦；p. **श्रान्त**。
श्रम m. 努力，辛苦。
श्रवण m. n. 耳，听。
श्रि 1. 动身去，去访问。
आ- 来至，去访问，动身去。
समा- 动身去，去拜访。
श्री f. 幸运，光辉。
श्रीदेवी f. 吉祥天女(317d)。
श्रु 5. (177)听。
प्रति- 给某人(属格)允诺。
वि- 被动态：出名。
सम्- 应允。

श्रेष्ठ (109)最好的，最优秀的，最高的。

श्रोतृ m. 听者。

श्लिष्, वि- Kaus. 分离，丧失…(具格)。

श्लेष्मन् m. 粘液。

श्वशुर m. 公公，岳父。

श्वस् 加 आ 致使动词：使平静。

श्वस् 不变词，明天。

षड्गुण 六倍。

षण्मासिक 六个月的。

षोडश 第16。

स, सः 见 तद् (114)。

स° 在复合词中：与…(320c)。

संकल्प m. 思想，考虑，理智。

संकुल 充满，全是…。

संक्रमण n. 驶入…(依格)。

संक्षय m. 减少，缺少。

संगम m. 联合。

संचारण n. 运动。

संचारिन् 运动的。

संतति f. 子孙后代。

संतान m. n. 同上。

संतुष्ट 满意。

संतोष m. 满意。

संदेह m. 疑惑，不定。

संनिधि m. 附近，现前；依格：在…那儿。

संपत्ति f. 幸运。

संपद् f. 完成。

संभव m. 产生，迸发。

संयोग m. 结合，联合。

संसार m. 轮回。

संस्तव m. 相识。

सकरुणम् Adv. 悲惨的。

सकल 完全，一切。

सकाश m. 附近，业格：到…去；从格：从…来，由…(加属格或者作为复合词)。

सक्त 见 सञ्ज्。

सक्तु m.(大麦等磨成的)粗面粉。

°सख (308)由…陪伴的。

सखि m. 朋友(66)；सखी f. 女朋友。

सख्य n. 友谊。

सगद्गदम् Adv. 吞吞吐吐地，抽噎。

सचिव m. 大臣。

सचेतन 有意识的。

सज्जन m. 正直的、好的人。

सञ्ज् 1. 附着于…；p. सक्त 执着的。

आ- p. 执着于。

सत् (267b. 88)存在着的。

Adj. 好的，正直的。

सततम् Adv. 始终，永远。

सत्कार m. 款待。

सत्तम (108)最好的。

सत्य 真实的；n. 真理，真实；保证，诺言，誓言。**तेन सत्येन** 确实如此。

सत्यव्रत 信守誓言的，真实的。

सत्वरम् Adv. 迅速地。

सद् 1. (143h)坐。

आ- p. **आसन्न** 近的；n. 附近。—Kaus. 撞到…上，碰上，达到。

प्र- p. **प्रसन्न** 慈善的。

सदा 永远。

सदृश 相似的，一样的；合适的，同等的。

सद्यस् Adv. 立刻，一下子。

सनातन, f. **ई**, 一贯的，持续的。

सनाथ 具备。

सपाद 多财释，持有四分之一的。

सप्तन् 七。

सफल 有果实的。

सभय, f. **आ**, 可怖的。

सभा f. 大厅，聚会。

सम 同样；**समम्** 连同(具格)。

समक्षम् 当着…的面(复合词)

समय m. 时间。

समवाय m. 联合，联盟。

समस्त 完全，一切。

समागम m. 联合。

समाचार m. 进程。

समाज m. 社会。

समान 同样的(支配具格)。

समारोप्य 见 **रुह** + **समा**。

समाहित 专心致志的。

समीप n. 附近；**°पम्** 往(加属格)。

समुद्र m. 大海。

समुद्रदत्त m. 人名。

समृद्ध 富的。

समेत 见 **इ** + **समा**。

सम्यक् Adv. 正确地，准确地。

सरित् f. 河流。

सर्प m. 蛇。

सर्व (117)大家，每个。

सर्वगत 全面的。

सर्वतस् **सर्व** 的从格；Adv. 各个方面，到处。

सर्वत्र 到处，**°गत** 全面的。

सर्वदा 永远。

सर्वभूत n. Pl. 一切创造物。

सर्वविद् 全知的，完全精通的。

सर्वशस् Adv. 完全，一共。

सलज्ज，f. **आ**， 羞愧的。

सविनयम् Adv. 谦虚的。

सविस्मयम् Adv. 惊讶地。

सव्य 左面的。

सस्मितम् Adv. 微笑着的。

सह 1. Ā 忍受，容忍；不定式：**सोढुम्**（51 例外）。

उद्- 能够，有能力做…（业格）。

सह 前置介词（加具格）和副词：与。在复合词中＝**स°**。

सहचर m. 伴侣，同志。

सहचारिन् m. 同上。

सहसा 突然。

सहस्र n. 千。

सहस्रकिरण m. 太阳。

सहाय m. 伴侣，随从。

सहित 联合了的。

सा 见 **तद्**。

साम्प्रतम् 现在。

साकम् 前置介词（加具格）与。

साक्षात् 亲眼，活灵活现的。

साग्निक 与火（Agni）结合的。

साध् Kaus. 执行，完成，使实现，达到，补偿。

साधन n. 成功。

साधु 好的，对的；m. 圣人。Adv. 对，太棒了，好极了。

साध्य 可实行的，可达到的，可能的。

सानुराग 陷入爱情的。

सान्त्व n. 调解，好话。

सान्वय 多财释，连同家族的。

सामर्थ्य n. 权力，干…（依格）的能力。

सायम् 晚上。

सायुध 武装的。

सार्धम् 同…（具格）一道。

साशङ्क 可怖的，胆颤心惊。

साहाय्य n. 支持，帮助。

सिंह m. 狮子。

सिद्ध 成功的，达到的，实现的。

सिध् 1.（301c），加 **नि** 防御；加 **प्रति**，抵御，禁止。

सीमन् f. 界。

सीमाधिप m. 邻界的王侯。

सु° 好的，美的，幸福的，恰当的，很。

सुकुमार 娇嫩的。

सुख 舒适的；n. 享受，欢乐；Adv. **सुखम्**，**सुखेन** 舒服地，恰意，平静地，轻地，不费劲地。

सुजन m. 好人。

सुत m. 儿子；**आ** 女儿。

सुदर्शन m. n. 毗湿奴神的圆

盘。

सुधा f. 甘露。

सुधी 智慧的。

सुन्दर, f. **ई**, 美丽的；**°तर** (108)。

सुप्त 见 **स्वप्**。

सुबहु 非常多。

सुभग 可爱的，亲爱的；f. **आ** 亲爱者。

सुभाषित n. 巧妙的词句。

सुमन्त्र m. 好的建议。

सुमहत् 很大，一重要的。

सुर m. 神。

सुलभ 易到手的，便宜的。

सुवर्चस 光辉的，华丽的。

सुवर्ण n. 金子。

सुहृद् m. 朋友；f. 女友。

सूच् 10. 暗示，使明白，暴露。

सूद् 10. 杀死。

सूनु m. 儿子。

सूर्य m. 太阳，太阳神。

सृ 1. 跑。

अप- 跑开，停止。

सृज् 6. 投掷，让落下。

उद्- 松开，使自由。

सृप् 1. 加 **वि** 跑散。

सेनापति m. 军队首领。

सेव् 1. Ā 访问，与…(业格)相爱。

आ- 热忱，享受。

नि- 与…(业格)相爱；共分，招来。

सेवक m. 侍从。

सेवा f. 服务。

सैनिक m. 士兵，卫兵。

सैन्य n. 陆军。

सोढुम् 见 **सह**。

सोमशर्मन् 人名。m.

सौदामनी f. 一种特殊的闪电。

सौभाग्य n. 幸福，魅力。

सौहार्द n. 友谊。

स्कन्ध m. 肩膀。

स्तभ् 1. 9. (189b. 301c)使牢固；p. **स्तब्ध** 僵直的。

वि- 停住。

स्तम्भ m. 柱，支柱。

स्तु 2. (156)赞美，表扬。

स्त्री f. (72)女人，妻子。

स्त्रीजन m. 女人们。

°स्थ (314b)站着的，位在…。

स्थल n. 陆地，大陆；地面。

स्थविर 老的。

स्था 1. (143h)站，站着，停留，在场，固守，支持住，留在；坚持；平静下来，停止；支持；

是；p. स्थित 站着的，准备好的，位于，是。Kaus.（255）放置，牢牢拿住。

अनु- 执行，做；p. अनुष्ठित。

आ- 使用

उद्-（उत्था §302a）P.Ā. 起来，升起，升高。

समुद्- 起来。

उप- 走过去，动身去。

प्र- 起身。

सम्- Kaus. 放置，带来。

स्थाणु m. 桩，大块，柱子。

स्थान n. 地方，场地，地点；家什。

स्थिति f. 规则。

स्ना 2. 洗澡。

स्निग्ध （下一个词的 p.）m. 情人。

स्निह् 4. 爱，是…（属格）的朋友。

स्नेह m. 爱情，友谊。

स्पृश् 6.（不定式：स्प्रष्टुम् 根据 §16）触及，摸。

उप- （用水）弄湿。

स्फुट् Kaus. 锄掉。

स्फोटन n. 破裂。

स्म 使现在时有了过去时的含义。常作虚词。

स्मि 1. 微笑。

वि- 惊奇。

स्मित n. 微笑。

स्मितपूर्वम् Adv.（末语）先笑地。

स्मृ 1. 回忆起…（业格、属格）；p. स्मृत 被想着的；流传下来的，有效的。

वि- 忘记。

स्रज् f. 花环。

स्व，f. आ， 自己的，他的（＝suus，拉丁文，译者注）。

स्वकीय 自己的，他的；m. 亲属。

स्वदेश m. 自己的国家。

स्वप् 2.（154. 189a）睡觉. p. सुप्त 睡觉去了，睡着觉了。

स्वप्न m. 睡觉，梦。

स्वभाव m. 本性，自性。

स्वभावकृपण m. 专有名。

स्वयंवर m. 自选（丈夫），自由选择。

स्वयम् 不变词：自己，自动，亲自。

स्वर्ग m. 天空。

स्वलंकृत 装扮得漂亮的。

स्वल्प 很短。

स्वस्थ 健康的，情绪好的。

स्वाधीन 他(你)自己的。

स्वापत्य n. 自己的孩子(崽子)。

स्वामिन् m. 主子,主人。

स्वार्थ m. 自己的东西。

स्वेच्छा f. 自己的愿望;具格;随心所欲。

स्वेद m. 汗。

स्वैरम् Adv. 小心的,秘密的。

ह 虚词。

हंस m. 鹅,天鹅。

हत 见 **हन्** 。

हन् 2.(158) 打死,击中,伤,杀死,消灭,驱散;p. **हत** 挨了打的,受了伤的,毁灭了,丢失的。

आ- 钉进去;p. 击中了的。

नि- 打倒,杀害,

निस्- 打进去。

°हन् (107) 杀死…的。

हर m. 湿婆神的名字。

हरि m. 毗湿奴神的名字。

हर्षित 见 **हृष्** 。

हस् 1. 笑。

प्र- 笑,突然笑起来。

हस्त m. 手。

हस्तिन् m. 大象。

हा 3.(172) 离开;p.

हीन 见该条。

वि- 离开,抛弃。

हार m. 珍珠项链。

हासिन् 微笑着的。

हाहा 哟! 哟!

हि 因为,正是;虚词。

हिंस 7. 加害于…,损伤,弄糟。

हिंसा f. 损伤,暴力行为。

हिङ्गु n. 兴渠(取材于一种树的调料)。

हित (**धा** 的 p.)友好的,好意的;n. 好事,福利。

हितकारक m. 慈善家。

हिमालय 喜玛拉雅。

हिरण्य n. 金子。

हीन (हा) 缺少,无…(具格)的。

हुताश m. 火神。

हृ 见 **हृ** 。

हृ 1. 拿走,抢走,偷,战胜。

उद्- 说,讲述。

प्रत्या- 制止。

व्या- 说话,说。

सम्- 吸收,消灭。

हृच्छय m. 爱情。

हृद् n. 心。

हृद्य n. 心。

हृष् 4. 高兴；p. **हृष्ट** 高兴的，愉快的。Kaus. 使高兴，p. **हर्षित**。

प्र- p. 高兴的，愉快的。

हृषित 挺直的，新鲜的。

हेतु m. 原因，理由。

हू 2. Ā. 加 **नि** 否认。

ह्रस्व 小的。

ह्वे 1.（189a. 207）呼叫。

आ- 呼叫，要求，邀请。

补充词汇：

arpaya 递上，献给。
alika 欺骗的，骗人的。
asrukantha n. ，带哭腔的声音。
arambha m. 开始。
aradhana n. 尊敬，崇拜。
aroha m. 上升，升起。
asis f. 祈愿，祝福。
kantha m. 喉咙，脖子，声音。
kartavya Adj. 有责任的，n. 责任。
ksina 消瘦了的，弱的。
catura 狡猾，熟练的。
jara m. 情夫。
jna＋anu 允许，指出。
tark 讨论，辩论。
danda m. 棒子，惩罚，杖。
dasa m. 侍从。
dis f. 方向。
durmanas 粗暴的。
duskrta n. 坏的行为，罪行。
dhyana 禅定。
dhyai 做禅定。
nasin m. 毁灭者。
nisvasa m. 呼气。
path 读，朗颂，念。
pariakrta 净化了的。
pacaka m. 厨子。
pisacika f. 鬼，食尸女。
punya n. 顺从，品德。
pratikriya f. 相对的措施。
pratyupakara m. 相对的帮助。
prayojana n. 目的，必要性。
pralapa m. 说胡话。
prahara m. 打，击，砍。
brahmara m. 属于婆罗门的。
bhasana n. 讲话，向…，讲话。
bhukta 吃过饭的。
bhu＋para 战胜。
magna 沉下，沉没。
man－ava 侮辱。
muhur Adv. 一会儿。
muhur muhuh 一再。
mrj 通过磨擦使干净。
yathasraddham 以应有的尊敬。
yukti f. 论点。
ranj 染色。
rata 忙于…的，喜悦的。
ruc 喜欢，显出。
ropaya 种植。

rohaya 使升上。
vahana n. 一个神的坐骑。
vesya f. 娼妓。
vyad 穿透。
sas 统治，规定。
samskrta 被引进的，加了工的。
sumanas 好心的，n. 花。
han 打死。
havis n. 纯化了的作供品的黄油。
hara m. (项)链。

后　记

斯坦茨勒(A. F. Stenzler)所著《梵文基础读本》自1870年在德国问世以来，一直受到梵语学者的欢迎，在德国不断再版，至今已再版二十多次。这本书仅针对曾是绚丽多彩的中古印度文学以及科学文献的规范的、所谓古典梵文文法，而不包括吠陀文献的语法内容。本书的特点是篇幅虽然短，却囊括了梵文规范语法的全部内容，较少解释、叙述，让人一目了然。本世纪初，德国梵语学者盖尔德尼(K. F. Geldner)忠实于原著的风格，在原著的基础上增加了练习例句以及阅读文选部分，使这本短小精悍的语法书长期以来成为德国大学的梵语教科书。

现在呈现读者面前的这本汉文译本主要是由季羡林先生翻译完成的。早在1960年，为了给新中国的第一批梵语学者开课，季羡林先生根据《梵文基础读本》的德文本编译出第一部梵语教材。后来，这部教材曾以油印本的方式，以复印本的方式在中国梵语学者中间流传。现在，感谢北京大学出版社的支持，终于使这部教材以正规文本的方式和爱好梵学的人见面了。

本书是根据《梵文基础读本》的第十七版译出的。为了保持原书的特点，第十七版中比瓦士(Samarendranath Biswas)所做的附录没有收入。唯款式悉依据德文原版。

由于种种条件的限制，书中出现的梵文字符都是从原书中剪下再用手工粘贴上去的。手工操作难免有不规整的地方，望读者见谅。这是令人遗憾的地方，只好待日后改进。

最后，感谢北大东方学系的蒋和平为本书排版所做的努力，感谢北大出版社使本书得以出版。

段　晴

1995 年 1 月 10 日